www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 214 • ठाणे, गुरुवार 30 अप्रैल, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

पेज 8

मंधाना को आईसीसी रैंकिंग में एक स्थान नीचे खिसकीं

धोनी का पूरे IPL से बाहर रहना लगभग तय

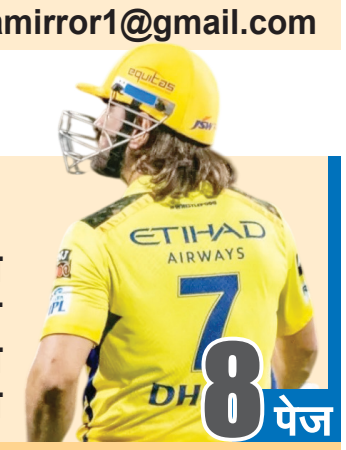

पेज 8

सुप्रभात

यदि तुम गंदगी से और संसार भर के पापों से बचना चाहते हो, तो खूब दृढ़तापूर्वक काम करो, चाहे तुम्हारा काम अस्तबल साफ करना ही क्यों न हो। - **थोरो**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (30 अप्रैल) 7:01 बजे, सूर्योदय (01 मई) 6:11 बजे, **तापमान: 31 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

22 पेड़ काटे, क्यों न 22 करोड़ वसूले जाए?

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने नाशिक महानगरपालिक (एनएमसी) को कारण बताओ नोटिस जारी कर सवाल किया है कि प्रतिबंध के बावजूद 22 पेड़ काटने के लिए उससे क्यों न 22 करोड़ रुपए वसूले जाने चाहिए। एनजीटी ने इसी के साथ नाशिक में पेड़ काटने पर रोक की मियाद भी 19 जून तक बढ़ा दी। 28 अप्रैल को सुनवाई के दौरान आवेदक और पर्यावरणविद मनीष बाविस्कर ने सूचित किया कि रोक के बावजूद नासिक में 22 पेड़ काटे गए थे। उन्होंने अधिकरण से अनुरोध किया कि एनएमसी की आयुक्त मनीषा खत्री और नगर निकाय के उद्यान अधीक्षक विवेक भदाणे से व्यक्तिगत रूप से 22 करोड़ रुपए वसूले जाएं।

सुनेत्रा पवार पर 32 करोड़ के केस का अंत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आयकर अपील न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने एनसीपी (अजित पवार गुट) की नेता सुनेत्रा पवार को बड़ी राहत देते हुए 32.14 करोड़ रुपए की कथित अघोषित आय का मामला पूरी तरह खारिज कर दिया है। अदालत ने माना कि आयकर विभाग के आरोप केवल अनुमानों पर आधारित थे। ट्राइटन ग्रुप के जितेन पुजारी के ठिकानों पर हुई छापेमारी में आयकर विभाग को एक डायरी मिली थी, जिसमें 'डीडी' नाम के व्यक्ति के साथ करोड़ों के लेन-देन का हिसाब था। विभाग ने अपनी थ्योरी में दावा किया कि डीडी का मतलब अजित पवार (दादा) है। इसी आधार पर आयकर अधिनियम की धारा 153सी के तहत कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें सुनेत्रा पवार को भी शामिल किया गया।

अब डिजीलॉकर पर तुरंत मिलेगी मार्कशीट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने बुधवार को महत्वपूर्ण स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि अब छात्रों को अपने आधिकारिक डिग्री प्रमाणपत्र के लिए दीक्षांत समारोह के आयोजन तक महीनों इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होगी। अक्सर देखा जाता है कि फाइनल ईयर के परिणाम घोषित होने और वास्तविक दीक्षांत समारोह के बीच एक लंबा समय अंतराल होता है। इस बीच, कई मेधावी छात्र विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा, स्कॉलरशिप, इंटर्नशिप या सरकारी और निजी नौकरियों के लिए आवेदन करते हैं। डिग्री प्रमाणपत्र के अभाव में कई बार छात्रों के हाथ से सुनहरे अवसर निकल जाते हैं।

ड्रिलिंग मशीन के गिरने से कांस्टेबल की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई में निर्माणाधीन फ्लाईओवर स्थल पर ड्रिलिंग मशीन के गिरने से एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार रात मानखुर्द इलाके में सायन-पनवेल राजमार्ग के पास जब कांस्टेबल संतोष गोपाल चव्हाण मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। मानखुर्द थाने के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा था तभी नींव खोदने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ड्रिलिंग मशीन पुलिसकर्मी पर गिर गई। घायल चव्हाण को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया।

पांच राज्यों के एग्जिट पोल्स जारी : असम में बीजेपी को क्लीन स्वीप, केरलम में बदल रही सरकार!

• बंगाल के छह एग्जिट पोल्स बना रहे भाजपा सरकार, दो में 'दीदी' दमदार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल जारी हो गए हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल के नतीजे सबसे ज्यादा चौंकाने वाले हैं। बंगाल के पांच एग्जिट पोल्स में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को पीछे छोड़ती नजर आ रही है। केवल एक पोल में टीएमसी को बढ़त दिखाई गई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल के नतीजे बेहद दिलचस्प और चौंकाने वाले हैं। सामने आए आठ प्रमुख सर्वे में से छह में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ राज्य में अपनी पहली सरकार बनाती दिख रही है। 'प्रजा पोल' के सर्वे में तो भाजपा को सबसे बड़ी जीत (178-208 सीटें) मिलने का अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा 'पोल डायरी', 'पी-मारक्यू', 'मैट्रिज', 'चाणक्य स्ट्रैटजीज' और 'जेवीसी' ने भी भाजपा को सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर स्पष्ट बढ़त दी है और बहुमत के आंकड़े के पार रखा है। इन छह एजेंसियों के रुझानों से साफ संकेत मिल रहा है कि लंबे समय से सत्ता पर काबिज तृणमूल को इस बार करारी शिकस्त का सामना करना पड़ सकता है।

दो एग्जिट पोल्स टीएमसी के लिए राहत

हालांकि, दो एग्जिट पोल्स ऐसे भी हैं जो पूरी तरह से अलग कहानी बयां कर रहे हैं और तृणमूल के लिए बड़ी राहत लेकर आए हैं। 'जनमत पोल्स' और 'पीपल्स पल्स' के सर्वे में तृणमूल की सत्ता में शानदार वापसी का दावा किया गया है। 'जनमत पोल्स' के अनुसार तृणमूल 195-205 सीटें जीतकर फिर से अपनी सरकार बना सकती है, जबकि इस सर्वे में भाजपा को 80-90 सीटों पर ही समेट दिया गया है। वहीं, 'पीपल्स पल्स' ने भी तृणमूल को 177-187 सीटें और भाजपा को 95-110 सीटें दी हैं। कुल मिलाकर, एग्जिट पोल्स के ये विरोधाभासी आंकड़े बंगाल में एक बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर का इशारा कर रहे हैं, जिसका असली फैसला मतगणना के दिन ही होगा।

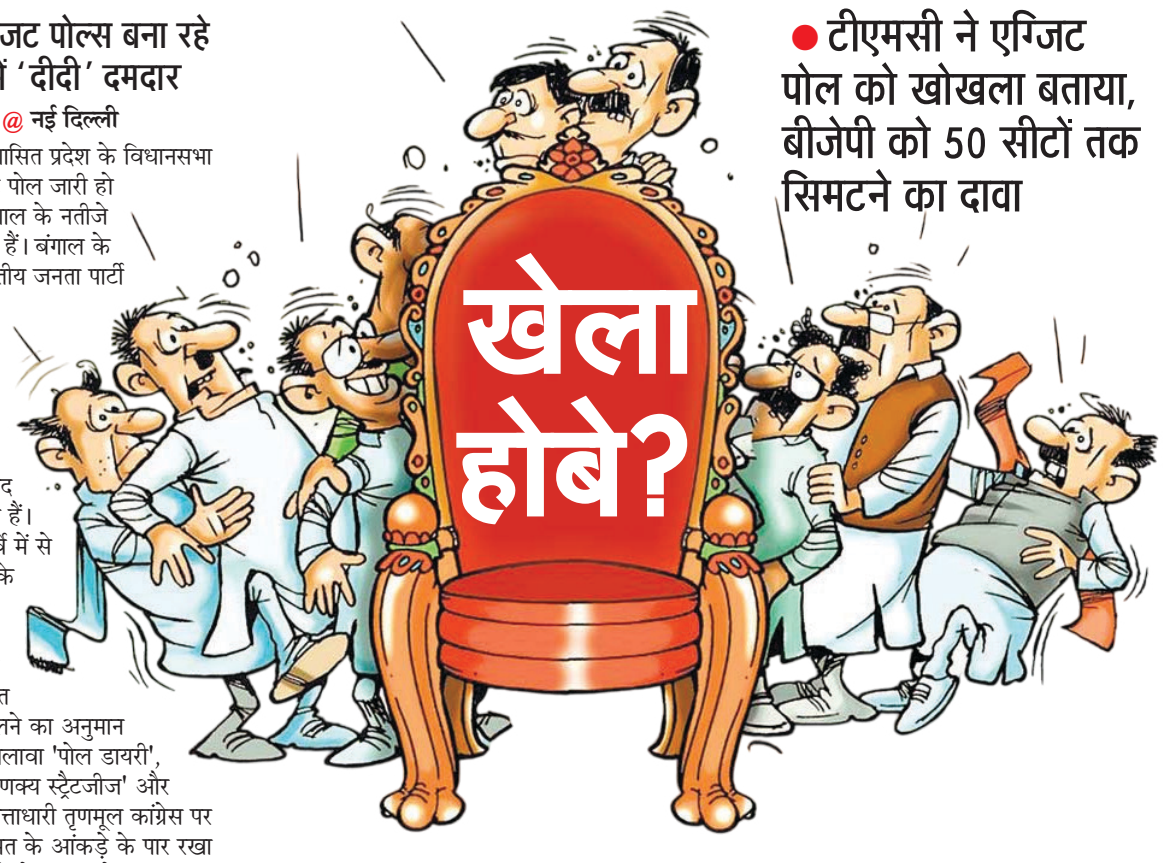

• टीएमसी ने एग्जिट पोल को खोखला बताया, बीजेपी को 50 सीटों तक सिमटने का दावा

पश्चिम बंगाल एग्जिट पोल: एक नजर में आंकड़े

एजेंसी	तृणमूल+	भाजपा	अन्य
मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
पोल डायरी	99-127	142-171	5-9
चाणक्य स्ट्रैटजीज	130-140	150-160	6-10
प्रजा पोल	85-110	178-208	0-0
पीपल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
पी- मारक्यू	118-138	150-175	2-6
जनमत पोल्स	195-205	80-90	4-9
जेवीसी	131-152	138-159	2-4

पुदुचेरी एग्जिट पोल 2026: पांचों सर्वे में एनडीए को स्पष्ट बहुमत

पुदुचेरी विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन ने पूरी तरह से बाजी मार ली है। बंगाल में जहां पांच एग्जिट पोल्स में भाजपा आगे है, वहीं पुदुचेरी के सभी पांच प्रमुख सर्वे में एनडीए भारी बहुमत के साथ सरकार बनाता दिख रहा है। 'प्रजा पोल' और 'कामाख्या एनालिटिक्स' के अनुमानों के अनुसार तो एनडीए 20 से ज्यादा सीटें जीत सकता है। इन रुझानों से एकदम साफ है कि पुदुचेरी की जनता ने सत्ता की चाबी एक बार फिर एनडीए गठबंधन को सौंपने का मन बना लिया है, जबकि कांग्रेस गठबंधन बहुमत के आंकड़े से काफी पीछे छूट गया है। 'प्रजा पोल' ने एनडीए को सबसे शानदार जीत देते हुए 19-25 सीटें और कांग्रेस+ को 6-10 सीटें दी हैं। 'कामाख्या एनालिटिक्स' ने भी एनडीए को 17-24 सीटों के साथ बड़ी बढ़त दिखाई है। 'एक्सिस माय इंडिया' के अनुसार एनडीए को 16-20 और कांग्रेस+ को महज 6-8 सीटें मिल सकती हैं। 'जेवीसी' (15-17) और 'पीपल्स पल्स' (16-19) ने भी एनडीए को बहुमत के पार रखा है। इन सभी पांच सर्वे में नई पार्टी टीवीके+ का कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है, और अधिकांश एजेंसियों के अनुसार उसका खाता खुलना भी मुश्किल लग रहा है।

पुदुचेरी एग्जिट पोल 2026: एक नजर में आंकड़े

एजेंसी	एनडीए	कांग्रेस+	टीवीके+	अन्य
पीपल्स पल्स	16-19	10-12	0-0	1-2
एक्सिस माय इंडिया	16-20	6-8	-	3-7
प्रजा पोल	19-25	6-10	0-0	0-0
कामाख्या एनालिटिक्स	17-24	4-7	1-2	0-1
जेवीसी	15-17	11-13	1-2	0-1

तमिलनाडु एग्जिट पोल 2026: द्रमुक गठबंधन की सत्ता में वापसी के स्पष्ट संकेत, टीवीके ने भी दिखाया दम

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं। इसमें मुख्य रूप से सत्ताधारी द्रमुक गठबंधन की शानदार वापसी के संकेत मिल रहे हैं। 234 सीटों वाली तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है । सामने आए छह प्रमुख एग्जिट पोल्स में से पांच एजेंसियों ने द्रमुक+ को पूर्ण बहुमत मिलने का अनुमान जताया है। जेवीसी ने अन्नाद्रमुक गठबंधन को 128 से 147 सीटें देकर उसकी सरकार बनने की भविष्यवाणी की है, जबकि इस सर्वे में उसने द्रमुक+ को महज 75 से 95 सीटों पर रखा है। 'प्रजा पोल' ने द्रमुक+ को सबसे अधिक 148 से 168 और 'चाणक्य स्ट्रैटजी' ने 145 से 160 सीटें दी हैं । वहीं, 'मैट्रिज' ने द्रमुक+ को 122-132, और 'पीपल्स पल्स' तथा 'पी-मारक्यू' दोनों ने 125-145 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। जेवीसी को छोड़कर बाकी सभी सर्वे में अन्नाद्रमुक+ 100 के आंकड़े को भी पार नहीं कर पा रही है । इन सबके बीच, अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके भी अपना खासा प्रभाव छोड़ती दिख रही है। 'पी-मारक्यू' के अनुसार टीवीके को 16-26, 'पीपल्स पल्स' के अनुसार 18-24 और 'मैट्रिज' के मुताबिक 10-12 सीटें मिल सकती हैं। इन आंकड़ों से साफ है कि तमिलनाडु में द्रमुक+ एक बार फिर सरकार बनाने की रेस में सबसे आगे है।

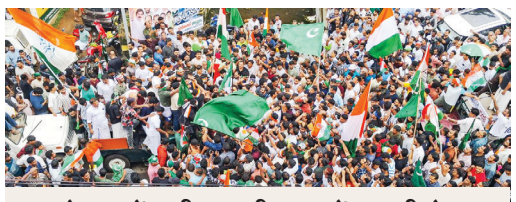

केरल में यूडीएफ की सत्ता में वापसी के मजबूत संकेत, एलडीएफ को लगा झटका

केरल विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिनमें राज्य में सत्ता परिवर्तन के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। 140 सीटों वाली केरल विधानसभा में बहुमत का जादुई आंकड़ा 71 है। छह प्रमुख एग्जिट पोल्स में से पांच सर्वे में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। 'एक्सिस माय इंडिया' के अनुसार यूडीएफ को सबसे ज्यादा 78-90 सीटें मिल सकती हैं, जबकि सत्ताधारी वामपंथी गठबंधन एलडीएफ को 49-62 सीटों पर ही सिमटना पड़ सकता है। 'पीपल्स पल्स' एकमात्र ऐसी एजेंसी है जिसने एलडीएफ की सत्ता में वापसी का अनुमान जताते हुए उसे 75-85 सीटें दी हैं और यूडीएफ को 55-65 सीटों पर रखा है। 'मैट्रिज' ने यूडीएफ को 70-75 और एलडीएफ को 60-65 सीटें दी हैं। वहीं, 'जेवीसी' ने यूडीएफ को 72-84, 'वोट वाइब' ने 70-80 और 'पीमारक्यू' ने 71-79 सीटें मिलने का अनुमान जताया है, जो पूर्ण बहुमत को दर्शाता है। राज्य में अपनी मजबूत पैठ बनाने की कोशिश कर रही भाजपा की स्थिति अभी भी ज्यादा असरदार नहीं दिख रही है। ज्यादातर एजेंसियों ने भाजपा गठबंधन को सिंगल डिजिट (0 से 7 सीटों के बीच) में ही रखा है, जिसमें 'जेवीसी' ने उसे अधिकतम 3-7 सीटें मिलने की उम्मीद जताई है। इन एग्जिट पोल्स के रुझानों से साफ है कि केरल की जनता इस बार सत्ताधारी एलडीएफ को हटाकर यूडीएफ पर भरोसा जताती नजर आ रही है।

असम में क्या भाजपा लगाएगी हैट्रिक? सभी पोल्स में यही अनुमान

असम विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के अनुमानों ने राज्य की सियासत की तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। विभिन्न एजेंसियों के सर्वे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों को स्पष्ट बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। सात प्रमुख एग्जिट पोल के औसत रुझानों में भाजपा गठबंधन को 80 से 100 सीटों के बीच बढ़त मिलती दिख रही है, जो सरकार बनाने के लिए पर्याप्त है। मैट्रिज के सर्वे के अनुसार, भाजपा को 85 से 95 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 25 से 32 सीटों तक सीमित रह सकता है। अन्य दलों को 6 से 12 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं आजतक एक्सिस माय इंडिया ने भाजपा को और मजबूत स्थिति में दिखाते हुए 88 से 100 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है, जबकि कांग्रेस को 24 से 36 सीटें मिल सकती हैं। अन्य एग्जिट पोल एजेंसियों के आंकड़े भी इसी ट्रेंड की पुष्टि करते हैं। जेबीसी-टाइम्स नाउ के अनुसार भाजपा 88 से 101 सीटें जीत सकती है, जबकि कांग्रेस 23 से 33 सीटों के बीच रह सकती है। पीपल्स पल्स ने भाजपा को 83 से 91 सीटें और कांग्रेस को 23 से 31 सीटें मिलने की संभावना जताई है। पोल डायरी के अनुमान में भाजपा 86 से 101 सीटों के साथ मजबूत स्थिति में है, जबकि कांग्रेस 15 से 26 सीटों तक सिमट सकती है। चाणक्य स्ट्रैटेजीज ने भाजपा को 88 से 98 सीटें और कांग्रेस को 22 से 32 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं पी-मार्क्यू के सर्वे में भाजपा को 82 से 94 सीटें और कांग्रेस को 30 से 40 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई है। अन्य दलों को लगभग सभी सर्वे में सीमित सफलता मिलती दिखाई दे रही है। इन एग्जिट पोल के रुझानों से यह संकेत मिल रहा है कि राज्य में भाजपा का जनाधार अभी भी मजबूत बना हुआ है और पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी कर सकती है। दूसरी ओर, कांग्रेस के लिए यह चुनाव अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन न करने का संकेत दे रहा है।

उद्धव ठाकरे नहीं लड़ेंगे एमएलसी का चुनाव

दानवे उम्मीदवार, एमवीए में दरार?

• हर्षवर्धन सपकाल ने किया स्वतंत्र उम्मीदवार का दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के घटकों के बीच खींचतान बुधवार को उस समय सामने आ गई, जब शिवसेना (उबाठा)और कांग्रेस दोनों ने घोषणा की कि वे अगले महीने होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में विपक्ष द्वारा जीती जा सकने वाली एकमात्र सीट पर उम्मीदवार उतारेंगे। शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि अंबदास दानवे पार्टी के पार्टी के उम्मीदवार होंगे। राज्य विधान परिषद के नौ सदस्यों का कार्यकाल 13 मई को पूरा हो रहा है, जिनमें शिवसेना (उबाठा)अध्यक्ष उद्धव ठाकरे भी शामिल हैं। हालांकि विधानसभा के मौजूदा संख्याबल के अनुसार विपक्षी गठबंधन केवल एक सीट पर ही जीत दर्ज कर सकता है। आदित्य की घोषणा से उद्धव ठाकरे के दोबारा विधान परिषद के लिए चुनाव लड़ने की संभावना पूरी तरह से खत्म हो गई।

कांग्रेस भी उतारेगी उम्मीदवार!

आदित्य ठाकरे ने यहां संवाददाताओं से कहा, उद्धव साहब ने फैसला किया है कि अंबदास दानवे पार्टी के उम्मीदवार होंगे। आदित्य ठाकरे की घोषणा के तुरंत बाद, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि उनकी पार्टी भी एक उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि, उन्होंने किसी नाम की घोषणा नहीं की। कांग्रेस विधान परिषद चुनाव लड़ने की इच्छुक थी, लेकिन उसने उद्धव ठाकरे के चुनाव लड़ने की स्थिति में उनका समर्थन करने की इच्छा भी जताई थी। माना जा रहा है कि पार्टी पिछले महीने महाराष्ट्र से राज्यसभा की सीट छोड़ने को लेकर नाराज है क्योंकि विपक्ष ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के अध्यक्ष शरद पवार की उम्मीदवारी का समर्थन किया था।

मैं एमवीए का संयुक्त उम्मीदवार हूं: दानवे

छत्रपति संभाजीनगर के रहने वाले दानवे 2022 से 2025 तक परिषद में विपक्ष के नेता रह चुके हैं। दानवे ने संवाददाताओं से कहा, मैं एमवीए का संयुक्त उम्मीदवार हूं, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा), राकांपा(शप), समाजवादी पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) शामिल हैं। विधानमंडल के उच्च सदन की नौ सीट के लिए 12 मई को मतदान होगा और उसी दिन मतों की गिनती होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल अपराह्न तीन बजे है।

विधायकी के लिए पार्टी बेचने वाला नालायक नहीं हूं

शिंदे शिवसेना में विलय की खबरों पर बच्चू कडू का करारा जवाब

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में 2025 के विधानसभा चुनावों के बाद समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री और एकनाथ शिंदे के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद अब छोटे दलों के अस्तित्व को लेकर नई बहस छिड़ गई है। पिछले कुछ दिनों से प्रहार जनशक्ति पार्टी के प्रमुख बच्चू कडू और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच विलय की अटकलें काफी तेज थीं। इन चर्चाओं ने महायुति गठबंधन के भीतर नई हलचल पैदा कर दी थी, लेकिन अब बच्चू कडू ने स्वयं सामने आकर इन सभी दावों पर विराम लगा दिया है। बच्चू कडू ने स्पष्ट किया कि विलय का प्रस्ताव उन्हें केवल मीडिया के माध्यम से ही पता चला है। उन्होंने बताया कि हालांकि मंत्री उदय सामंत के साथ उनकी फोन पर संक्षिप्त बातचीत हुई थी और एक ओझरती मुलाकात भी हुई थी, लेकिन उस चर्चा में किसी भी तरह की स्पष्टता नहीं थी। कडू के अनुसार, पार्टी विलय जैसे बड़े और संवेदनशील फैसले के लिए बहुत अधिक गहन चर्चा और वैचारिक तालमेल की आवश्यकता होती है, जो अभी तक धरातल पर नहीं हुई है।

विधायक पद के लिए समझौता नहीं

अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए बच्चू कडू ने कड़े शब्दों में कहा, मैं एक विधायक पद के लिए शिवसेना में चला जाऊं, इतना नालायक बच्चू कडू नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रहार केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक लाख सदस्यों और लाखों दिव्यांगों की उम्मीदों से जुड़ी एक विचारधारा है। उन्होंने इस बात पर भी गहरा दुख जताया कि वर्तमान राजनीति केवल धर्म और सत्ता के समीकरणों पर चल रही है, जहां जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की जा रही है। बच्चू कडू ने अपनी राजनीतिक जड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि वह मूल रूप से एक पुराने शिवसैनिक ही रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपनी स्वतंत्र पहचान प्रहार के रूप में खड़ी की है।

नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड

शरद कलस्कर को हाईकोर्ट से मिली जमानत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने 2013 में तर्कवादी और अंधविश्वास विरोधी कार्यकर्ता नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में निचली अदालत द्वारा दोषी करार दिए गए शरद कलस्कर को बुधवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति रणजीतसिंह भोंसले की पीठ ने उसे 50 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दे दी। इस संबंध में जारी आदेश की विस्तृत प्रति बाद में उपलब्ध कराई जाएगी। अभियोजन पक्ष ने अदालत से जमानत देने के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का अनुरोध किया था, लेकिन पीठ ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। कलस्कर पर वामपंथी नेता और तर्कवादी गोविंद पानसरे की हत्या का मुकदमा भी चल रहा है। पिछले साल अक्टूबर में उच्च न्यायालय ने उसे इस मामले में जमानत दे दी थी। दाभोलकर मामले में जमानत मिलने के बाद, कलस्कर जमानत की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जेल से रिहा हो सकता है।

कौन थे नरेंद्र दाभोलकर?

नरेंद्र दाभोलकर महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक थे। उनकी संस्था अंधविश्वास के खिलाफ कार्य करती है। 20 अगस्त 2013 को पुणे में सुबह की सैर के दौरान दो मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने गोली मारकर नरेंद्र दाभोलकर हत्या कर दी थी।

सीबीआई कर रहीं थी जांच

नरेंद्र दाभोलकर हत्या मामले की जांच शुरूआत में स्थानीय पुलिस ने की थी, लेकिन उनकी बेटी मुक्ता दाभोलकर द्वारा उच्च न्यायालय में दायर याचिका के बाद, 2014 में जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई थी। सत्र न्यायालय ने 10 मई, 2024 को सचिन अंदुरे और शरद कलस्कर को दाभोलकर की हत्या का दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, उन्हें सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और शस्त्र अधिनियम के तहत लगे आरोपों से बरी कर दिया।

सबूतों के अभाव में तीन बरी

निचली अदालत ने सबूतों के अभाव में वीरेंद्र सिंह तावड़े, संजीव पुनालेकर और विक्रम भावे को भी बरी कर दिया था। कलस्कर ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अपनी सजा को चुनौती दी। उसने अधिवक्ता शुभादा खोट के जरिए दाखिल अर्जी में सुनवाई लंबित रहने के दौरान जमानत देने का अनुरोध किया। मुक्ता दाभोलकर ने भी अंदुरे और कलस्कर को यूएपीए के आरोपों से बरी करने के निचली अदालत के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया है।

धार्मिक प्रचार कर रहे तीन अमेरिकी नागरिकों पर गिरी गाज

पुलिस ने थमाया देश छोड़ने का नोटिस

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे में वीजा नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है, जहां तीन अमेरिकी नागरिकों को भारत छोड़ने का नोटिस दिया गया है। आरोप है कि वे टूरिस्ट वीजा पर धार्मिक प्रचार गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस जांच के बाद विदेशी नागरिक पंजीकरण कार्यालय ने कार्रवाई करते हुए उन्हें तय समय सीमा में देश छोड़ने के निर्देश दिए हैं। पुणे शहर पुलिस ने वीजा नियमों के उल्लंघन के आरोप में तीन अमेरिकी नागरिकों को देश छोड़ने का नोटिस जारी किया है। इन विदेशी नागरिकों को 10 मई तक भारत छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। 53, 65 और 66 वर्ष उम्र के ये तीनों अमेरिकी नागरिक 19 से 21 अप्रैल के बीच टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। पुलिस को संदेह है कि भारत प्रवास के दौरान ये लोग धार्मिक प्रचार-प्रसार और शिक्षण गतिविधियों में शामिल थे, जो टूरिस्ट वीजा की शर्तों के खिलाफ है। पुलिस जांच में सामने आया कि 27 अप्रैल की सुबह, पुणे के शुक्रवार पेठ इलाके में उन्होंने एक निजी कैब चालक को अंग्रेजी, हिंदी और मराठी भाषा में छपे धार्मिक पर्चे बांटे। इन पर्चों में ईसाई धर्म की जानकारी दी गई थी।

नया नगर के जिहादियों पर ऑपरेशन सिंदूर जरूरी

मीरा रोड गार्ड पर हमला कांड से भड़के नितेश राणे ने दी चेतावनी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई से सटे मीरा रोड के नया नगर इलाके में हाल ही में हुई चाकूबाजी की घटना ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर कर रख दिया है। आरोपी जुबेर अंसारी ने सुरक्षा गार्ड राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो पर केवल इसलिए जानलेवा हमला किया क्योंकि वे हिंदू थे और जुबेर द्वारा कहे जाने पर कलमा नहीं पढ़ पाए थे। इस सांप्रदायिक हमले के बाद इलाके में भारी तनाव है और राजनीतिक बयानबाजी ने मामले को और अधिक गरमा दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने इसकी जांच आतंकवाद निरोधी दस्ते को सौंप दी है, जिसने अपनी शुरूआती कार्रवाई में आरोपी के घर से बेहद आपत्तिजनक और कट्टरपंथी साहित्य बरामद किया है। नया नगर चाकूबाजी की घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता नितेश राणे ने नया नगर को 'जिहादियों' का गढ़ करार दिया है। राणे ने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस इलाके को 'छोटा पाकिस्तान' बनाने की कोशिश कर रहे हैं और यहां लव जिहाद व लैंड जिहाद जैसे मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने सुरक्षा गार्डों पर हुए इस हमले को कट्टरपंथी मानसिकता का परिणाम बताया और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। राणे के इस बयान ने स्थानीय राजनीति में चचाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' और जिहादी मानसिकता पर प्रहार

नितेश राणे ने नया नगर की स्थिति की तुलना कश्मीर के पुराने हालातों से करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह पाकिस्तान प्रेरित तत्वों को खत्म करने के लिए सख्त कदम जरूरी हुए, उसी तरह नया नगर में सक्रिय जिहादी मानसिकता वाले लोगों के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई का समय आ गया है। राणे ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रवाद विरोधी तत्वों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उन्होंने भारत को एक हिंदू राष्ट्र बताते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को राष्ट्रवाद का असली उदाहरण पेश करने वाला संगठन बताया।

एटीएस की जांच में मिले आईएसआईएस से जुड़े सबूत

जैसे ही मामला एटीएस के पास पहुंचा, जांच की दिशा और भी गंभीर हो गई। एटीएस द्वारा जुबेर अंसारी के घर की तलाशी ली गई, जहां से आईएसआईएस, इस्लामिक कट्टरपंथ और 'लोन वुल्फ' अटैक से संबंधित डिजिटल और मुद्रित साहित्य पाया गया है। आरोपी के माता-पिता वर्तमान में अमेरिका में हैं और सरकारी विभाग अब आधिकारिक तौर पर दूतावास के जरिए उनसे संपर्क साधने की व्यवस्था कर रहा है। यह जांच अब केवल एक साधारण हमले तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें आतंकी संबंधों की भी गहराई से पड़ताल की जा रही है।

विपक्ष की प्रतिक्रिया और अबू आजमी का रुख

दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के नेता और विधायक अबू आजमी ने इस घटना पर संदेह व्यक्त किया है। आजमी ने कहा कि उन्हें इस बात पर यकीन नहीं है कि हमला कलमा न पढ़ने की वजह से हुआ, लेकिन यदि यह सच है तो सजा बहुत सख्त होनी चाहिए। उन्होंने बढ़ते नशीले पदार्थों के खतरे पर भी चिंता जताई और कहा कि कोई भी सच्चा मुसलमान इस तरह का कृत्य नहीं करेगा। आजमी ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि हर धर्म में अच्छे और बुरे लोग होते हैं और किसी एक घटना के आधार पर पूरे समुदाय को निशाना बनाना गलत है।

डर, धोखा और ठगी... काला जादू का झांसा देकर महिला से वसूले लाखों

• 'टनटन बाबा' और 'लहरी बाबा' गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

नवी मुंबई में काला जादू और अघोरी पूजा-पाठ के नाम पर महिला से ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने खुद को बाबा बताकर महिला को उसकी परेशानियों का झूठा कारण बताया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने महिला से कहा कि उस पर काला जादू किया गया है और समस्याओं से मुक्ति के लिए विशेष पूजा-पाठ कराने की जरूरत है। इस बहाने आरोपियों ने महिला को कई तरह की धार्मिक और अघोरी विधियां कराने का झांसा दिया और उससे बड़ी रकम ऐंठ ली। जांच में सामने आया कि महिला ने नकद और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए आरोपियों को कुल करीब 1 लाख 90 हजार रुपए दिए। बाद में ठगी का एहसास होने पर महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही तेज जांच शुरू

मामला दर्ज होते ही पुलिस ने तेजी से जांच शुरू कर दी और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के नासिक इलाके में होने की जानकारी मिली। इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से जाल बिछाकर कार्रवाई की गई। इस ऑपरेशन के दौरान अर्जुन भारत चव्हाण उर्फ 'टनटन बाबा' (29) और सागर शिवाजी शिंदे उर्फ 'एकलहारी बाबा' (24) को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ की जा रही है।

गंभीर धाराओं में केस दर्ज, जांच जारी

डिप्टी कमिश्नर अमित काले ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 318(4), 3(5) और महाराष्ट्र मानव बलि एवं अन्य अमानवीय, अघोरी प्रथा और जादू-टोना रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या गिरफ्तार आरोपियों ने अन्य लोगों को भी इसी तरह ठगा है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि ऐसे नकली बाबाओं के झांसे में न आएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें। यह घटना अंधविश्वास से सावधान रहने की जरूरत को फिर से रेखांकित करती है।

चला आपण मराठी शिकूया

मुंब्रा में मुफ्त मराठी कक्षाएं शुरूआत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंब्रा

महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रही बहस के बीच मुंब्रा में समाजवादी पार्टी ने नई पहल की है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष शब्बीर खान ने घोषणा की कि 1 मई, महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर मुफ्त मराठी कक्षाओं की शुरूआत की जाएगी। इसका उद्देश्य उन लोगों को भाषा सिखाना है, जो रोजगार के लिए यहां रह रहे हैं, लेकिन मराठी नहीं जानते।

सीखने पर जोर, जबरदस्ती नहीं

शब्बीर खान ने कहा कि महाराष्ट्र एक आर्थिक केंद्र है, जहां देशभर से लोग काम के लिए आते हैं। ऐसे में भाषा को लेकर किसी पर दबाव या हिंसा करना गलत है। उन्होंने कहा कि राज्य की भाषा का सम्मान करना जरूरी है, लेकिन इसे जबरन लागू नहीं किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि स्थानीय भाषा सीखने से रोजगार और दैनिक कार्यों में आसानी होती है।

केंद्र और कोर्स की जानकारी

उन्होंने बताया कि शुरूआत में बांबे कॉलोनी स्थित शादिया उर्दू मीडियम स्कूल और कौसा के मोहसिनात कोचिंग सेंटर में कक्षाएं चलाई जाएंगी। यह कोर्स दो से तीन महीने का होगा और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। आगे और केंद्र खोलने की योजना है।

हिंसा का विरोध, सबके लिए अवसर

खान ने मराठी न बोलने पर हो रही मारपीट की घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी इसका विरोध करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति पर भाषा के नाम पर जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। सभी आयु वर्ग के लोगों से इस पहल का लाभ उठाने और मराठी सीखने की अपील की गई है।

डोंबिवली में मारपीट एक की मौत

पुराने विवाद ने लिया हिंसक रूप

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली

डोंबिवली के घारीवली इलाके में पुराने विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। 10 से 15 लोगों की भीड़ ने एक युवक को घर के बाहर बुलाकर बेरहमी से पीटा। उसे बचाने पहुंचे उसके पिता बामा जाधव पर भी हमला किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, राहुल जाधव अपने पिता बामा जाधव और भाई दिनेश जाधव के साथ घर पर थे। मंगलवार रात कुछ लोग दिनेश को बाहर बुलाकर ले गए, जहां पहले से मौजूद भीड़ ने उस पर हमला कर दिया। शोर सुनकर पहुंचे परिजनों पर भी हमलावरों ने हमला कर दिया।

पुलिस की कार्रवाई

मामले में मानपाड़ा पुलिस ने एक नाबालिग सहित 14 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अब तक नाबालिग सहित चार आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

इलाके में तनाव

घटना के बाद घारीवली क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

विरार में दोहरा हत्याकांड

शादी से इनकार पर प्रेमी का खूनी खेल

प्रेमिका और उसकी मां की बेरहमी से हत्या

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

विरार पश्चिम के पूनम आकांक्षा बिल्डिंग क्षेत्र में आज दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब एक किराए के मकान में रहने वाली मां-बेटी की उनके ही घर में घुसकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, आरोपी शिवम उपाध्याय और नैन्सी मिश्रा पिछले दो वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे। कल रात शिवम अपने रिश्तेदारों के साथ नैन्सी के घर इस रिश्ते को शादी का रूप देने के लिए गया था। हालांकि, नैन्सी की मां सरिता ने इस विवाह का कड़ा विरोध किया और नैन्सी ने भी शादी करने से साफ इनकार कर दिया। इसी बात से क्रोधित होकर आरोपी शिवम बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे धारदार हथियार लेकर नैन्सी के घर में घुस गया। उसने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और नैन्सी व उसकी मां पर बार वार कर उनकी हत्या कर दी। हमले की तीव्रता इतनी अधिक थी कि नैन्सी की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद, आरोपी ने स्वयं की गर्दन पर चाकू मारकर आत्महत्या करने की कोशिश की। घर के भीतर से आ रही चीख-पुकार सुनकर जब पड़ोसी मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने तीनों को खून से लथपथ पाया और तुरंत पुलिस को सूचित किया।

एकतरफा प्रेम और प्रतिशोध का संदेह

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह हमला संभवत: एकतरफा प्रेम और प्रतिशोध का परिणाम था। आरोपी शिवम इस बात को स्वीकार नहीं कर पाया कि नैन्सी और उसकी मां ने उसके शादी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। पुलिस को संदेह है कि शादी से इनकार किए जाने के बाद वह पूरी तैयारी के साथ हत्या के इरादे से घर पहुंचा था। घटना के समय घर में हुई तोड़फोड़ आरोपी के चरम गुस्से को दर्शाती है।

बोलिंग पुलिस की कार्रवाई और अस्पताल की स्थिति

घटना की सूचना मिलते ही बोलिंग पुलिस स्टेशन की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने मां-बेटी के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, गंभीर रूप से घायल आरोपी शिवम उपाध्याय को संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

इलाके में व्याप्त दहशत

इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद पूनम आकांक्षा बिल्डिंग और आसपास के क्षेत्रों में मातम और दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासियों के लिए यह विश्वास करना कठिन हो रहा है कि एक हंसता-खेलता परिवार इस तरह की हिंसा का शिकार हो गया। बोलिंग पुलिस अब इस मामले में अन्य गवाहों और रिश्तेदारों के बयान दर्ज कर रही है ताकि घटनाक्रम की कड़ियों को पूरी तरह जोड़ा जा सके।

शिक्षक तबादलों पर भ्रष्टाचार का आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश संगठक सचिव इरफान पटेल ने भिवंडी मनपा महापौर को पत्र भेजकर शिक्षा विभाग में हुए शिक्षक तबादलों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने अन्य जिलों में भेजे गए शिक्षकों के तबादले तत्काल रद्द कर उन्हें भिवंडी में ही बहाल करने की मांग की है। पत्र में बताया गया कि भिवंडी निजामपुर मनपा के प्राथमिक शिक्षा विभाग में करीब 750 शिक्षक कार्यरत हैं, लेकिन विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में यह संख्या पर्याप्त नहीं है। इसके बावजूद वर्ष 2025 के शिक्षक कोटा को मंजूरी नहीं मिलने के बीच बड़े पैमाने पर तबादले किए गए। आरोप है कि 16 जनवरी 2026 को मतगणना के दिन 10 शिक्षकों का अन्य जिलों में तबादला किया गया, जबकि 22 जनवरी को 'पवित्र पोर्टल' के माध्यम से 4 शिक्षकों को गुमराह कर स्थानांतरित किया गया। पटेल ने इसे भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि इन तबादलों से स्कूलों में शिक्षकों की कमी बढ़ी है, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर 'डिवाइडर' से टकराने के बाद कार में आग लगी

तीन लोगों को बचाया गया

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर बुधवार को 'डिवाइडर' से टकराने के बाद एक कार में आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना के समय कार में तीन लोग सवार थे। कासा थाने के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) सुनील माली ने बताया कि आग लगने से कुछ ही क्षण पहले कार सवार तीनों लोगों को बाहर निकाल लिया गया और इस घटना के कारण व्यस्त मार्ग पर एक घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा।

कैसे हुआ हादसा

अधिकारी ने बताया कि मुंबई से गुजरात जा रही कार आधी रात के आसपास सड़क के 'डिवाइडर' से टकराकर पलट गई और उसके दरवाजे बंद हो गए, जिससे उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकलकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि इंजन से धुआं निकलने के ठीक पहले कार सवार तीनों लोगों को पुलिस ने राजमार्ग पर रुके दो ट्रक चालकों की मदद से बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की।

आग पर काबू और स्थिति

उन्होंने कहा कि बचाव अभियान के तुरंत बाद वाहन में आग लग गई। पुलिस और दमकलकर्मियों द्वारा अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करके आग बुझाने के प्रयासों के बावजूद, लपटें तेज हो गईं और कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अधिकारी ने बताया कि एक चिकित्सा दल ने कार सवार तीनों लोगों की जांच की और उन्हें लगभग एक घंटे आराम करने की सलाह दी, जिसके बाद उन्हें अपनी यात्रा फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई।

ट्रेन से महिला और बच्चा नीचे गिरा

आरपीएफ की सतर्कता से दोनो बचे

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ जवान की सतर्कता और सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। 28 अप्रैल की शाम चलती ट्रेन से उतरते समय फिसलकर गिर गई एक महिला और उसके एक वर्षीय बच्चे की जान आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) हेमंत भरगुड़े ने समय रहते बचा ली।

जानकारी के अनुसार, अंतिमा शुक्ला अपने एक वर्षीय बेटे सर्वज्ञ शुक्ला के साथ प्रयागराज से मुंबई की यात्रा कर रही थीं। जब ट्रेन कल्याण स्टेशन पर पहुंची, तब उतरने के दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे अपने बच्चे सहित प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच की खतरनाक जगह में गिर गईं। घटना के समय प्लेटफॉर्म पर ड्यूटी पर तैनात एएसआई हेमंत भरगुड़े ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए बिना एक पल गंवाए दौड़ लगाई और महिला व बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आरपीएफ जवान की इस बहादुरी, तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की हर ओर सराहना की जा रही है। उनकी सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और मां-बेटे की जान बच गई

झारखंड से लापता महिला महाराष्ट्र में मिली

आठ महीने बाद परिजनों से हुई मुलाकात

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

झारखंड की एक मानसिक रूप से अस्थिर 40 वर्षीय महिला को एक स्वयंसेवी संस्था द्वारा उसके परिवार से मिलाया गया जो करीब एक साल पहले घर छोड़कर चले जाने के बाद महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में भटकती हुई मिली थी। गैर-सरकारी संगठन के पदाधिकारी के मुताबिक, ललिता उर्फ मानदेवी वीरेंद्र मेहता पिछले साल अगस्त में सिंधुदुर्ग के कुडाल तालुका स्थित शिवापुर इलाके में भटकती हुई मिली थी। जिसके बाद देखभाल के लिए उसे स्थानीय 'संविता आश्रम' में भर्ती कराया गया था।

इलाज से हुआ सुधार

आश्रम का संचालन करने वाली, कुडाल स्थित 'जीवन आनंद संस्था' के न्यासी किसन चौरे ने बताया कि आश्रम में उचित इलाज और सहयोग से उसकी हालत में सुधार हुई, जिसके बाद वह अपने गांव और परिवार के बारे में कुछ जानकारी दे पायी।

परिवार का पता लगाने की कोशिश

उन्होंने कहा कि उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर, मैंने गूगल का उपयोग करके झारखंड के कोडरमा जिले में डोमचांच तालुका के उसके मूल गांव नावाडीह का पता लगाया। जिसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से हमने उसके पति वीरेंद्र मेहता से संपर्क किया।

वीडियो कॉल से जुड़ा संपर्क

चौरे ने बताया कि परिवार आर्थिक तंगी के कारण उसे वापस लाने के लिए यात्रा करने में असमर्थ था। हालांकि, हमने महिला और उसके परिवार के बीच संबंध जारी रखने के लिए वीडियो कॉल के माध्यम से नियमित संचार सुनिश्चित किया।' उन्होंने बताया कि आखिरकार 27 अप्रैल को वह अपने परिवार से मिल पायी जब एक स्वयंसेवी संस्था ने झारखंड स्थित उसके घर तक की यात्रा में उसकी मदद की।

छात्रों को राहत की उम्मीद

भिवंडी में बोर्ड कार्यालय खोलने का आश्वासन

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी के हजारों अल्पसंख्यक छात्र शिक्षा ऋण और अन्य सुविधाओं से वंचित हैं। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अनस अंसारी ने बताया कि स्थानीय स्तर पर मौलाना आजाद अल्पसंख्यक वित्तीय निगम का कार्यालय न होने से छात्रों को ठाणे जाना पड़ता है, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ते हैं। इस कारण कई छात्र बिचौलियों के माध्यम से ऋण लेने को मजबूर हैं और उनका आर्थिक शोषण हो रहा है। इस समस्या को लेकर पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने मुंबई में उच्चस्तरीय बैठक कर मौलाना आजाद वित्तीय बोर्ड के चेयरमैन मुश्ताक अंतुले से मुलाकात की। बैठक में दलाली, जानकारी की कमी और दूरी से जुड़ी परेशानियों को विस्तार से रखा गया। चेयरमैन ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा कि आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होने पर भिवंडी में कार्यालय खोला जा सकता है। साथ ही अंतरिम व्यवस्था के तहत सप्ताह में एक दिन स्टाफ भिवंडी में मौजूद रहेगा। अनस अंसारी ने कहा कि जल्द ही इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराकर कार्यालय शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा, जिससे छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा और दलाली प्रथा पर रोक लग सकेगी।

शॉर्ट स्टोरी

नाली सफाई पर समीक्षा बैठक

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर उल्हासनगर मनपा में नालियों की सफाई और स्वच्छता संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष सविता तोर्ने-रागड़े की पहल पर हुई इस बैठक में महापौर अश्विनी निकम की उपस्थिति और पूर्व विधायक पप्पू कलानी के मार्गदर्शन में शहर के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में मानसून से पहले नालियों की सफाई तेज करने और निचले इलाकों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी कार्य समयबद्ध और प्रभावी तरीके से पूरे किए जाएं। साथ ही शहर में जल्द ही व्यापक सफाई अभियान शुरू करने की जानकारी दी गई। बैठक में वरिष्ठ नगरसेवक जमनु पुरुषवानी, सुमित चक्रवर्ती, विक्की लबाना, मोनू सिद्दीकी समेत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक उपस्थित रहे।

कहानी दिवस में साहित्यिक मंथन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

'कथा' और मनीबेन नानावती महिला कॉलेज द्वारा आयोजित तथा 'नेट वेल्यू' प्रायोजित 'कहानी दिन भर' कार्यक्रम में समकालीन कहानी साहित्य पर गहन चर्चा हुई। उद्घाटन सत्र में प्रख्यात कथाकार बलराम ने कहा कि आज के कथाकार किसी वाद-विमर्श से बंधे बिना जीवन के यथार्थ को उभारते हुए नई भाषा गढ़ रहे हैं। मुख्य अतिथि डॉ संजीव कुमार ने कहानी में राजनीतिक विमर्श के महत्व पर जोर देते हुए घोषणा की कि कार्यक्रम में प्रस्तुत कहानियों का संकलन 'इंडिया नेटबुक्स' प्रकाशित करेगा। प्राचार्या डॉ.राजश्री त्रिवेदी ने अच्छे कथाकारों को समाज का पथप्रदर्शक बताया। अध्यक्षता कर रहीं डॉ.सूर्यबाला ने कहा कि प्रयोग के साथ संवेदना बनाए रखना आवश्यक है। कार्यक्रम में बलराम के 75वें वर्ष में प्रवेश पर उनका सम्मान भी किया गया। दो सत्रों में 24 कथाकारों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। द्वितीय सत्र में वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव ने कहा कि अच्छी कहानी लिखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। अंत में अस्मिता थियेटर समूह ने 'अंधा युग' का मंचन प्रस्तुत किया।

प्रभाग 16 को आदर्श बनाने का संकल्प

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

नगरसेवक नवीन सिंह ने प्रभाग 16 को अगले पांच वर्षों में आदर्श प्रभाग बनाने का संकल्प दोहराया है। स्थानीय राजनीति में 'जायंट किलर' के रूप में पहचान बनाने वाले सिंह चुनाव जीतने के बाद से ही क्षेत्र में सक्रिय होकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी भी प्रकार के निजी लाभ या अवैध गतिविधियों से दूर रहकर जनसेवा करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे फेरीवालों से वसूली या भूखंड विवादों में नहीं, बल्कि जनता की सेवा के लिए नगरसेवक बने हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता की सीख-'किसी के काम आना ही सौभाग्य है'-उनके कार्य का आधार है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ही प्रभाग की समस्याओं की सूची तैयार कर ली गई थी, जिस पर लगातार काम जारी है। मानसून से पहले नालों की सफाई और जलापूर्ति की सुचारू व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सिंह ने बताया कि उन्हें विधायक नरेंद्र मेहता सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे उन्हें नेता नहीं, बल्कि सेवक समझें और अपनी समस्याएं सीधे साझा करें।

स्थायी समिति में भाजपा कलह उजागर

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

28 अप्रैल को हुई स्थायी समिति की बैठक में भारतीय जनता पार्टी के भीतर चल रही आपसी खींचतान खुलकर सामने आ गई। एक अहम प्रस्ताव पर पार्टी लाइन से हटकर भाजपा नगरसेवक द्वारा शिवसेना का समर्थन करने से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। विवाद शहर में वायु प्रदूषण नियंत्रण और सड़क सफाई से जुड़ी प्रणालियों के रखरखाव के ठेके को लेकर शुरू हुआ। बैठक में यह ठेका 'कोनार्क इंफ्रास्ट्रक्चर' को देने का प्रस्ताव रखा गया था। जहां शिवसेना के नगरसेवकों ने इसका समर्थन किया, वहीं अधिकांश भाजपा सदस्य इसके विरोध में थे। लेकिन मतदान के दौरान भाजपा नगरसेवक शेरी लुंड ने पार्टी अनुशासन तोड़ते हुए प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया, जिससे 9-7 के अंतर से प्रस्ताव पारित हो गया। सूत्रों के अनुसार, भाजपा के एक गुट ने कंपनी के साथ कथित मतभेदों के चलते प्रस्ताव का विरोध किया था। इस घटनाक्रम से पार्टी के अंदरूनी मतभेद उजागर हो गए हैं, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर भी हो रही है। भाजपा सदस्य राजेश वधारिया ने प्रस्ताव को अवैध बताते हुए कानूनी चुनौती देने की बात कही। वहीं शेरी लुंड ने कहा कि पार्टी की ओर से स्पष्ट निर्देश नहीं थे और कम दरों के कारण उन्होंने प्रस्ताव का समर्थन किया।

कचरा फेंकने पर सख्त जुमार्ना प्रस्ताव

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए मीरा-भायंदर नगर निगम सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। 'राष्ट्रीय सतत शहरी नवाचार शिखर सम्मेलन' में अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पनपट्टे ने स्पष्ट किया कि केवल सड़कों की सफाई से स्वच्छता संभव नहीं, बल्कि नागरिकों में जागरूकता और अनुशासन जरूरी है। उन्होंने कचरा फेंकने वालों पर लाखों रुपए तक का जुमार्ना लगाने का सुझाव दिया। मुंबई के ताज प्रेसीडेंट होटल में आयोजित इस सम्मेलन में 'मेरा शहर, मेरी भागीदारी' और 'विकसित महाराष्ट्र, विकसित भारत' विषयों पर चर्चा हुई। आयुक्त राधा बिनोद शर्मा की पहल पर आयोजित कार्यक्रम में सतत शहरी विकास, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में नगर निगम कचरा संग्रह और निपटान पर ध्यान केंद्रित करेगा, जबकि नागरिकों को कूड़ा न फैलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इंदौर की तर्ज पर भारी जुमार्ने की नीति लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे शहर में स्वच्छता को बढ़ावा मिल सके। बैठक में महापौर, उपमहापौर ध्रुव किशोर पाटिल और अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाया। अब इस नीति को अंतिम रूप देने के लिए महासभा में निर्णय लिया जाएगा।

गडकरी से विकास कार्यों पर बैठक

हिंदमाता संवाददाता @ अंबरनाथ

शिवसेना विधायक बालाजी किणीकर ने दिल्ली में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर क्षेत्रीय विकास कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। यह बैठक कल्याण लोकसभा के सांसद श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में हुई, जिसमें कई परियोजनाओं के लिए मांगपत्र सौंपा गया। बैठक में अंबरनाथ पश्चिम के जावसई से म्हारळ के बीच 24 मीटर चौड़े विकास आराखड़ा मार्ग के निर्माण हेतु 200 करोड़ रुपए के विशेष निधि की मांग की गई। इसके अलावा मोरिवली पाड़ा से नवरे नगर को जोड़ने वाले पुल के लिए भी निधि मंजूर करने का आग्रह किया गया। साथ ही बदलापुर क्षेत्र से जुड़े राष्ट्रीय महामार्ग के विकास कार्यों के प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर एनएचएआई के अधिकारी, स्थानीय पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि इन परियोजनाओं को मंजूरी मिलने पर अंबरनाथ, बदलापुर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं में सुधार होगा।

'लव जिहाद' का आरोप, गेमिंग ऐप के जरिए दोस्ती

हरियाणा की युवती को बुलाकर 5 दिन घर में बंद रखा

हिंदमाता नेटवर्क @ अकोला

महाराष्ट्र के अकोला जिले में कथित 'लव जिहाद' का एक सनसनीखेज मामला सामने आने से इलाके में तनाव का माहौल बन गया। आरोप है कि एक विवाहित मुस्लिम युवक ने गेमिंग ऐप के जरिए फर्जी पहचान बनाकर हरियाणा की एक हिंदू युवती को प्रेमजाल में फंसाया और उसे अकोला बुलाकर पांच दिनों तक अपने घर में रखा। सूचना मिलने के बाद खदान पुलिस ने युवती को बरामद कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

प्रेम का झांसा देकर अकोला बुलाया

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान जमीर जाहीरउद्दीन काजी (25) के रूप में हुई है, जो पहले से विवाहित है और उसका एक बच्चा भी है। बताया जा रहा है कि वह एक गेमिंग ऐप पर 'बादशाह' नाम से फर्जी अकाउंट चलाता था और इसी माध्यम से अलग-अलग युवतियों से संपर्क करता था। इसी दौरान उसकी पहचान हरियाणा की एक युवती से हुई, जिसे उसने प्रेम का झांसा देकर अकोला आने के लिए तैयार किया।

पांच दिन घर में रुकने के लिए किया मजबूर

मामले में आरोप है कि युवती को गीता नगर इलाके स्थित अपने घर पर लाकर आरोपी ने पांच दिनों तक उसे वहीं रखा। इस दौरान युवती ने घर पर मां के डांटने की बात बताई थी, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने कथित तौर पर उसका 'ब्रेनवॉश' किया और उसे अपने पास रुकने के लिए मजबूर किया।

परिजनों ने अपहरण का मामला दर्ज कराया था

उधर, युवती के लापता होने पर हरियाणा में उसके परिजनों ने अपहरण का मामला दर्ज कराया था। युवती का भाई उसकी तलाश में अकोला पहुंचा और खदान पुलिस से संपर्क किया। जांच के दौरान पूरा मामला उजागर हुआ, जिसके बाद पुलिस ने युवती को सुरक्षित छुड़ा लिया। खदान पुलिस थाना प्रभारी मनोज केदारे ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है और उसे हरियाणा पुलिस के हवाले किया जाएगा।

लड़की को सरकारी रिमांड होम में रखा

इस घटना के सामने आने के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पुलिस थाने पहुंचे और मामले में 'लव जिहाद' का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि युवती के साथ पांच दिनों के दौरान क्या हुआ, इसकी गहन जांच होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आरोपी के परिवार को इस बारे में जानकारी होने के बावजूद उन्होंने चुप्पी क्यों साधे रखी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है और सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने लड़की को सरकारी रिमांड होम में रखा है।

दागियों के सामने खड़े न हों अफसर

● फडणवीस सरकार ने बदला प्रोटोकॉल, पर एक सावधानी भी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने एक नया सरकारी प्रस्ताव जारी करते हुए प्रोटोकॉल नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए नियमों के मुताबिक, राज्य के अधिकारियों को अब से वैसे माननीय विधायकों या सांसदों के लिए खड़े होकर उनका अभिवादन करने की जरूरत नहीं है, जिन्हें दोषी ठहराया गया है, या जिन्हें किसी जांच/सुनवाई के लिए बुलाया गया है, या जो चुनाव से जुड़ी प्रक्रियाओं के लिए किसी सरकारी दफ्तर में मौजूद हैं। राज्य सरकार ने इस संबंध में मंगलवार (28 अप्रैल) को एक सरकारी प्रस्ताव जारी किया, जिसमें 20 नवंबर, 2025 के पिछले निदेर्शों में संशोधन किया गया है। पहले के निदेर्शों में अधिकारियों के लिए यह अनिवार्य था कि जब चुने हुए प्रतिनिधि किसी बैठक के लिए आएं और बैठक खत्म होने के बाद जाएं, तो वे खड़े होकर उनका अभिवादन करें।

नए नियमों के मुख्य बिंदु

मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल द्वारा 28 अप्रैल, 2026 को हस्ताक्षरित इस आदेश के अनुसार, अधिकारियों को उन स्थितियों में माननीयों को विशेष प्रोटोकॉल (जैसे खड़ा होना या विशेष अभिवादन) देने की जरूरत नहीं है, जब उनके सामने कोई ऐसे जनप्रतिनिधि आते हों जो किसी आपराधिक या अन्य मामले में दोषी ठहराए गए हों, या अगर उन्हें किसी जांच/सुनवाई के लिए अपीलकर्ता या पक्षकार के तौर पर बुलाया गया है, या अगर वे चुनाव से जुड़ी प्रक्रियाओं (जैसे नामांकन पत्र दाखिल करना, जांच-पड़ताल या सुनवाई) के लिए किसी सरकारी दफ़्तर में मौजूद हैं।

आम नागरिकों जैसा ही व्यवहार करें

जीआर में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि ऐसे मामलों में, संबंधित अधिकारियों से यह उम्मीद की जाती है कि वे कानून, नियमों और मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार, बिना किसी विशेष प्रोटोकॉल के चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ आम नागरिकों जैसा ही व्यवहार करें। इससे पहले नवंबर 2025 में, तत्कालीन मुख्य सचिव राजेश कुमार ने सरकारी अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे कि वे विधायकों या सांसदों के साथ सम्मानपूर्वक और सौहार्दपूर्ण ढंग से व्यवहार करें। संशोधित खंड में कहा गया था, 'अधिकारियों को विधानसभा/संसद के सदस्यों के बैठक के लिए आने पर और बैठक खत्म होने के बाद उनके जाने पर खड़े होकर उनका अभिवादन करना चाहिए।'

मूल दिशानिदेर्शों में संशोधन क्यों?

सामान्य प्रशासन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह बदलाव केवल दोषी ठहराए गए व्यक्तियों और उन लोगों के संबंध में किया गया है जो जांच का सामना कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, 'यह जरूरी है कि सरकारी अधिकारी निष्पक्ष तरीके से व्यवहार करें। जांच के लिए बुलाए गए लोगों के लिए खड़े होने का स्वाभाविक मतलब यह होगा कि अधिकारी दूसरे पक्ष के प्रति जरूरत से ज्यादा विनम्रता दिखा रहा है, जिसका असर सुनवाई के नतीजे पर पड़ सकता है। नतीजतन, हमने मूल दिशानिदेर्शों में संशोधन करने का फैसला किया है।'

अशोक खरात फिर गिरफ्तार आठवां मामला दर्ज

न्यायालयीन कस्टडी मिलते ही पुलिस ने फिर दबोचा

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

स्वयंघोषित आध्यात्मिक गुरु और ढोंगी बाबा अशोक खरात की सातवें मामले में पुलिस हिरासत (पीआर) की अवधि समाप्त होने पर बुधवार 29 अप्रैल को उसे जिला अदालत में पेश किया गया। लेकिन अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत (जेसी) में भेजने का आदेश दिया, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे आठवें मामले में तुरंत गिरफ्तार कर लिया। महिला उत्पीड़न के सातवें मामले में जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने खरात को न्यायिक हिरासत में भेजने की विनंती की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। परंतु, एक के बाद एक सामने आ रही शिकायतों की कतार को देखते हुए पुलिस ने आठवें मामले में उसकी गिरफ्तारी की अनुमति मांगी। अदालत की अनुमति के बाद अब खरात को गुरुवार 30 अप्रैल को पुनः कोर्ट में पेश किया जाएगा। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक निदेशक किरण बेंडभर और शैलेंद्र बागडे ने दलीलें पेश कीं।

18 मामलों का गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड

अशोक खरात के खिलाफ अब तक कुल 18 मामले दर्ज हो चुके हैं। अपराधों की व्यापकता को देख जांच एजेंसियां भी हैरान हैं। सर्वाधिक मामले नाशिक के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त जिले के सिन्नर, वावी सहित अहिल्यानगर (शिर्डी, रहाता) और ठाणे पुलिस में भी मुकदमे दर्ज हैं। सरकारवाड़ा थाने में दर्ज महिला उत्पीड़न के 8 और धोखाधड़ी के 1 मामले सहित कुल 9 प्रमुख मामलों की जांच विशेष जांच दल कर रही है।

सुरक्षा कारणों से हवालात में ही मुकाम

18 मार्च को गिरफ्तारी के बाद से खरात लगातार एसआईटी की हिरासत में है। गौर करने वाली बात यह है कि खरात की जान को खतरा होने की संभावना के कारण, उसे तकनीकी रूप से 'न्यायालयीन कस्टडी' मिलने के बावजूद सेंट्रल जेल नहीं भेजा जाता, बल्कि तुरंत दूसरे मामले में पुलिस कस्टडी में ले लिया जाता है। इस कारण पिछले एक महीने से उसका ठिकाना पुलिस हवालात ही बना हुआ है।

ईडी की भी पैनी नजर

पुलिस के साथ-साथ अब प्रवर्तन निदेशालय और अन्य केंद्रीय एजेंसियां भी खरात के वित्तीय लेन-देन की जांच के लिए सक्रिय हो गई हैं। गुरुवार को महिला उत्पीड़न के अंतिम (आठवें) मामले में उसे पेश किया जाएगा। इसके बाद एसआईटी की जांच पूरी होने पर खरात को अहिल्यानगर पुलिस को सौंपा जाएगा या वह नाशिक में ही रहेगा, इस पर अब पूरे राज्य की निगाहें टिकी हैं।

मुंबई हमला मामले में बरी व्यक्ति को ऑटो-रिक्शा चलाने के लिए पीसीसी जारी करने से इनकार

प्राधिकरण का फैसला उचित, सुरक्षा पहलू अहम

याचिका खारिज, कोर्ट का निर्णय

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने 26/11 के मुंबई हमला मामले में बरी किए गए फहीम अंसारी की उस याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने आजीविका के लिए ऑटो-रिक्शा चलाने के वास्ते पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) जारी किए जाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति एएस गडकरी और न्यायमूर्ति रंजीत सिन्हा भोंसले की पीठ ने कहा कि संबंधित प्राधिकारी का अंसारी को पीसीसी जारी न करने का फैसला उचित था। पीसीसी एक सरकारी दस्तावेज है, जो प्रमाणित करता है कि संबंधित व्यक्ति का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। विस्तृत आदेश की प्रति बाद में उपलब्ध कराई जाएगी।

पीसीसी के लिए आवेदन और अस्वीकृति

अंसारी ने पिछले साल जनवरी में आरटीओ बैज और परमिट के लिए अनिवार्य पीसीसी को जारी किए जाने का उसका आवेदन खारिज होने के बाद उच्च न्यायालय का रुख किया था। प्राधिकारियों ने अंसारी को एक आरटीआई आवेदन के जवाब में सूचित किया था कि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैबा से संबंधों के आरोपों के चलते उसे पीसीसी जारी नहीं किया जा सकता है। पिछले साल सितंबर में सरकार ने अंसारी की याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि वह अभी भी निगरानी के दायरे में है और उसे पीसीसी जारी न करने का प्राधिकारियों का फैसला उचित है। अंसारी ने अपनी याचिका में फैसले को 'मनमाना, गैरकानूनी और भेदभावपूर्ण' बताते हुए दलील दी थी कि इससे आजीविका के उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन होता है।

26/11 हमले की पृष्ठभूमि

मुंबई में 26 नवंबर 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, ताज होटल, ओबेरॉय होटल और कई अन्य प्रमुख प्रतिष्ठानों पर सिलसिलेवार हमला किया था, जिसमें कम से कम 166 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों अन्य घायल हुए थे। इस दौरान, जवाबी कार्रवाई में नौ आंतकवादी भी मारे गए थे। मई 2010 में विशेष अदालत ने हमलों के दौरान जिंदा पकड़े गए एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को दोषी करार दिया था, लेकिन दो भारतीय आरोपियों-फहीम अंसारी और सबाउद्दीन अहमद को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था।

अन्य मामले में सजा और रिहाई

हालांकि, अंसारी को उत्तर प्रदेश में एक अन्य मामले में दोषी ठहराया गया और 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई। सजा पूरी होने के बाद 2019 में उसे जेल से रिहा कर दिया गया। याचिका में अंसारी ने कहा कि उसके पीसीसी आवेदन को इस आधार पर ठुकरा दिया गया कि उस पर एक आतंकवादी संगठन का सदस्य होने का आरोप था। उसने कहा कि वह किसी भी कानूनी धब्बे या अड़चन से मुक्त होकर रोजगार में शामिल होने का वैध रूप से हकदार है। अंसारी ने कहा कि 2019 में जेल से रिहा होने के बाद उसे मुंबई में एक प्रिंटिंग प्रेस में नौकरी मिल गई, लेकिन कोविड-19 महामारी के दौरान यह इकाई बंद हो गई। याचिकाकर्ता ने कहा कि इसके बाद उसे ठाणे जिले के मुंब्रा में एक प्रिंटिंग प्रेस में नौकरी मिल गई, लेकिन चूंकि उसकी तनख्वाह बहुत कम थी, इसलिए उसने ऑटो-रिक्शा के लाइसेंस के लिए आवेदन किया, जो एक जनवरी 2024 में जारी कर दिया गया।

आरटीआई से मिली जानकारी

अंसारी के मुताबिक, इसके बाद उसने पीसीसी के लिए आवेदन किया, जो वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए ऑटो-रिक्शा चलाने के लिए अनिवार्य है। अंसारी के अनुसार, जब पीसी आवेदन का कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत आवेदन दायर कर इसकी वजह पूछी। आरटीआई के जवाब में उसे बताया गया कि चूंकि उस पर लश्कर का सदस्य होने का आरोप लगा था, इसलिए उसे पीसीसी जारी नहीं किया जा सकता। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि अंसारी और अहमद ने मुंबई के अलग-अलग हिस्सों के नक्शे तैयार किए थे और उन्हें पाकिस्तान में हमले के कथित साजिशकर्ताओं और मुख्य सूत्रधारों को सौंपा था। हालांकि, सत्र अदालत ने दोनों को बरी करते हुए कहा था कि इंटरनेट पर बेहतर नक्शे उपलब्ध हैं।

महाराष्ट्र में जानलेवा गर्मी

हीटस्ट्रोक के 39 मामले दर्ज, 109 मौतें की गई रिपोर्ट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में इन दिनों पारा आसमान पर है और आसमान से आग बरस रही है। जैसे-जैसे राज्य में गर्मियों की गर्मी की तीव्रता बढ़ रही है, हीटस्ट्रोक का खतरा एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। 1 मार्च, 2026 और 20 अप्रैल के बीच, पूरे राज्य में कुल 39 हीटस्ट्रोक के मामले दर्ज किए गए, साथ ही 109 मौतें भी रिपोर्ट की गईं। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी 'आईएचआईपी-एचआरआई' रिपोर्ट के अनुसार, कुल 334,468 मरीजों ने (मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स और इमरजेंसी विभागों में) चिकित्सा उपचार लिया है। हीटस्ट्रोक के सबसे ज्यादा मामले अकोला (11), नंदुरबार (6) और रत्नागिरी (5) जिलों में रिपोर्ट किए गए।

बीएमसी क्षेत्र में नहीं दर्ज हुआ हीटस्ट्रोक का नया मामला

बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र (मुंबई नगरपालिका क्षेत्र) के भीतर, हालाँकि हीटस्ट्रोक का कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन स्थिति स्पष्ट रूप से गंभीर है, जैसा कि 108 मौतों की रिपोर्टिंग से पता चलता है। इसके अलावा, सोलापुर में एक संदिग्ध मौत दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े के मुताबिक, राज्य में कुल मरीज 334,468 है, हीटस्ट्रोक के मामले 39, संदिग्ध मौतें 1, अन्य मौतें 108, कुल मौतें 109 हुई हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने जिला अस्पतालों को दिए निर्देश

स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिला अस्पतालों को हाई-अलर्ट चेतावनी जारी की है। हीटस्ट्रोक के मरीजों के लिए समर्पित बेड, ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन, ठंडा पीने का पानी और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने की नागरिकों से अपील

राज्य में भीषण गर्मी के कहर के बीच स्वास्थ्य विभाग की तरफ से नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की गई। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि दोपहर 12:00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। खूब सारा पानी और ओआरएस पिएं। ढीले-ढाले, हल्के रंग के कपड़े पहनें। अपने सिर को टोपी या कपड़े से ढकें। यदि लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से चिकित्सकीय सलाह लें।

यवतमाल में विधायक के खिलाफ फूटा जनता का गुस्सा

किसानों की बेहाली से बढ़ा बवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ यवतमाल

यवतमाल जिले के महागांव तहसील के विधानसभा क्षेत्र से चुने गए विधायक पर मतदाताओं की समस्याओं को अनदेखा करने का गंभीर आरोप सामने आ रहा हैं। स्थानीय नागरिको का कहना है कि महंगाई, पानी की कमी, गैस टंचाई और बार-बार बाधित हो रही बिजली आपूर्ति जैसी मूलभूत समस्याओं से लोग परेशान हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं दे रहे।

चिराग तले अंधेरा जैसी स्थिति

ग्रामीण क्षेत्रों से यह आवाज उठ रही है कि यवतमाल विधायक से जो अपेक्षाएं थीं, वे पूरी नहीं हो रही हैं लोगों ने उन्हें बड़ी उम्मीदों के साथ चुन था, लेकिन अब निराशा का माहौल बनत जा रहा है। हाल ही में हुई भीषण बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ, लेकिन अब तक उन्हें फसल बीमा का लाभ नहीं मिल पाया है. सरकारी सूची में रात बित शामिल न होने से किसानों में चिंता बढ़ गई है, कि वे इस योजना से वंचित रह जाएंगे। तहसील में 'चिराग तले अंधेरा' जैसी स्थिति बनी हुई है। बांध में पानी होने के बावजूद नदी सूखी है और गांवों में पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है। गर्मी के कारण भूजल स्तर नीचे चला गया है, जिससे हालात और खराब हो गए से नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय लोगों को हो रही हैं दिक्कतें

46०सी तापमान में बिजली की समस्या ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारियों पर जनप्रतिनिधियों का नियंत्रण नहीं रहा, जिसके कारण निकृष्ट दर्जे के काम हो रहे हैं और अवैध धंधे बढ़ रहे हैं। कई सरकारी कार्यालयों में दलालों सामने आ रही हैं। महागांव तहसील में बुनियादी सुविधाओं की कमी, प्रशासनिक उदासीनता और जनप्रतिनिधियों की निर्षक्रयता को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों की मांग है कि विधायक स्वयं तालुका में आकर बैठक करें, समस्याएं सुनें और अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर ठोस समाधान निकालें।

क्या कहते है स्थानीय निवासी?

■ किसान नेता मनीष जाधव ने कहा कि हमारी तहसील में रोजगार और कृषि विकास के अभाव में पलायन बढ़ रहा है। किसान बीमा योजना से वंचित है। खेती ही एकमात्र साधन है लेकिन किसानों को हर साल संकट से गुजरना पड़ रहा है।

■ राष्ट्रीय किसान मोर्चा के सदस्य प्रमोद जाधव ने कहा कि बीते कई दशकों से तहसील को हमेशा उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। जो भी नेता आते हैं वे जनता की अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर रहे हैं। अब जनता को सक्रिय और जिम्मेदार नेतृत्व की जरूरत है।

■ पूर्व जि.प. सदस्य पंजाब देशमुख खडकेकर ने बताया कि तहसील में विकास की योजनाएं व से अधूरी है। सरकार और जनप्रतिनिधियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। जससे महागांव तहसील विकास से कोसो दूर जर आ रहा है।

■ जन आंदोलन आधार संघर्ष समिति के जगदीश नरवाड़े ने बताया कि महागांव समस्याओं का केंद्र बन चुका है। भ्रष्टाचार और अवैध धंधों पर रोक लगाने की जरूरत है। जनप्रतिनिधियों को इस पर ध्यान देना चाहिए।

मानहानि केस सुनवाई अब 2026 में

उच्च न्यायालय ने बदली तारीख

पहले 2046 तक टली थी सुनवाई

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने मानहानि के एक मुकदमे को ''जीवन के अंतिम पड़ाव पर'' पक्षकारों के बीच ''अहंकार की लड़ाई'' करार देते हुए सुनवाई 2046 तक के लिए स्थगित करने के एक दिन बाद, बुधवार को अपने आदेश में संशोधन किया और मामले की सुनवाई इस वर्ष जुलाई में निर्धारित की। न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन की पीठ ने मंगलवार को पक्षों द्वारा मुकदमेबाजी में अड़े रहने की आलोचना की और कहा कि इसकी वजह से अधिक जरूरी मामलों को प्राथमिकता देने में बाधा उत्पन्न हुई।

अदालत की टिप्पणी और अर्जी

उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि यह उन मामलों में से एक है जहां जीवन के अंतिम पड़ाव पर पहुंचे पक्षकारों के बीच 'अहंकार की लड़ाई' व्यवस्था को अवरुद्ध कर देती है, जिससे अदालत उन मामलों पर सुनवाई करने में असमर्थ हो जाती है जिन्हें प्राथमिकता की आवश्यकता होती है। मामले में वादी तारिणीबहन देसाई के वकील स्वराज जाधव ने बुधवार को अदालत के समक्ष अर्जी दाखिल कर मंगलवार को पारित आदेश में उनके मुवक्किल के खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने का आग्रह किया। न्यायमूर्ति जैन ने अनुरोध स्वीकार कर लिया और टिप्पणियों को हटाने का आदेश दिया। साथ ही सुनवाई की अगली तारीख को वर्ष 2046 से संशोधित करके 15 जुलाई, 2026 कर दिया।

मामले की पृष्ठभूमि

वादी देसाई (90) ने मुंबई की श्याम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के भीतर हुए विवाद के सिलसिले में 2017 में किल्किलराज भंसाली के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। विवाद की शुरूआत 2015 की वार्षिक आम बैठक से संबंधित नोटिस, पत्र और प्रस्ताव से हुई, जिनमें देसाई को हाउसिंग सोसाइटी से निष्कासित करने का प्रस्ताव भी शामिल था।

मानहानि का आरोप और हजार्ने की मांग

देसाई ने सोसाइटी के संदेशों से मानसिक उत्पीड़न होने का हवाला देते हुए उन्हें मानहानिकारक करार दिया और 20 करोड़ रुपये के हजार्ने की मांग की। अदालत को 2018 में सुलह समझौता होने की संभावना के बारे में सूचित किया गया था। हालांकि, सुलह समझौता नहीं हो पाया और अदालत ने दीवानी मुकदमे की कार्यवाही शुरू करने से पहले सुनवाई के मुद्दों को स्पष्ट किया।

सुलह प्रयास और मुकदमे की स्थिति

उच्च न्यायालय ने मंगलवार के अपने आदेश में कहा कि पिछली सुनवाइयों में उसने कहा था कि अगर पक्षकार बिना शर्त माफी मांग लें तो मामले का समाधान निकाला जा सकता है। देसाई ने हालांकि मानहानि का मुकदमा जारी रखने पर जोर दिया था। उनके वकील स्वराज जाधव ने बुधवार को बताया कि वह अब भी मुकदमा आगे बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प हैं।

महिलाओं से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी नांदेड़ से गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ यवतमाल

यवतमाल जिले के माहला गांव से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां महिलाओं की सुरक्षा को ताक पर रखते हुए छेड़खानी और अन्य गंभीर अपराधों को अंजाम दिया गया है। इस शर्मनाक घटना का मुख्य आरोपी 45 वर्षीय सुधाकर माधव कांबले बताया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिटरगांव पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नए दंडात्मक कानून भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी सुधाकर कांबले मूल रूप से उमरखेड तहसील के खरुस गांव का निवासी है। उस पर आरोप है कि उसने माहला गांव में न केवल छेड़खानी की, बल्कि अन्य कई गंभीर आपराधिक कृत्य भी किए है।

फरार हुआ आरोपी

पुलिस सूत्रों के अनुसार, माहला गांव में हुई छेड़खानी की घटना के बाद से ही आरोपी सुधाकर माधव कांबले फरार हो गया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था, जिससे बिटरगांव पुलिस के लिए उसे पकड़ना एक चुनौती बन गया था। पुलिस की टीमें पिछले कई दिनों से संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर रही थीं।

नांदेड़ में हुआ गिरफ्तार आरोपी

जांच के दौरान बिटरगांव पुलिस के हाथ एक गोपनीय सुराग लगा, जिसने आरोपी की किस्मत का फैसला कर दिया। आरोपी नांदेड़ जिले के हिमायतनगर क्षेत्र में छिपा है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थानेदार पांडुरंग शिंदे के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर आरोपी को सफलतापूर्वक दबोच लिया। इस सफल ऑपरेशन में पीएसआई अन्नमावर, रवी गीते, राजू बेलेवार और प्रवीण जाधव ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस की इस मुस्तैदी से अब अपराधी सलाखों के पीछे है।

हिंदमाता एंकरः जल्द शुरू होगा कचरे से बिजली बनाने का प्रोजेक्ट

कांजुरमार्ग गारबेज डिपो में लगेंगे बांस के जंगल

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

मुंबई के पूर्वी उपनगर कांजुरमार्ग में गारबेज डिपो की वजह से इलाके के लोगों को होने वाली बदबू की समस्या को दूर करने के लिए कचरा डिपो क्षेत्र में ग्रीन फॉरेस्ट बढ़ाने बांस लगाने और कचरे से बिजली बनाने वाला प्रोजेक्ट जल्द शुरू किए जाने का निर्देश दिया गया है। इस मुद्दे को लेकर बुधवार को मंत्रालय में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि कचरा डिपो में एंटी-ओडर स्प्रे बढ़ाया जाए। गारबेज डिपो में बड़े पैमाने पर बांस लगाए जाएं। गारबेज डिपो के एरिया में कचरे को रेजिडेंशियल एरिया के पास प्रोसेस करने के बजाय, इसे काफी दूर किया जाए। डिप्टी चीफ मिनिस्टर शिंदे ने निर्देश दिए कि हाई कोर्ट के दिए गए निदेर्शों का पालन किया जाए।

डीसीएम एकनाथ शिंदे ने बैठक में दिए निर्देश

मंत्रालय में हुई मीटिंग में चीफ सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल, डिप्टी चीफ मिनिस्टर के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी असीम कुमार गुप्ता, प्रिंसिपल सेक्रेटरी नवीन सोना, अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी डॉ. गोविंदराज, मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडिशनल कमिश्नर विपिन शर्मा, एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट की प्रिंसिपल सेक्रेटरी जयश्री भोज, ठाणे म्युनिसिपल कमिश्नर सौरभ राव मौजूद थे। मुंबई म्युनिसिपल कमिश्नर अश्विनी भिड़े और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन की म्युनिसिपैलिटी के कमिश्नरों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हिस्सा लिया।

6200 टन कचरे का रोजाना प्रोसेस

कांजुरमार्ग में मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट में रोजाना करीब 6,200 टन वेस्ट प्रोसेस किया जाता है। यह काम तीन तरीकों से किया जाता है। वेस्ट को जमीन में स्टोर करना, कम्पोस्ट बनाना और वेस्ट को छांटना। एडिशनल कमिश्नर शर्मा ने बताया कि अब तक करीब 190 लाख मीट्रिक टन वेस्ट प्रोसेस किया जा चुका है। इस एरिया में बदबू रोकने के लिए बायोलॉजिकल सॉल्यूशन (बायोएंजाइम स्प्रे) का स्प्रे करना, मिट्टी बिछाना, लैंडफिल गैस मैनेजमेंट सिस्टम लागू करना, साथ ही मिस्टिंग प्रोसेस जैसे उपाय किए जा रहे हैं।

बदबू रोकने की कवायद

डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा हाई कोर्ट के दिए गए निदेर्शों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस इलाके में रहने वालों को बदबू से परेशान न होना पड़े। शिंदे ने यह भी निर्देश दिया कि मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन वेस्ट टू एनर्जी जैसे लंबे समय के सॉल्यूशन प्रोजेक्ट के लिए जरूरी टेक्निकल पहलुओं की जांच करके इस प्रोजेक्ट को तुरंत शुरू करने के लिए कदम उठाए। जिस इलाके में रेजिडेंशियल एरिया कचरा डिपो के पास है, वहां फर्टिलाइजर, आरडीएफ जैसे बदबूदार प्रोसेस नहीं किए जाने चाहिए। उन्हें 500 मीटर से ज्यादा दूर के इलाकों में किया जाना चाहिए ताकि रहने वालों को बदबू से परेशान न होना पड़े और नागरिकों की सेहत का भी ध्यान रखा जा सके।

व्हाट्सएप पर स्टेटस लगाकर दो दोस्तों ने खत्म कर ली जीवनलीला

हिंदमाता नेटवर्क @ संभाजीनगर

'दोस्ती की मिसाल' के किस्से तो आपने बहुत सुने होंगे, लेकिन छत्रपति संभाजीनगर जिले के पैठण के बिडकीन इलाके से एक ऐसी खबर आई है जिसने हर किसी के रोंगटे खड़े कर दिए हैं। दो दोस्तों ने अपनी दोस्ती आखिरी सांस तक निभाई, लेकिन मौत का रास्ता चुनकर। गणेश झिरपे (23) और सचिन आरगडे (29) नामक दो युवकों ने मंगलवार तड़के जहर पीकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर

मौत से पहले भेजा आखिरी संदेश

घटना की शुरूआत एक दर्दनाक व्हाट्सएप मैसेज से हुई। गणेश ने अपनी मां को मैसेज भेजा, 'मैं अपना जीवन समाप्त कर रहा हूं'। इतना ही नहीं, उसने यही संदेश अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर भी लगाया। जब तक परिवार वाले कुछ समझ पाते या उन तक पहुंच पाते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। छत्रपति संभाजीनगर की बिडकीन पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह कोई आवेश में उठाया गया कदम नहीं बल्कि एक सोची-समझी योजना लग रही है। गणेश और सचिन एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर बिडकीन एमआईडीसी परिसर की ओर निकले थे। उनके पास दो पानी की बोतलें, दो विदेशी शराब की बोतलें और जहरीली दवा का एक डिब्बा था। एकांत स्थान पर जाकर दोनों ने शराब पी और उसके बाद जहर पी लिया। मृतक गणेश झिरपे बिडकीन के सूर्य उद्योग नगर का निवासी था, जबकि सचिन जालना जिले के धनगर पिंपरी का रहने वाला था। दोनों दोस्त एक होटल में काम करते थे।

दैनिक हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
ठाणे, गुरुवार 30 अप्रैल, 2026
माइंड MIRROR

विचार प्रवाह

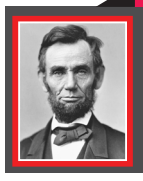

मेरी चिंता यह नहीं है कि आप विफल हो गए, बल्कि यह है कि कहीं आप अपनी विफलता से संतुष्ट तो नहीं हैं।

- अब्राहम लिंकन

संपादकीय

मिले नए जिले मगर अहम मुद्दे अभी बाकी

जम्मू-कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद- दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू-भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बफीर्ले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह-लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पर्यावरणविद् व शिक्षाविद् सोनम वांगचुक, जिन्हें गत माह केंद्र सरकार ने लगभग छह माह की हिरासत के बाद रिहा किया था, ने भी शाह की यात्रा के दौरान एक रचनात्मक संवाद की जरूरत पर बल दिया है। वैसे राजग के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार गाहे-बगाहे लद्दाख के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती रही है। हालांकि, एक तथ्य यह भी है कि अभी तक लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर उसका दृष्टिकोण स्पष्ट नहीं है। बहरहाल, क्षेत्र में पर्यटन नियमों में ढील और रोजगार के अवसरों को विस्तार देना जैसे सुधार, लद्दाख की आर्थिकी को गति देने का सार्थक प्रयास जरूर कहा जा सकता है। यह भी एक हकीकत है कि नवीनतम प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर जो आशावाद है, वह तभी सार्थक साबित होगा, जब इससे समावेशी विकास, बेहतर शासन और उचित राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हो पायेगी। वहीं दूसरी ओर सरकार को इस व्यापक परिप्रेक्ष्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि लद्दाख चीन सीमा से लगा रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है। इसीलिए यहां शांति बनाये रखना और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें सितंबर, 2025 में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन को एक सबक की तरह लेने की जरूरत है। जिसके मद्देनजर लद्दाखी जनता की आकांक्षाओं को समयबद्ध तरीके से यथाशीघ्र पूरा किया जाना चाहिए।

आज का इतिहास

■ 2010 - हिन्दी चलचित्रों के सदाबहार अभिनेता देव आनंद को शुक्रवार को मुंबई में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से तथा प्राण को "फाल्के आइकॉन" से सम्मानित किया गया।

■ 2008 - चालक रहित विमान लक्ष्य का उड़ीसा के बालासोर ज़िले के चांदीपुर समुद्र तट से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

■ 2007 - नेत्रहीन पायलट माइल्स हिल्टन ने विमान से आधी दुनिया का चक्कर लगाकर रिकार्ड बनाया।

■ 2006 - 2011 क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी भारतीय उपमहाद्वीप को मिली।

■ 2005 - नरेश के असाधारण अधिकार बरकरार रखते हुए नेपाल में इमरजेंसी समाप्त।

■ 2004 - फजुला (ईराक) में हिंसा में 10 अमेरिकी सैनिक मारे गये।

■ 2002 - पाकिस्तान में राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के अगले 5 वर्षों के कार्यकाल में वृद्धि के लिए जनमत संग्रह सम्पन्न।

■ 2001 - फिलीपींस में एरुत्रादा समर्थकों द्वारा तख्ता पलट का प्रयास।

■ 2000 - आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आहवान के साथ जी -77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।

■ 1999 - लेविंस्की-क्लिंटन मामले को दुनिया के सामने लाने वाले पत्रकार माइकल इशिकॉफ को अंग्रेजी साप्ताहिक पत्रिका न्यूज वीक का 'नेशनल मैंगनीज अवार्ड' प्रदान किया गया, हिन्द महासागर के द्वीप कोमोरोस में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा।

■ 1985 - अमेरिकी पर्वतारोही रिचर्ड डिक बास (55 वर्ष) माउंट एवरेस्ट पर सर्वाधिक उम्र में चढ़ने वाले व्यक्ति बने।

■ 1945 - जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उसकी पत्नी इवा ब्राउन द्वारा आत्महत्या।

■ 2017- नेपाल के उच्चतम न्यायालय की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की पर महाभियोग का प्रस्ताव।

■ 1967-मीनाक्षी लेखी -भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिज्ञ और सक्रिय राजनेता हैं।

■ 1966 - बीसेट्टी वेंकट सत्यवती - आंध्र प्रदेश की महिला राजनीतिज्ञ हैं।

■ 1949 - एंटोनियो गुटेरेस - संयुक्त राष्ट्र संघ के नौवें महासचिव हैं।

■ 1927 - फातिमा बीबी - भारत में सर्वोच्च न्यायालय की भूतपूर्व न्यायाधीश थी।

■ 2021 - रोहित सरदाना - भारतीय समाचार वक्ता थे।

■ 2020 - चुनी गोस्वामी - प्रसिद्ध भारतीय फुटबॉलर थे।

अस्थिर और अविश्वसनीय ट्रंप

विरोधाभासी बयान और उलटफेर

विरोधाभासी बयानों और अस्थिर नीतियों से घिरा नेतृत्व

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

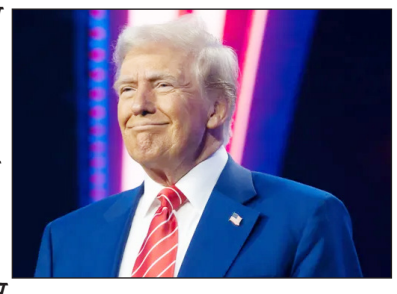

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपनी अगली पोस्ट में क्या लिखेंगे, यह वे खुद भी नहीं बता सकते, क्योंकि वे प्रायः अपनी नई पोस्ट में जो कुछ लिखते हैं, वह पिछली पोस्ट के विपरीत होता है। ऐसा किसी एक विषय पर नहीं, हर विषय पर होता है- चाहे वह टैरिफ का मामला हो या फिर ग्रीनलैंड का अथवा ईरान का। भारत के बारे में भी उनके बयान विरोधाभासी रहे हैं। हाल में उन्होंने उस पोस्ट का समर्थन किया, जिसमें भारत को धरती का नरक कहा गया था। दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास को लगा कि ट्रंप कुछ बेतुका बोल गए तो उसने बयान जारी किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की दृष्टि में भारत एक महान देश है और उसके शीर्ष नेता उनके मित्र हैं।

बयानों की लीपापोती और शैली

आम तौर पर जब कोई ऐसी लीपापोती करता है तो उसे कहते हैं- दूसरे की गंदगी साफ करना। अमेरिकी राष्ट्रपति के सहयोगियों को यह काम कुछ ज्यादा ही करना पड़ता है, क्योंकि वे कभी भी कुछ भी कह जाते हैं और कभी-कभी तो घोर असंसदीय और फूहड़ भी। उनके विरोधाभासी, झूठे, अतिरंजित और अपमानजनक बयानों का हिसाब रखना कठिन है, क्योंकि वे हर दिन और करीब-करीब हर मामले में ऐसा ही करते हैं। उन्हें अपने ही बयानों से मुकरने या उनके ठीक विपरीत कहने में कोई शर्म-संकोच नहीं होता। इसके बावजूद खास बात यह है कि वे खुलकर बोलते हैं।

वैश्विक स्तर पर अविश्वास का माहौल

■ ट्रंप ने पूरी दुनिया को तंग कर रखा है- दुश्मनों से ज्यादा दोस्तों को। इसीलिए अधिकतर देश उनसे सशंकित हैं। यूरोपीय देशों के साथ-साथ जापान, दक्षिण कोरिया जैसे अमेरिका के करीबी देश भी ट्रंप को लेकर आशंका से भरे हुए हैं और भारत के साथ उन्होंने जैसा व्यवहार, बल्कि कहें कि दुर्व्यवहार किया है, उससे वे भारतीयों के मन से उतर चुके हैं। अस्थिर स्वभाव वाले अविश्वसनीय शासनाध्यक्ष के अतिरिक्त अन्य किसी रूप में ट्रंप की व्याख्या करना कठिन है। वे खुद को शांति का राष्ट्रपति बताते हैं और किसी न किसी देश को धमकी भी देते रहते हैं-कभी टैरिफ थोपने की, कभी प्रतिबंध लगाने और कभी-कभी तो हमला करने की भी। वे नोबेल शांति सम्मान पाने के लिए बेचैन थे, लेकिन यह बेचैनी न तो पिछले साल ईरान पर हमला करने में आड़े आई और न ही इस साल वेनेजुएला पर।

ईरान-वेनेजुएला घटनाक्रम और नीतिगत उलझन

■ पिछले साल उन्होंने ईरान पर इजरायल के हमलों का समापन खुद उस पर हमला करके किया था। फिर उन्होंने इस साल के प्रारंभ में वेनेजुएला पर हमला करके उसके राष्ट्रपति को पत्नी समेत अगवा कर लिया। उन्होंने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर इस साल फरवरी में फिर से तब हमला बोला, जब उससे बातचीत कर रहे थे। यह युद्ध करीब 40 दिन तक चला, फिर वे इस युद्ध से निकलने की राह तलाशने लगे और इसी के नतीजे में दो सप्ताह के लिए युद्धविराम हुआ। इस युद्धविराम के दौरान ईरान से बातचीत विफल होने के बाद उन्होंने उसे अनिश्चतकालीन के लिए बढ़ा दिया, लेकिन ऐसा करने के पहले उसकी नाकेबंदी का फैसला ले लिया। वह अब तक जारी है।

होर्मुज संकट और वैश्विक असर

■ आज स्थिति यह है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम तो कायम है, लेकिन होर्मुज समुद्री मार्ग बंद है। इसका मतलब है कि यह युद्धविराम खाड़ी देशों से ऊर्जा आपूर्ति को उसी तरह बाधित किए हुए है, जैसे 40 दिनों के युद्ध के समय था। सच तो यह है कि युद्ध के दौरान तो तेल और गैस से लैस इक्का-दुक्का जहाज होर्मुज से गुजर भी रहे थे, लेकिन अब उनका इस संकरे समुद्री मार्ग से आना-जाना लगभग ठप है। इस युद्ध विराम ने अमेरिका-इजरायल और ईरान की सेनाओं को भले ही चैन की सांस लेने का मौका दिया हो, पर शेष विश्व को इससे कोई राहत नहीं। अब होर्मुज इसलिए बाधित है, क्योंकि ईरान का कहना है कि उसकी अमेरिकी नाकेबंदी युद्धविराम का उल्लंघन है और इसलिए वह किसी भी जहाज को तब तक यहां से नहीं निकलने देगा, जब तक उसकी नाकेबंदी खत्म नहीं हो जाती। अमेरिकी सेना ईरान की नाकेबंदी करने में तो सफल है, पर इतनी सक्षम नहीं है कि वह होर्मुज से जहाजों को सुरक्षित निकाल सके।

अमेरिकी प्रभाव में गिरावट

■ नि:संदेह ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका मनमानी करने में तो समर्थ है, लेकिन अब उसकी पहले जैसी धमक-हनक नहीं रही। इसके बाद भी ट्रंप को लगता है कि दुनिया को वही चला रहे हैं। अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान तबाह भले ही हो गया हो, पर उसने ट्रंप की हालत पतली भी कर दी है। वास्तव में इसी का परिणाम है युद्धविराम का विस्तार। ईरान यह समझ गया है कि ट्रंप चाहे जितनी धमकियां दें, लेकिन उनके लिए दोबारा युद्ध छेड़ना आसान नहीं।

विचित्र दावे और भरोसे का संकट

■ ट्रंप ने एक साक्षात्कार में दावा किया था कि ईरान की सैन्य शक्ति पूरी तरह खत्म हो गई है और उसके पास कुछ नहीं बचा है। फिर उन्होंने बताया कि ईरान अभी भी अमेरिकी सेना और सहयोगियों पर हमला करने की क्षमता रखता है। उनका एक दावा यह था कि अमेरिका ने अपने सभी प्रमुख रणनीतिक लक्ष्य हासिल कर लिए हैं, लेकिन फिर उनसे ही यह सुनने को मिला कि अमेरिका अपने लक्ष्यों को पूरा करने के निकट है। एक बार उन्होंने कहा कि अमेरिका का होर्मुज पर पूरा नियंत्रण है, फिर कुछ ही दिन बाद बोले कि एशियाई और यूरोपीय देश आगे आएं और होर्मुज खोलें, क्योंकि अमेरिका को वहां के तेल की उतनी जरूरत नहीं। आखिर ऐसे विचित्र बयान देने वाले पर कोई भरोसा कैसे कर सकता है?

आंखनदेखी

कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान केंद्र के बाहर मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही। इसी बीच सुरक्षा व्यवस्था के तहत एक सशस्त्र वाहन वहां से गुजरता नजर आया। चुनाव के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

निरंजन परिहार
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

प्रज्ञा सातव के बहाने कइयों के राहुल गांधी को 'जय श्री राम' कहने की कथा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

डॉक्टर प्रज्ञा सातव कांग्रेस आलाकमान के खास रहे राजीव सातव की धर्मपत्नी। राजनीति में नाम नया नहीं, राजनीतिक मोड़ नया है। बीजेपी उनको विधान परिषद भेज रही है। विरासत कांग्रेस की, मगर अब बीजेपी के साथ। राजनीति में रास्ते बदलते हैं, पर सवाल वही रहता है कि आखिर क्यों? सवाल यह नहीं कि क्यों कोई किसी को छोड़ कर किसी और का हो जाता है? सवाल यह है कि कांग्रेस को लोग छोड़ क्यों रहे हैं? प्रज्ञा सातव का यह कदम सिर्फ व्यक्ति का पालाबदल नहीं है। यह उस 'पॉलिटिकल सिस्टम फेल्योर' का संकेत है, जो धीरे-धीरे कांग्रेस के भीतर लगातार फैल रहा है और रुक ही नहीं रहा। कांग्रेस आज महाराष्ट्र में संघर्ष कर रही है। न संगठन में धार, न नेतृत्व में स्पष्टता, न चेहरों में ऊर्जा। कुछ पुराने नाम हैं, लेकिन नए नहीं आ रहे, क्योंकि जमीन खिसक रही है।

परिवार और राजनीतिक विरासत

प्रज्ञा परंपरागत कांग्रेसी परिवार की बहू। पति राजीव सातव कांग्रेस का उभरता चेहरा, राहुल गांधी के खासमखास। प्रज्ञा की सास रजनी सातव सत्ता का सुदीर्घ अनुभव, बरसों तक महाराष्ट्र की कांग्रेसी सरकारों में मंत्री। घर में कांग्रेस विचारधारा की सांस। उसी आंगन से प्रज्ञा की राजनीति ने जन्म लिया। पति के असमय निधन के बाद कांग्रेस ने सहारा दिया। राहुल गांधी ने दिलासा दिया। गले लगाया और भावनाओं को प्रतिनिधित्व में बदला। विधान परिषद की सीट दी। यह सिर्फ पद नहीं, विश्वास था। लेकिन राजनीति में विश्वास स्थायी नहीं होता। समीकरण होते हैं। प्रज्ञा ने समीकरण समझ लिए। इसीलिए, दिसंबर 2025, एक तारीख नहीं थी, संकेत था समीकरणों की समझ का। कांग्रेस छोड़ दी। बिना हिचक। बिना झिझक। बिना किसी वैचारिक बहस के। बोली, नरेंद्र मोदी देश का विश्वास और देवेंद्र फड़णवीस मजबूत नेता। बीजेपी का दामन थाम लिया। थामा भी तो इतना मजबूती से कि फोन उठाते ही हैलो या नमस्कार नहीं, भाजपाई संस्कारों में सीधे 'जयश्री राम' बोलती हैं।

राजनीतिक संकेत और बदलाव

यहीं से कहानी बदलती है। यह एक संकेत था कि कांग्रेस के भीतर कुछ गंभीर रूप से टूट रहा है। इसीलिए कांग्रेसी विचारधारा से सीधे मोदी के पाले में। यह उनका फैसला व्यक्तिगत था या राजनीतिक? सवाल बड़ा है। और जवाब उससे भी बड़ा। बीजेपी ने उन्हें सिर्फ शामिल नहीं किया। उनकी ताकत का लाभ भी लिया। कांग्रेस नहीं कर पाई। नगर परिषदों में, पालिकाओं में, चुनावी मोर्चों पर बीजेपी ने काम करवाया। प्रज्ञा ने मेहनत की। लगातार लगी रहीं। बेहतर परिणाम दिए। बीजेपी को जीत दिलाई। राजनीति में निष्ठा नहीं, उपयोगिता चलती है और प्रज्ञा उपयोगी साबित हुईं। कांग्रेस ने उनकी ताकत नहीं समझी, उपयोगिता की भी अवहेलना की। वैसे भी अपनी ही उलझनों में उलझा कोई सियासी संगठन, कहां किसी भी ताकतवर की ताकत का सदुपयोग करने में समर्थ होता है।

बीजेपी का दांव और संदेश

बीजेपी ने अब प्रज्ञा सातव तो विधान परिषद का उम्मीदवार बना दिया। पहले कांग्रेस से इस्तीफा दिलवाया, उसी सीट पर उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया। जीत तय है। यह इनाम है। या निवेश? शायद दोनों। वे अब बीजेपी की विधायक रहेंगी। यानी सत्ता के साथ लंबी पारी तय। लेकिन यह पारी सिर्फ सीट की नहीं, संदेश की भी है। संदेश साफ है कि कांग्रेस कमजोर हो रही है। धीरे-धीरे, पर लगातार, बिना किसी रुकावट के। उसके अपने लोग ही उसके हाथ से फिसल रहे हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस की हालत अब वैसी नहीं रही। न संगठन में धार, न नेतृत्व में दम। पुराने नाम हैं, पर नई ऊर्जा नहीं।

कांग्रेस में बढ़ता खालीपन

डॉ.प्रज्ञा सातव तो केवल एक चेहरा है। उन जैसे ही कईयों का कांग्रेस से लगातार निकलते जाना, पार्टी से व्यक्तियों का जाना नहीं है। यह उस खालीपन का संकेत है, जो कांग्रेस के भीतर अनवरत बढ़ रहा है, और बढ़ता ही जा रहा है। बीजेपी इस खालीपन को और ज्यादा खाली करती जा रही है। चेहरे अपनी ओर जोड़ रही है। नए समीकरण सजा रही है। जाति के, समाज के, और वर्गों के समीकरण। डॉ प्रज्ञा सातव का सफर यही बताता है कि राजनीति अब विचारधारा की कम, अवसर की ज्यादा हो गई है। निष्ठा की कम और विश्वास की ज्यादा है। कांग्रेस के प्रति विश्वास कम हो रहा है। इसीलिए अब वह बीजेपी में हैं, क्योंकि वहीं से विस्तार है। सवाल यह नहीं कि प्रज्ञा सही हैं या गलत। सवाल यह है कि कांग्रेस क्यों ऐसी स्थिति में पहुंची कि अपने ही लोग टिक नहीं पा रहे।

अंतिम सवाल

राजनीति में माना जाता है कि कोई जाता है, तो कोई आता है। लेकिन कांग्रेस में कोई आ ही नहीं रहा, यही उसकी मुश्किल है। राजनीति में खाली जगह कभी खाली नहीं रहती। लेकिन कांग्रेस खाली होती जा रही है। खोखली हो रही है। डॉ.प्रज्ञा सातव गईं। बीजेपी मजबूत हुई। कांग्रेस कमजोर। प्रज्ञा का सफर एक लाइन में समझें, तो विचारधारा से विश्वास आगे निकल गया। बीजेपी विश्वास हैं क्योंकि वहीं से विकास है। सवाल यह नहीं कि कांग्रेस इतनी कमजोर क्यों हो गई, बल्कि सवाल यह है कि राहुल गांधी आखिर कर क्या रहे हैं। उनके अपने ही लोग साथ छोड़ रहे हैं, साथी ही टिक नहीं पा रहे। आखिर क्यों? यही आज की कांग्रेस के लिए सबसे सटीक, सबसे सरल और सपाट सा सवाल है। लेकिन राहुल गांधी यह सब समझे तब न!

प्रेरक प्रसंग

शरारती बंदर

विजयनगर एक सुखी और समृद्ध गांव था। वहां के लोग मेहनती और सरल स्वभाव के थे। इसी गांव में एक भव्य मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था। मंदिर के निर्माण में कई कारीगर दिन-रात लगे हुए थे। उन्हीं में से एक बढ़ई भी था, जो लकड़ियों को काटकर सुंदर दरवाजे और खिड़कियां बनाने का काम कर रहा था। वह अपने काम में बहुत कुशल था और पूरे ध्यान से अपने औजारों का उपयोग करता था। एक दिन की बात है, बढ़ई सुबह से ही काम में जुटा हुआ था। उसने एक मोटी लकड़ी को आधा चीरकर उसके बीच में एक कील फंसा दी थी, ताकि वह लकड़ी अपनी जगह पर स्थिर रहे। काम करते-करते दोपहर हो गई और बढ़ई को भूख लगने लगी। उसने सोचा कि थोड़ा विश्राम कर लिया जाए और घर जाकर भोजन कर आए। वह अपने औजार वहीं छोड़कर घर चला गया। कुछ ही देर बाद वहां बंदरों का एक झुंड आ पहुंचा। वे सभी उछल-कूद करते हुए इधर-उधर खेलने लगे। उनमें एक बंदर था, जिसका नाम चीकू था। चीकू बहुत शरारती और जिज्ञासु स्वभाव का था। उसे हर नई चीज में दिलचस्पी रहती थी। उसने बढ़ई के औजारों को देखा और उनसे खेलने लगा। खेलते-खेलते चीकू की नजर उस लकड़ी पर पड़ी, जिसे बढ़ई ने आधा चीरकर उसमें कील फंसा दी थी। चीकू ने सोचा कि क्यों न इस कील को निकालकर देखा जाए। वह अपनी ताकत दिखाने के लिए कील को खींचने लगा। पहले तो कील नहीं निकली, लेकिन चीकू ने हार नहीं मानी। उसने दोनों हाथों से पूरी ताकत लगाई और आखिरकार कील को बाहर निकाल ही लिया।

■ जैसे ही कील बाहर निकली, लकड़ी के दोनों हिस्से अचानक जोर से आपस में जुड़ गए। उसी समय चीकू की पूंछ लकड़ी के बीच में फंस गई। दर्द के मारे वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसने अपनी पूंछ को छुड़ाने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह बाहर नहीं निकल सकी। उसकी छटपटाहट बढ़ती गई और अंतत: उसकी पूंछ कट गई।

■ बेचारा चीकू दर्द से कराहता हुआ वहां से भाग गया। बाकी बंदर भी डरकर वहां से भाग खड़े हुए। जब बढ़ई वापस लौटा, तो उसने बिखरे हुए औजार और बदली हुई स्थिति देखकर सब कुछ समझ लिया। इस घटना से यह शिक्षा मिलती है कि बिना सोचे-समझे किसी भी अंजान काम में हाथ डालना नुकसानदायक हो सकता है। सीख: अंजान चीजों को बिना समझे छेड़ना खतरनाक साबित हो सकता है।

राशिफल

मेष- आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

वृषभ-नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रयास करें।

मिथुन- रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे।

कर्क- व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। वाणी पर संयम रखें।

सिंह- व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

कन्या- निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा।

तुला-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

वृश्चिक-प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रमाद न करें।

धनु- लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मकर- व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दु:ख पहुंचाएगा।

कुंभ- नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

मीन-रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। थकान महसूस हो सकती है।

पश्चिम बंगाल में दूसरे फेज में 90 फीसदी मतदान

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में शाम पांच बजे तक 89.99 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ था और वोटिंग का समय शाम छह बजे तक है। राज्य के पूर्वी बर्धमान जिले में शुरूआती दस घंटों (शाम पांच बजे तक) में सबसे अधिक 92.46 प्रतिशत और कोलकाता दक्षिण जिला में सबसे कम 86.11 प्रतिशत मतदान हुआ। इस बीच कुछ इलाकों में मतदान के दौरान झड़पों और तनाव की रिपोर्ट भी मिली है। राज्य के अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है। मतदान केंद्रों में मतदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें देखी गई हैं। बंगाल के मतदाता लोकतंत्र के इस पर्व पर बढ़-चढ़ कर मतदान कर रहे हैं। चुनाव आयोग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, हुगली जिले में 90.34 प्रतिशत, हावड़ा में 89.44, कोलकाता उत्तर में 87.77, नदिया में 90.28, उत्तर 24 परगना में 89.74, दक्षिण 24 परगना में 89.57 प्रतिशत मतदान हुआ है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में शाम पांच बजे तक 85.51 प्रतिशत मतदान हुआ। इस सीट पर उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी चुनाव मैदान में है। अधिकारी को बुधवार को कालीघाट इलाके में विरोध का सामना करना पड़ा। मतदान के बीच जैसे ही अधिकारी क्षेत्र में पहुंचे, तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए 'जय बंगला' के नारे लगाए। इस दौरान अधिकारी ने कहा कि मुस्लिम 'जय बंगला' के नारे लगा रहे हैं, हिंदू भाजपा के साथ हैं।

हुगली में सबसे ज्यादा पड़े वोट

दूसरे चरण में कुल 142 सीटों पर मतदान

राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कुल 142 विधानसभा सीटों के लिए 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चरण में 41,001 मतदान केंद्र (39,301 मुख्य और 1700 सहायक मतदान केंद्र) बनाये गये हैं, जिसमें ग्रामीण मतदान केंद्रों की संख्या 25,083 और शहरी मतदान केंद्रों की संख्या 14,218 तथा 258 मॉडल मतदान केंद्र हैं। इस चरण में 8,845 मतदान केंद्रों का प्रबंध पूरी तरह महिलाएं कर रही हैं।

केंद्रीय बलों की तैनाती

आयोग ने मतदान को हिंसा और भय से मुक्त रखने तथा स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं और संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की सघन तैनाती की गई है। चुनाव आयोग ने केंद्रीय बलों की 2,407 कंपनियों को तैनात किया है। सभी मतदान केन्द्रों पर सुबह से मतदाता मतदान के लिए पहुंच रहे हैं। दूसरे चरण में कुल 1,448 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस चरण में सर्विस मतदाता सहित कुल 3.22 करोड से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 1.64 करोड़ पुरुष, 1.57 करोड़ महिलाएं और 792 उभयलिंगी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में कुल 6.44 करोड़ मतदाता हैं।

टीएमसी-बीजेपी में कौन जीतेगा?

राज्य में मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच है तथा कांग्रेस और वामपंथी दल भी पुरजोर से अपनी ताकत आजमा रहे हैं। भवानीपुर सीट इस बार के चुनाव में सबसे चर्चित सीट बनी हुई है, जहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता एवं भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी के बीच है। बांग्ला फिल्म जगत की मशहूर हस्तियों ने बढ़-चढ़कर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग किया और जनता से भी मतदान करने की अपील की। दिग्गज अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती भी काशीपुर-बेलगाछिया निर्वाचन क्षेत्र में मतदान करने पहुंचे। काले रंग की टी-शर्ट, टोपी और चश्मे के साथ गले में नारंगी रंग का स्कार्फ पहने मिथुन ने कहा कि उन्होंने किसी विशेष व्यवस्था की मांग नहीं की थी। उन्होंने विश्वास जताया कि पूरी प्रक्रिया सुचारू और शांतिपूर्ण रहेगी।

पहले फेज में 93.19 फीसदी मतदान

मतदान केंद्रों पर पहुंचने वाले प्रमुख नामों में अभिनेता-निर्देशक जोड़ी सुभाश्री गांगुली और राज चक्रवर्ती (बैरकपुर विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार) शामिल थे। वे कस्बा स्थित पोलिंग बूथ पर रोजमर्रा के परिधानों में नजर आए। मतदान के बाद इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर अपनी उंगलियों पर लगी स्याही दिखाते हुए एक सेल्फी साझा की और नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर मतदान हुआ था जिसमें 93.19 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला था। दोनों चरणों की मतगणना 4 मई को होगी।

पश्चिम बंगाल चुनाव को प्रभावित करने के लिए केंद्रीय बलों का हुआ दुरुपयोग : अखिलेश यादव

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को प्रभावित करने के लिए केंद्रीय बलों के माध्यम से एक 'समानांतर प्रशासनिक ढांचा' तैयार किया गया है। उनका दावा है कि राज्य के मौजूदा प्रशासन के साथ-साथ एक पूरी तरह से अलग 'चेन ऑफ कमांड' खड़ी कर दी गई है। अखिलेश यादव ने यहां तक कहा कि पुलिस महानिदेशक (DGP) के स्तर पर भी हस्तक्षेप किया जा रहा है और जिलों में जिला पुलिस प्रमुखों के ऊपर अन्य अधिकारियों को तैनात किया गया है।

अधिकारियों पर दबाव और प्रलोभन

अखिलेश यादव ने अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई अधिकारी दबाव या प्रलोभन में काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ अधिकारियों को भविष्य के लाभ का आश्वासन दिया गया है, जबकि अन्य पर विभिन्न जांचों का डर दिखाकर दबाव बनाया जा रहा है। उनके अनुसार, यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चिंताजनक है और उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे ऐसे तत्वों के खिलाफ वोट करें जो अधिकारियों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

रामपुर मॉडल और यूपी के लिए चेतावनी

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक उदाहरणों का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में वही मॉडल अपनाया जा रहा है जो रामपुर लोकसभा उपचुनाव के दौरान देखने को मिला था। उन्होंने चेतावनी दी कि बंगाल में किया जा रहा यह 'प्रशासनिक प्रयोग' आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में भी दोहराया जा सकता है। उन्होंने ममता बनर्जी की ऐतिहासिक जीत का भरोसा जताते हुए जनता को सचेत रहने और किसी भी प्रकार के अन्याय का डटकर मुकाबला करने का आह्वान किया।

सुधार के नाम पर धर्म की मूल भावना से छेड़छाड़ नहीं कर सकते : सुप्रीम कोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। अदालत ने पूछा कि उत्तर भारत में रहने वाला कोई गैर-आस्थावान व्यक्ति आखिर किस आधार पर सबरीमाला मंदिर में प्रवेश का अधिकार मांग सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म की मूल संरचना को कमजोर नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भारत की सभ्यता और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 भी इसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से विकसित हुए हैं। अदालत के मुताबिक, वर्तमान को समझने के लिए अतीत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आस्था बनाम अधिकार पर कोर्ट का फोकस

नौ जजों की संविधान पीठ ने कहा कि मंदिर प्रवेश के अधिकार से जुड़े मामलों में यह देखना जरूरी है कि दावा करने वाला व्यक्ति भक्त है या नहीं। अदालत ने संकेत दिया कि धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में आस्था का पहलू भी अहम भूमिका निभाता है। यह टिप्पणी उन याचिकाओं की सुनवाई के दौरान आई, जिनमें सबरीमाला समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव का मुद्दा उठाया गया है। अदालत इस मामले में धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के अधिकार के बीच संतुलन पर विचार कर रही है।

इंदिरा जयसिंह ने रखा पक्ष

वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने दलील दी कि सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट का पूर्व फैसला अब भी प्रभावी है और उस पर कोई रोक नहीं लगी है। इसके बावजूद महिलाओं को मंदिर में प्रवेश नहीं मिल पा रहा, जिसका कारण राज्य सरकार का पर्याप्त सहयोग न होना बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत धर्म की परिभाषा तय नहीं करती, बल्कि यह तय करना धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं का विषय है। सुनवाई के दौरान यह भी चर्चा हुई कि क्या संविधान को पूरी तरह नए दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए या फिर ऐतिहासिक संदर्भों को ध्यान में रखते हुए इसकी व्याख्या की जानी चाहिए। इस पर दोनों पक्षों के बीच गहन बहस हुई। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 10 से 50 वर्ष की आयु के बीच मंदिर में प्रवेश से रोकना उनके जीवन के महत्वपूर्ण दौर में अधिकारों से वंचित करना है। जयसिंह ने सुप्रीम कोर्ट के 2018 के फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि उस निर्णय में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक को असंवैधानिक करार दिया गया था। बावजूद इसके, आज भी महिलाओं को मंदिर में प्रवेश में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

कोर्ट की प्रतिक्रिया

अदालत ने इस पर स्पष्ट किया कि महिला को उसके सामाजिक वर्ग के कारण नहीं, बल्कि आयु समूह के आधार पर रोका गया था। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि विविधता ही भारत की ताकत है और संविधान के अनुच्छेद 26 के तहत धार्मिक संप्रदायों को अपने मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार भी दिया गया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना कि किसी धार्मिक प्रथा को आवश्यक या गैर-आवश्यक घोषित करना न्यायालय के लिए बेहद जटिल कार्य है।

राजस्थान हाई कोर्ट से आसाराम को फिर राहत

स्वास्थ्य कारणों से 25 मई तक बढ़ी जमानत

हिंदमाता नेटवर्क @ जोधपुर

यौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से एक बार फिर राहत मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच ने मेडिकल आधार पर उनकी अंतरिम जमानत 25 मई 2026 तक अथवा उनकी अपील पर अंतिम फैसला आने तक बढ़ाने के आदेश दिए हैं। यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा की खंडपीठ ने सुनाया।

बचाव पक्ष ने स्वास्थ्य आधार पर रखी दलील

आसाराम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत और अधिवक्ता यशपाल सिंह राजपुरोहित ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि आसाराम वर्ष 2013 से जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं और वर्ष 2018 में दुष्कर्म मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

इलाज जारी रखने की आवश्यकता बताई गई

बचाव पक्ष ने दलील दी कि बढ़ती उम्र, गंभीर बीमारियों और लंबे समय से चल रहे उपचार के कारण उनकी चिकित्सा लगातार जारी रखना जरूरी है। वर्तमान में आसाराम 29 अक्टूबर 2025 से अंतरिम जमानत पर बाहर रहकर इलाज करा रहे हैं।

जमानत नहीं बढ़ने पर उपचार रुकने की आशंका जताई

वकीलों ने अदालत से कहा कि यदि जमानत अवधि नहीं बढ़ाई गई तो उनका उपचार बीच में रुक जाएगा और उन्हें दोबारा जेल में सरेंडर करना पड़ेगा। साथ ही यह भी बताया गया कि सजा के खिलाफ दायर अपील पर 20 अप्रैल 2026 को सुनवाई पूरी हो चुकी है और अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। वहीं, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्तादीपक चौधरी ने अदालत को बताया कि जेल प्रशासन की ओर से समय-समय पर आसाराम को समुचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रही हैं और उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी गई।

दिल्ली में किसानों ने बेचा गेंहू, फिर सरकार को आई घोषणा करने की याद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने गेहूं खरीद के नियमों में बड़ी छूट देकर किसानों को राहत देने की घोषणा की है, लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि राजधानी में ज्यादातर गेहूं पहले ही बिक चुका है। ऐसे में ये फैसला किसानों के लिए कितनी मददगार होगा, इस पर सवाल उठ रहे हैं।

गुणवत्ता मानकों में सरकार ने दी थी ढील

दिल्ली सरकार ने खराब मौसम से प्रभावित गेहूं की खरीद के लिए गुणवत्ता मानकों में ढील दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि अब 70 फीसदी तक चमक की कमी (लस्टर लॉस) वाला गेहूं भी खरीदा जाएगा। साथ ही, सिकुड़े और टूटे दानों की सीमा को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है, ताकि ज्यादा किसानों की फसल खरीद के दायरे में आ सके। सरकार का कहना है कि इस फैसले से किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर फसल बेचने से बचाया जा सकेगा और उन्हें उचित दाम मिलेगा। छूट के तहत खरीदे गए गेहूं को अलग स्टॉक में रखा जाएगा, उसका अलग हिसाब रखा जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर उसका इस्तेमाल किया जाएगा।

ये फैसला बहुत देर से आया

लेकिन दूसरी ओर, किसानों का कहना है कि ये फैसला बहुत देर से आया है। दिल्ली में इस साल गेहूं की बिक्री 10 अप्रैल से शुरू हो गई थी और सरकार ने अब तक एक दाना भी नहीं खरीदा। खराब मौसम के डर से किसानों ने जो दाम मिला, उसी पर अपनी फसल बेच दी। नरेला अनाज मंडी के आढ़ती करन सिंह के मुताबिक, इस बार गेहूं 2300 से 2400 रुपए प्रति क्विंटल तक बिका, जबकि सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपए था। अगर सरकार ये छूट मार्च में ही घोषित कर देती, तो किसानों को इसका सीधा फायदा मिल सकता था।

किसानों को लाखों का नुकसान

नया बांस गांव के किसान पंकज मान ने बताया कि उन्होंने 6 क्विंटल गेहूं बेचा, लेकिन एमएसपी पर खरीद न होने से उन्हें कम दाम पर ही संतोष करना पड़ा। वहीं खेड़ा खुर्द के किसान सुखदेव मान ने बताया कि उन्होंने 22 एकड़ में गेहूं बोया था, लेकिन 2350 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से बेचना पड़ा, जिससे उन्हें करीब 3 लाख रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि अब जब दिल्ली में गेहूं बचा ही नहीं, तो सरकार खरीदेगी क्या।

दिल्ली में गेहूं की पैदावार पहले से ही सीमित

शहरीकरण के कारण दिल्ली में खेती योग्य जमीन कम हो गई है और गेहूं का कुल उत्पादन करीब 20 से 30 हजार टन के बीच ही रहता है। ये फसल मुख्य रूप से नजफगढ़, बवाना और महरौली के बाहरी इलाकों में उगाई जाती है। हालांकि प्रति एकड़ उत्पादन अच्छा है और 20 से 25 क्विंटल तक गेहूं निकल जाता है। ऐसे में सरकार का ये कदम नीति के स्तर पर किसानों को राहत देने वाला जरूर है, लेकिन समय पर लागू न होने की वजह से इस बार इसका फायदा सीमित ही नजर आ रहा है।

असम में भाजपा की हैट्रिक तो केरल में कांग्रेस की वापसी के आसार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल समेत सभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों पर एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल के अनुमान आने शुरू हो गए हैं। पहला अनुमान असम राज्य के लिए जारी किया गया है, जहां भाजपा सरकार की हैट्रिक के आसार जताए गए हैं। एग्जिट पोल सर्वे के मुताबिक असम में फिर से बीजेपी सरकार बन सकती है। सर्वे के मुताबिक, NDA को 88 से 100 सीटें मिलने के आसार जताए गए हैं। इनके अलावा कांग्रेस को 24 से 36 सीटें मिलने के आसार जताए गए हैं, जबकि अन्य के खाते में 0 से 3 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। एक्सिस माय इंडिया के सर्वे में असम से इतर केरल में सत्ता परिवर्तन की बात कही गई है। केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाले UDF को 78 से 90 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है, जबकि सत्तारूढ़ लेफ्ट के UDF को 49 से 62 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। राज्य में NDA को 0 से 3 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

सबसे रोचक मुकाबला पश्चिम बंगाल में

इस बार सबसे रोचक मुकाबला पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तीसरी बार अपनी सरकार बनाने की जुगत में जुटी हैं, तो वहीं मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ममता को हराकर इस राज्य में कमल खिलाने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत पार्टी के तमाम नेताओं ने बंगाल पर जीत के लिए कड़ी मेहनत की है। उनकी मेहनत का नतीजा तो 4 मई को आएगा लेकिन उससे पहले एग्जिट पोल में उनके रुझान मिल सकते हैं।

बंगाल के अलावा पड़ोसी राज्य असम पर भी लोगों की नजरें टिकी हैं, जहां भाजपा हैट्रिक लगाने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार हटाकर अपनी सत्ता की वापसी के सपने देख रही है। इसके अलावा लोगों की नजरें केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी चुनावों पर भी टिकी हुई है। बहरहाल, Axis My India IZY Exit Poll के नतीजों और रुझानों के लिए आप हमारे साथ बने रहिए। हम आपको सभी पांचों राज्यों के विधानसभा चुनावों की पल-पल की जानकारी यहां देते रहेंगे।

Axis My India Exit Poll LIVE: पुडुचेरी में एन. रंगासामी की ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (AINRC) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) का गठबंधन फिर से सरकार बनाता नजर आ रहा है। एक्सिस माय इंडिया के सर्वे के मुताबिक इस गठबंधन को 30 सदस्यों वाली विधानसभा में 16 से 20 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। इसके अलावा कांग्रेस और DMK के गठबंधन को 6 से 8 सीटें और TVK गठबंधन को 2 से 4 सीटें मिलने के आसार जताए गए हैं। अन्य के खाते में 1 से तीन सीटें जाने का अनुमान लगाया गया है।

Axis My India Exit Poll LIVE: वोट शेयर की बात करें तो पुडुचेरी में NRC यानी NDA गठबंधन को 40 फीसदी वोट मिलने के आसार हैं, जबकि, कांग्रेस वाले गठबंधन को 30 फीसदी, टीवीके को 17 फीसदी और अन्य को 13 फीसदी वोट मिलने के आसार जताए गए हैं।

Axis My India Exit Poll LIVE: केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाले UDF को कुल 140 सीटों में से 78 से 90 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। जबकि सत्तारूढ़ लेफ्ट के UDF को 49 से 62 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। राज्य में NDA को 0 से 3 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

Axis My India Exit Poll LIVE: केरल में UDF को 44 फीसदी वोट शेयर मिलने का अनुमान जताया गया है, जो पिछले चुनाव से पांच फीसदी ज्यादा है जबकि सत्ताधारी LDF गठबंधन को पहले के मुकाबले 6 फीसदी कम वोट मिलने की संभावना जताई गई है। सर्वे के मुताबिक LDF को 39 फीसदी वोट मिलने का अनुमान जताया गया है। NDA के लिए भी खुशखबरी है क्योंकि उसका वोट शेयर बढ़कर 14 फीसदी होने का अनुमान लगाया गया है। यह पिछले चुनाव से तीन फीसदी ज्यादा है।

Axis My India Exit Poll LIVE: असम में पसंदीदा सीएम चेहरे की रेस में हिमंता ने मारी बाजी। उन्हें 48 पीसदी लोगों ने पहली पसंद बताया है, जबकि गौरव गोगोई को 32 फीसदी लोगों ने पसंद किया है। इनके अलावा अखिल गोगोई को तीन फीसदी लोगों ने पसंद किया है। प्रमोद बोरो को बी तीन फीसदी लोगों ने बतौर सीएम पसंद किया है।

Axis My India Exit Poll LIVE: सर्वे के मुताबिक असम में NDA को 48 फीसदी वोट शेयर मिलने के आसार जताए गए हैं, जबकि कांग्रेस को 38 पीसदी और अन्य को 14 फीसदी वोट मिलने का अनुमान जताया गया है।

Axis My India Exit Poll LIVE: असम में फिर बीजेपी सरकार का अनुमान जताया गया है। कुल 126 सीटों वाली विधानसभा में NDA को 88 से 100 सीटें मिलने के आसार जताए गए हैं। इनके अलावा कांग्रेस को 24 से 36 सीटें मिलने के आसार जताए गए हैं, जबकि अन्य के खाते में 0 से 3 सीटें मिलना का अनुमान जताया गया है।

बंगाल चुनाव में धांधली का आरोप: EVM में भाजपा के बटन पर चिपका दिखा टेप, अमित मालवीय बोले- दोबारा हो मतदान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख और पश्चिम बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों पर चुनावी धांधली कर रही है। उन्होंने चुनाव में जीत के लिए टीएमसी पर गड़बड़ी के आरोप लगाए और पुनर्मतदान की मांग की। दरअसल आरोप है कि कई बूथों पर ईवीएम मशीन में कुछ बटन पर टेप लगाकर उन्हें ढक दिया गया।

अपने दावे के पक्ष में अमित मालवीय ने दिए सबूत

अमित मालवीय ने अपने दावे के सबूत में मतदान केंद्रों के अंदर के वीडियो फुटेज भी साझा किए, जहां कथित तौर पर ये चुनावी गड़बड़ियां हुईं। भाजपा नेता ने प्रभावित बूथों पर तत्काल पुनर्मतदान की मांग करते हुए कहा कि हम फाल्टा के उन सभी बूथों पर तुरंत पुनर्मतदान की मांग करते हैं, जहां इस तरह की घटनाएं हुई हैं। कुछ बूथों का विवरण और सबूत इस प्रकार हैं - फाल्टा 144, पार्ट 170, कक्ष संख्या 2, हरिदंगा हाई स्कूल। बूथ 189 भी इसी तरह प्रभावित है, इसके अलावा कई अन्य बूथ भी प्रभावित हैं।

अमित मालवीय ने क्या आरोप लगाए

सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में अमित मालवीय ने दावा किया कि ममता बनर्जी इसी लिए डायमंड हार्बर के फाल्टा सीट से टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार जहांगीर खान का समर्थन कर रही थीं। कई मतदान केंद्रों पर भाजपा के पक्ष में वोट देने का विकल्प टेप लगाकर बंद कर दिया गया है, जिससे मतदाता अपनी पसंद से वोट नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यही 'डायमंड हार्बर मॉडल' है, जिसकी मदद से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को ये लोकसभा सीट जीतने में मदद मिली थी।

ईवीएम पर टेप लगाने की खबरों पर निर्वाचन आयुक्त का बयान

पश्चिम बंगाल के निर्वाचन आयुक्त ने फाल्टा मामले पर दिए बयान में कहा है कि अगर ईवीएम के किसी बटन पर टेप लगाने का मामला सामने आया है तो उसकी पुष्टि होनी चाहिए। अगर ये सच है तो उस बूथ पर फिर से चुनाव कराया जाएगा। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने भरोसा जताया कि इस चरण में मतदान प्रतिशत पहले चरण से अधिक हो सकता है। दूसरे चरण में दोपहर 1 बजे तक 3.21 करोड़ मतदाताओं में से 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने मतदान किया, हालांकि कुछ स्थानों पर छिटपुट हिंसा और उम्मीदवारों पर हमलों की घटनाएं भी सामने आईं। उन्होंने कहा कि पहले चरण में पश्चिम बंगाल ने देश को दिखाया कि 93 प्रतिशत मतदान संभव है और चुनाव निष्पक्ष व स्वतंत्र तरीके से कराए जा सकते हैं। इस चरण में भी हमारा लक्ष्य इस आंकड़े को बराबर करना या उससे आगे बढ़ना है।

तमिलनाडु में DMK गठबंधन को बढ़त, एक्टर विजय की पार्टी की धमाकेदार एंट्री

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर एग्जिट पोल (Tamil Nadu Exit Poll 2026) जारी हो गए हैं। राज्य में 234 विधानसभा सीटें हैं। Matrize ने तमिलनाडु में डीएमके+ को 122 से 132 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, AIADMK+ को 87 से 110 सीटें मिल सकती हैं। TVK को 10 से 12 सीटें मिलने का अनुमान है। एग्जिट पोल में अन्य के खाते में 0 से 6 सीटें जाती दिख रही हैं।

डीएमके गठबंधन को बढ़त

वहीं, Peoples Pules ने डीएमके+ 125 से 145 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, AIADMK+ को 65 से 80 सीटें मिल सकती हैं। TVK को 18 से 24 सीटें मिल सकती हैं। अन्य के खाते में 2 से 6 सीटें मिल सकती हैं। पी-मार्क (P-Marq) के एग्जिट पोल के अनुसार, तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। एग्जिट पोले के मुताबिक, डीएमके गठबंधन को 125-145 सीटें मिलने का अनुमान है, जिससे वे बहुमत के आंकड़े को पार करते दिख रहे हैं।

पिछड़ती नजर आ रही AIADMK

अन्नाद्रमुक (AIADMK) पिछड़ती नजर आ रही है, उन्हें केवल 65-85 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। अभिनेता विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (TVK) पहली बार में ही अपना असर दिखाती नजर आ रही है। सर्वे में उन्हें 16-26 सीटें मिलने की संभावना जताई। अभिनेता विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (TVK) अपने राजनीतिक सफर की शानदार शुरुआत कर सकती है। पार्टी 18-24 सीटें जीतकर राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर सकती है।

यूपी में लड़कियों को डांस सिखाने के लिए महिला टीचर अनिवार्य

बुटीक में भी महिला ही लेंगी नाप, 9 सूत्रीय निर्देश जारी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश महिला आयोग ने राज्य में महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बड़ा फैसला किया है। एक वकील की याचिका पर सुनवाई करते हुए महिला आयोग ने 9 सूत्रीय निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के मुताबिक, अब राज्य में लड़कियों को डांस सिखाने के लिए महिला टीचर जरूरी है। इसके साथ ही जिम, योगा सेंटर, बुटीक आदि के लिए भी अहम निर्देश दिए गए हैं। आइए जानते हैं महिला आयोग के इस फैसले के बारे में।

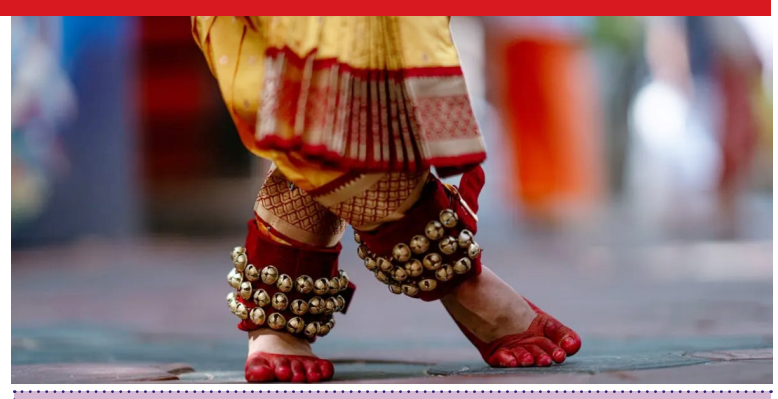

क्या है पूरा मामला?

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए ऐतिहासिक और कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता प्रवीण फाइटर की याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग ने उत्तर प्रदेश मुख्य सचिव को 9 सूत्रीय आदेश लागू करने का निर्देश दिया है। इन निर्देशों में कहा गया है कि अब राज्य में लड़कियों को डांस सिखाने के लिए महिला टीचर अनिवार्य है। इसके साथ बुटीक में भी महिला ही नाप लेंगी।

उत्तर प्रदेश महिला आयोग ने 9 बिंदुओं का पालन करने का आदेश दिया है

- महिला जिम/योगा सेंटर में महिला ट्रेनर होना चाहिए तथा ट्रेनर एवं महिला जिम का सत्यापन अवश्य कराया जाए।
- महिला जिम/योगा सेंटर में प्रवेश के समय अभ्यर्थी के आधार कार्ड/निर्वाचन कार्ड जैसे पहचान पत्र से सत्यापन कर उसकी छायाप्रति सुरक्षित रखी जाए।
- महिला जिम/योगा सेंटर में डीवीआर सहित सीसीटीवी सक्रिय दशा में होना अनिवार्य है।
- विद्यालय की बस में महिला सुरक्षाकर्मी अथवा महिला टीचर का होना अनिवार्य है।
- नाट्य कला केंद्रों में महिला डांस टीचर एवं डीवीआर सहित सक्रिय दशा में सीसीटीवी का होना अनिवार्य है।
- बुटीक सेंटरों पर कपड़ों की नाप लेने हेतु महिला टेलर एवं सक्रिय सीसीटीवी का होना अनिवार्य है।

जनपद की सभी शिक्षण संस्थाओं का सत्यापन होना चाहिए।

- कोचिंग सेंटरों पर सक्रिय सीसीटीवी एवं वॉशरूम आदि की व्यवस्था अनिवार्य है।

महिलाओं से संबंधित वस्त्र आदि की बिक्री की दुकानों पर महिला कर्मचारी का होना अनिवार्य है।

क्या-क्या निर्देश दिए गए?

महिला आयोग के निर्देशों के अनुसार, जिम, योगा सेंटर और नाट्य कला केंद्रों में अब महिला ट्रेनर/टीचर होना अनिवार्य होगा। साथ ही ट्रेनर का सत्यापन भी कराया जाएगा। बुटीक सेंटरों पर महिला ग्राहकों के कपड़ों की नाप केवल महिला टेलर ही ले सकेंगी। महिलाओं के वस्त्र बेचने वाली दुकानों पर भी महिला कर्मचारी होना अनिवार्य है। सभी कोचिंग सेंटर, जिम, योगा क्लास और बुटीक में सक्रिय CCTV और DVR होना जरूरी है। महिला आयोग के निर्देशों के मुताबिक, राज्य में स्कूल बसों में अब महिला सुरक्षाकर्मी या महिला टीचर का होना अनिवार्य कर दिया गया है। जिम या योगा सेंटर में प्रवेश के समय आधार कार्ड या पहचान पत्र की फोटोकॉपी जमा करना अनिवार्य होगा। कोचिंग सेंटरों में CCTV के साथ-साथ उचित वाशरूम व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी।

परिवारवाद-जातिवाद से ऊपर नहीं उठ सकती सपा-कांग्रेस

ये विकास विरोधी हरदोई में बोले पीएम मोदी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

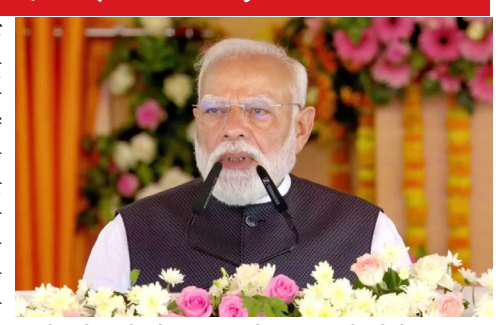

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बुधवार को कहा कि समाजवादी पार्टी कभी भी परिवारवाद और जातिवाद से ऊपर नहीं उठ सकती। ये लोग हमेशा विकास विरोधी राजनीति करेंगे। यूपी को सपा और उसके सहयोगियों से सावधान रहना होगा। बंगाल चुनाव को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार 'भयमुक्त वातावरण' में वोटिंग हो रही है, जो पिछले छह-सात दशकों में देखने को नहीं मिला। पीएम मोदी ने हरदोई के मल्लावां में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज लोकतंत्र के उत्सव का अहम दिन है। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग जारी है और मिल रही जानकारी के अनुसार भारी संख्या में वोटर्स अपने मताधिकार का उपयोग कर रहे हैं। पहले चरण की तरह ही लोग वोट डालने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रहे हैं, लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया में छाई हुई हैं।

'खुले वातावरण में पश्चिम बंगाल में हो रही वोटिंग'

पश्चिम बंगाल में जारी भारी वोटिंग का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "पिछले छह-सात दशकों में जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी, वैसे निर्भीक वातावरण में इस बार पश्चिम बंगाल में वोटिंग हो रही है। लोग भयमुक्त होकर वोट डाल रहे हैं। यह देश के संविधान और मजबूत होते लोकतंत्र का पुण्य प्रतीक है।" उन्होंने राज्य की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं और बड़ी संख्या में वोटिंग कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने वोटर्स से अपील की कि वोटिंग खत्म होने तक इसी उत्साह के साथ भागीदारी बनाए रखें। फिलहाल, पश्चिम बंगाल में 142 विधानसभा सीट के लिए दूसरे चरण की वोटिंग जारी है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में हालिया चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (BJP) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) ने प्रचंड जीत हासिल की थी।

कांग्रेस-सपा का दिखा नारी विरोधी चेहरा : पीएम मोदी

समाजवादी पार्टी (SP) पर वार करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सपा विकास विरोधी भी है और नारी विरोधी भी है। बीते दिनों एक बार फिर देश ने कांग्रेस और सपा का नारी विरोधी चेहरा देखा है। केंद्र की एनडीए सरकार नारी शक्ति वंदन संशोधन लेकर आई थी, अगर यह संशोधन पास हो जाता तो 2029 के चुनाव से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिलता। बड़ी संख्या में महिलाएं चुनकर लखनऊ और दिल्ली पहुंचतीं, वो भी किसी अन्य वर्ग की सीटें कम हुए बिना, लेकिन सपा ने इस संशोधन के खिलाफ वोट किया। हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन पर खुशी जताते हुए पीएम मोदी ने कहा, "जैसे मां गंगा हजारों सालों से यूपी की और इस देश की जीवन रेखा रही हैं, वैसे ही आधुनिक प्रगति के इस दौर में उनके पास से गुजरता यह एक्सप्रेसवे यूपी के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा। यूपी सरकार की ओर से इसका नाम मां गंगा के नाम पर रखना विकास और सांस्कृतिक विरासत के समन्वय को दर्शाता है।

शॉर्ट स्टोरी

छात्रों से कराई जा रही मजदूरी, बिहार के स्कूल की हैरान करने वाली तस्वीर

हिंदमाता नेटवर्क @ बेतिया

बिहार के बेतिया से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है, जहां शिक्षा के मंदिर में बच्चों से मजदूरी कराए जाने का मामला उजागर हुआ है। मामला गौनाहा प्रखंड के बेलसंडी पंचायत स्थित राजकीय मध्य विद्यालय, बेलसंडी का है। आरोप है कि स्कूल समय के दौरान बच्चों से लकड़ी ढोने का काम कराया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि स्कूल ड्रेस पहने छात्र साइकिल पर लकड़ी लादकर ला रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस समय बच्चों को कक्षा में बैठकर पढ़ाई करनी चाहिए, उस समय उनसे इस तरह का काम क्यों कराया जा रहा था? इस पूरे मामले पर जब प्रधान शिक्षिका शैलजा कुमारी से फोन पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने स्कूल में शिक्षकों की कमी का हवाला दिया। हालांकि, उनका यह जवाब कई सवाल खड़े करता है। घटना सामने आने के बाद इलाके में अभिभावकों और स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। वहीं शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकारी स्कूलों में बच्चों से इस तरह मजदूरी कराना जायज़ है? और अगर नहीं, तो इस मामले में जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होगी। यह देखना बाकी है।

भागलपुर में ऑफिसर की हत्या करने वाले का एनकाउंटर, 3 पुलिसकर्मी घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ भागलपुर

बिहार के भागलपुर में कार्यकारी पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार की हत्या के बाद पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। हत्या के महज 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी रामधनी यादव पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। इस मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। घटना के बाद इस कार्रवाई की चर्चा हो रही है। दरअसल, मंगलवार को भागलपुर के सुल्तानगंज जिला परिषद कार्यालय में कार्यकारी पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात ने प्रशासनिक महकमे को झकझोर कर रख दिया था। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस को सूचना मिली कि इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी रामधनी यादव एक ठिकाने पर छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस की विशेष टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने उसे सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन रामधनी यादव ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक शुरू हुई गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से चली गोलियों में रामधनी यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, मुठभेड़ के दौरान तीन पुलिसकर्मी भी जख्मी हो गए। घायल आरोपी और पुलिसकर्मियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने रामधनी यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल पुलिसकर्मियों का इलाज जारी है। फिलहाल, पुलिस इस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वाह! 72 घंटे में मिला लापता बच्चा

पुलिस का फूल-मालाओं से हुआ स्वागत

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में देहात कोतवाली पुलिस द्वारा एक लापता बालक को 72 घंटे में सकुशल बरामद किए जाने के बाद थाने में खुशी का माहौल देखने को मिला। परिजनों ने अपनी खुशी जाहिर करने के लिए ढोल-नगाड़ों के साथ थाने पहुंचकर पुलिस टीम का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। दरअसल, बच्चा किसी बात से नाराज होकर घर से चला गया था। जिसके बाद उसकी तलाश की गई। काफी तलाश के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने बच्चे को पंजाब से बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार, थाना देहात कोतवाली क्षेत्र निवासी मुन्ना पुत्र मुंतिजार किसी बात से नाराज होकर घर से बिना बताए चला गया था, जिसके बाद परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही देहात कोतवाली पुलिस सक्रिय हो गई। थाना प्रभारी देवेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आसपास के क्षेत्रों में तलाश शुरू की और तकनीकी साधनों के साथ-साथ CCTV फुटेज खंगाले और आसपास के जिलों और राज्यों में बच्चे की डिटेल भेजी।

पंजाब से बरामद किया

कुछ घंटों बाद पुलिस टीम को मुन्ना की पंजाब में होने की जानकारी मिली। देहात कोतवाली पुलिस ने बच्चे की लोकेशन ट्रेस करते हुए उसे पंजाब से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस जैसे ही बच्चे को बरामद करके थाने लेकर पहुंची तो परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिवार के लोग ढोल-नगाड़े बजाते हुए थाने पहुंचे और पुलिस टीम का फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान थाने का माहौल जश्न में बदल गया।

परिजनों ने जताई खुशी

परिजनों ने पुलिस की तत्परता और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि कम समय में बच्चे को सुरक्षित वापस लाकर पुलिस ने उनका भरोसा और मजबूत किया है। एसपी सिटी सहारनपुर व्योम बिंदल ने बताया बच्चे के लापता होने की सूचना मिलने के बाद उसकी बरामदगी के लिए टीम गठित की गई थी। टीम ने बच्चे को पंजाब से बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है।

बुलेट ट्रेन की गति से दौड़ रहा यूपी!

गंगा एक्सप्रेसवे के बाद बनेंगे 11 नए एक्सप्रेसवे 3200 KM का नेटवर्क

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के विकास की रफ्तार अब बुलेट ट्रेन की गति से आगे बढ़ने को तैयार है। बुधवार को यानि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में देश के सबसे लंबे ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर राज्य को एक नई पहचान दी। लेकिन यह तो सिर्फ शुरुआत है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अब 'मिशन 2029' का खाका तैयार कर लिया है, जिसके तहत अगले पांच वर्षों में प्रदेश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क को 3200 किलोमीटर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। 36,230 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को सीधे पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ता है। यह मार्ग मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज समेत 12 जिलों के 519 गांवों की तकदीर बदलेगा। इस छह लेन (जो भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित होगा) एक्सप्रेसवे पर वाहनों की निर्बाध आवाजाही के लिए 14 बड़े पुल, 165 छोटे पुल और 32 फ्लाईओवर बनाए गए हैं।

देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में 60% हिस्सेदारी

गंगा एक्सप्रेसवे के शुरू होते ही उत्तर प्रदेश में संचालित एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 1910 किलोमीटर तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का 60 प्रतिशत से भी अधिक है। आगामी मई माह में जब लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे शुरू होगा, तो यह नेटवर्क बढ़कर 1973 किलोमीटर हो जाएगा।

आर्थिक और औद्योगिक क्रांति का आधार

इन एक्सप्रेसवे के किनारों पर औद्योगिक गलियारे विकसित किए जा रहे हैं। इससे लॉजिस्टिक्स की लागत कम होगी और उद्योगों को कच्चा माल लाने व तैयार माल भेजने में आसानी होगी। मेरठ से प्रयागराज तक के सफर में समय की भारी बचत से न केवल आम जनता को लाभ होगा, बल्कि व्यापार और निवेश के लिए उत्तर प्रदेश 'पहली पसंद' बनेगा।

सुरक्षा और सामरिक महत्व: 3.5 किमी की हवाई पट्टी

गंगा एक्सप्रेसवे सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि आपात स्थिति में भारतीय वायुसेना का एक रनवे भी है। शाहजहांपुर के पास 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी विकसित की गई है, जहां लड़ाकू विमानों की लैंडिंग कराई जा सकेगी। इसके अलावा, मेरठ और प्रयागराज में दो मुख्य टोल प्लाजा के साथ 19 रैंप टोल प्लाजा और 9 अत्याधुनिक जन सुविधा केंद्र बनाए गए हैं।

मिशन 2029: 11 नई परियोजनाओं पर काम शुरू

यूपीडा (UPEIDA) के मुताबिक, राज्य सरकार केवल गंगा एक्सप्रेसवे पर नहीं रुक रही है। प्रदेश में कनेक्टिविटी का ऐसा जाल बिछाने की तैयारी है कि हर शहर एक्सप्रेसवे से जुड़ जाए। राज्य में वर्तमान में 11 नई लिंक और मुख्य एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर प्रारंभिक कार्य शुरू हो चुका है। कई रूटों के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरणों में है। 2029 तक एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 3200 किमी पहुंचाने का लक्ष्य है, जो किसी भी भारतीय राज्य के लिए एक रिकॉर्ड होगा।

गाजियाबाद की गौर ग्रीन सोसाइटी में भीषण आग

9वीं से 13वीं मंजिल तक लपटें, सीएम योगी बोले- लापरवाही बर्दाश्त नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से बड़ी खबर सामने आई है। यहां इंदिरापुरम के अभय खंड स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में ऊंची-ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। इस घटना की सूचना मिलते ही सोसाइटी में हड़कंप मच गया। लोग अपने-अपने फ्लैटों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। अब फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी को तुरंत मौके पर पहुंचने और स्थिति की लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग अब कंट्रोल में है, हालांकि कूलिंग का काम अभी भी जारी है। फायर विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में पता चला है कि आग 9वीं मंजिल से शुरू हुई थी। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। फायर ऑफिसर राहुल ने बताया कि सोसाइटी का फायर सेफ्टी सिस्टम पूरी तरह काम कर रहा था, जिससे राहत एवं बचाव कार्य में काफी मदद मिली। आग लगने के बाद तुरंत अलार्म बजा और लोगों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के अंदर फंसे होने की पुष्टि नहीं हुई है। एक बुजुर्ग व्यक्ति को एहतियातन एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, वह पहले से ही अस्वस्थ थे। इस अग्निकांड में कुल आठ फ्लैट प्रभावित हुए हैं। आग इतनी भीषण थी कि 9वीं मंजिल से उठी लपटें 13वीं मंजिल तक पहुंच गई थीं। काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। मौके पर फायर ब्रिगेड की करीब 20 गाड़ियां तैनात की गईं। हालांकि, पार्क की दीवार के कारण दमकल की गाड़ियों से पानी का दबाव ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने में शुरुआती दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

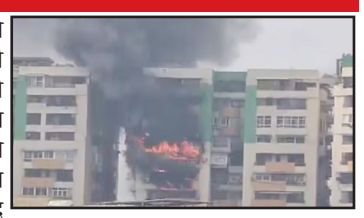

सुबह 8:30 बजे मिली थी आग लगने की सूचना

सुबह करीब 8:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद दमकल, पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। फिलहाल, आग पूरी तरह बुझने के बाद सभी फ्लैटों की विस्तृत जांच की जाएगी। इसके बाद ही नुकसान का सही आकलन और आग लगने के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

भ्रष्टाचार की शिकायत पर आगबबूला हुआ ग्राम प्रधान

शख्स को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला

हिंदमाता नेटवर्क @ सुल्तानपुर

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां ग्राम प्रधान के खिलाफ भ्रष्टाचार और अनियमितता की शिकायत करना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि शिकायत से नाराज ग्राम प्रधान और उसके समर्थकों ने शिकायतकर्ता के भाई पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। घटना शिवगढ़ थाना क्षेत्र के भिटौरा गांव की है। भिटौरा गांव निवासी बलवंत सिंह ने ग्राम प्रधान के खिलाफ अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायत की थी, जिसकी जांच चल रही थी। आरोप है कि इसी शिकायत को लेकर ग्राम प्रधान और उसके समर्थक बलवंत सिंह के परिवार से रंजिश रखने लगे थे।

मंगेतर के सामने युवती से गैंगरेप

वीडियो रिकॉर्ड करवाया कि 'हमारे साथ कुछ नहीं हुआ'

हिंदमाता नेटवर्क @ फतेहपुर

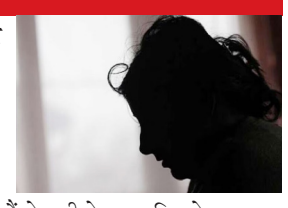

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में अपने मंगेतर के साथ बाहर निकली एक 20 साल की महिला के साथ कथित तौर पर तीन पुरुषों ने बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार शाम को बताया कि गैंगरेप की ये घटना पिछले शुक्रवार को खागा कोतवाली क्षेत्र में हुई। कपल एक रिश्तेदार के घर जा रहे थे तभी दो पुरुष उनके पास आए, उनसे पूछताछ की और उन्हें गाली देना शुरू कर दिया। आरोपियों ने कथित तौर पर मंगेतर पर हमला किया, उसे बंधक बनाया और महिला का बलात्कार किया। बाद में एक तीसरे साथी को भी बुलाया गया, जिसके बाद तीनों पुरुषों ने लगभग तीन घंटे तक बारी-बारी से महिला के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के मंगेतर के अनुसार, आरोपियों ने दंपति को पीटा, धमकाया, हमले का वीडियो बनाया और मंगेतर को ऑनलाइन 2,500 रुपये ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कथित तौर पर दंपति से एक वीडियो भी रिकॉर्ड करवाया जिसमें उन्होंने कहा कि 'कुछ नहीं हुआ', और उन्हें पुलिस के पास न जाने की चेतावनी दी। दंपति ने पहले स्थानीय पुलिस स्टेशन से संपर्क किया, लेकिन उनका दावा था कि उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। रविवार को फतेहपुर एसपी अभिमन्यु मंगलिक से संपर्क करने के बाद ही एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने लेन-देन के विवरण और पीड़िता की पहचान के आधार पर दो आरोपियों 29 साल के ललित और 28 साल के युवराज सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी 33 साल का बबलू सिंह अभी भी फरार है और उसके ठिकाने के बारे में जानकारी देने वाले को 50,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है। आरोपियों पर बलात्कार, जबरन वसूली और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अखिलेश का पुतला जलाने के दौरान झुलसीं बीजेपी MLA

हिंदमाता नेटवर्क @ बहराइच

बहराइच से भाजपा विधायक और यूपी सरकार में रहीं मंत्री अनुपमा जायसवाल इस समय लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती हैं। वह सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला फूंकते समय अचानक भड़की आग की लपटों की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई थीं। यह घटना शनिवार को बहराइच में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में आयोजित 'महिला जन आक्रोश मार्च' के दौरान हुई थी। अखिलेश यादव ने बीते मंगलवार को अस्पताल पहुंचकर जायसवाल और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने इस मुलाकात को मानवीय रिश्तों और सकारात्मक राजनीति की परंपरा बताते हुए विधायक के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मेदांता अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, विधायक अनुपमा जायसवाल आईसीयू के आइसोलेशन वार्ड में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उनके चेहरे का करीब 75 प्रतिशत हिस्सा आग से प्रभावित हुआ है। माथे और कान पर लगभग 60 प्रतिशत बर्न इंजरी है, जबकि नाक, होंठ और भौंहों पर भी जख्म आए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी एक आंख भी आंशिक रूप से प्रभावित हुई है। डॉक्टर अभी अगले 48 से 72 घंटों तक उनकी स्थिति का बारीकी से आकलन कर रहे हैं। विधायक का हाल जानने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य और भाजपा संगठन के महामंत्री धर्मपाल भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अनुपमा जायसवाल को महिलाओं के सम्मान के लिए समर्पित नेता बताया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार में व्यस्त होने के बावजूद फोन पर विधायक से बात की और उनके बेहतर इलाज के निर्देश दिए। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और मेयर सुषमा खर्कवाल ने भी अस्पताल पहुंचकर संवेदनाएं व्यक्त कीं। अनुपमा जायसवाल के पति अशोक जायसवाल ने अखिलेश यादव और अन्य नेताओं की मौजूदगी को 'मानवीय संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक शिष्टाचार' करार दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन व्यक्तिगत चिंता और मानवीय मूल्य इन मतभेदों से कहीं ऊपर होते हैं। उन्होंने अखिलेश यादव के आने पर उनका विशेष आभार व्यक्त किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुतला फूंकने के दौरान अचानक हुए धमाके जैसी आग ने विधायक को अपनी चपेट में ले लिया था।

हिंदमाता एंकर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 594 किलोमीटर लंबे एक्सेस-कंट्रोल्ड गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। यह एक्सप्रेसवे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ता है और 12 ज़िलों से होकर गुज़रता है

'आप साथ नहीं देते तो..', CM योगी ने गंगा एक्सप्रेसवे के लिए जमीन देने पर किसानों को कहा शुक्रिया

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में किसानों के अहम योगदान की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि एक लाख से ज़्यादा किसानों ने इस प्रोजेक्ट के लिए ज़मीन दी, जिससे यह समय पर पूरा हो पाया। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी।

सीएम योगी ने किसानों का जताया आभार

उद्घाटन समारोह से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि 12 ज़िलों के एक लाख से ज़्यादा किसानों ने इस एक्सप्रेसवे के लिए ज़मीन दी। मैं उन सभी 'अन्नदाता' किसानों का शुक्रिया अदा करता हूं, जिनके सहयोग से यह प्रोजेक्ट हकीकत बन पाया। हरदोई में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 594 किलोमीटर लंबे एक्सेस-कंट्रोल्ड गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। यह एक्सप्रेसवे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ता है और 12 ज़िलों से होकर गुज़रता है। आदित्यनाथ ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की नींव प्रधानमंत्री ने दिसंबर 2021 में रखी थी। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे अब तय समय सीमा के भीतर पूरा हो गया है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ़ यातायात को आसान बनाएगा, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक विकास और रोज़गार के अवसरों को भी बढ़ावा देगा। आदित्यनाथ ने बताया कि इस एक्सप्रेसवे के लिए किसानों से लगभग 18,000 एकड़ ज़मीन ली गई थी। कॉरिडोर के किनारे औद्योगिक क्लस्टर और लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लिए लगभग 7,000 एकड़ ज़मीन अलग से रखी गई थी।

यूपी की अर्थव्यवस्था का रीढ़ साबित होगा एक्सप्रेसवे

एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ साबित होगा। साथ ही, कनेक्टिविटी, कृषि विपणन और क्षेत्रीय विकास को मज़बूत करके यह रविकसित भारतर के सपने को भी तेज़ी से आगे बढ़ाएगा। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे, जो उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे है। राज्य के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच यात्रा के समय को काफ़ी कम करने की उम्मीद है। साथ ही यह सामान और सेवाओं की तेज़ आवाजाही को भी आसान बनाएगा।

पाकिस्तान में एक और आतंकी की संदिग्ध मौत

कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड था सलमान अजहर

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान में एक और आतंकी की संदिग्ध मौत की खबर सामने आई है। जैश-ए-मोहम्मद के टॉप आतंकी कमांडर मौलाना सलमान अजहर की बहावलपुर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। भारत के खिलाफ साजिश रचने वाले जैश संगठन के बड़े कमांडर की मौत आतंकी संगठन के बड़ा झटका साबित हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी और उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, सलमान अजहर का अंतिम संस्कार 29 अप्रैल को शाम 4 बजे (PST) मार्कज़ सुभानअल्लाह बहावलपुर में किया गया है। जहां सैकड़ों की तादाद में लोग इकट्ठा हुए। पिछले साल जून में इसी तरह की एक घटना में, जैश-ए-मोहम्मद (JeM) के एक और टॉप कमांडर, मौलाना अब्दुल अजीज एसार, पाकिस्तान के पंजाब जिले में रहस्यमयी हालात में मरे हुए पाए गए थे, ऐसा कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है। एसार की मौत का वीडियो भी कई विदेशी मीडिया में सामने आया था। वह भारत में हुए कई बड़े आतंकवादी हमलों का मास्टरमाइंड था।

भारत के खिलाफ कई गतिविधियों में शामिल

एसार भारत विरोधी गतिविधियों और आतंकवादी हमलों की प्लानिंग में शामिल था। कुछ सिक्योरिटी एनालिस्ट को शक है कि उसकी मौत के आसपास संदिग्ध हालात हो सकते हैं। जैश-ए-मोहम्मद के टॉप स्ट्रैटेजिस्ट में से एक होने के नाते, एसार कथित तौर पर भारत में कई आतंकवादी साजिशों के पीछे था, जिसमें 2016 का नगरोटा हमला भी शामिल है। वह पाकिस्तान में भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने के मकसद से भड़काऊ भाषण देने के लिए जाना जाता था।

अब्दुल अजीज एसार था जैश का खास कमांडर

अब्दुल अजीज एसार की मौत 2 जून 2025 को हुई थी। वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के भक्कर जिले के कल्लूर कोट के अशरफवाला का रहने वाला था। JeM के सूत्रों के मुताबिक, उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई थी। लेकिन मौत का असली कारण कन्फर्म नहीं हुआ है। उसका अंतिम संस्कार पाकिस्तान के पंजाब के बहावलपुर में JeM हेडक्वार्टर के मरकज़ में हुआ था।

हम न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होते

किंग चार्ल्स ने कटाक्ष करते हुए ट्रंप पर साधा निशाना

हिंदमाता नेटवर्क @ ब्रिटेन

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में हुए डिनर में इतिहास का एक हल्का-फुल्का लेकिन हाज़िरजवाबी भरा पाठ पढ़ाया। उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खिंचाई करते हुए कहा कि अगर उत्तरी अमेरिका में ब्रिटेन का दखल न होता, तो शायद आज अमेरिकी लोग फ्रेंच बोल रहे होते। यह बातचीत तब हुई, जब दोनों नेताओं ने ईरान जंग को लेकर चल रहे अंदरूनी तनाव के बावजूद, यूके और यूएस के बीच खास रिश्तों को लेकर काफी गर्मजोशी भरा रवैया अपनाया। ब्रिटिश सम्राट ने इस मौके का इस्तेमाल ट्रंप के उन पुराने बयानों का ज़िक्र करने के लिए किया, जो उन्होंने यूरोपीय सहयोगियों और रक्षा खर्च को लेकर दिया था। किंग चार्ल्स ने कहा, मिस्टर प्रेसिडेंट, आपने हाल ही में बयान दिया था कि अगर अमेरिका न होता, तो यूरोपीय देश जर्मन बोल रहे होते। क्या मैं यह कहने की हिम्मत कर सकता हूं कि अगर हम न होते, तो आप फ्रेंच बोल रहे होते? उनकी इस बात पर वहां मौजूद दर्शकों में ज़ोरदार ठहाके गूंज उठे। चार्ल्स उत्तरी अमेरिका में ब्रिटेन और फ्रांस के बीच औपनिवेशिक काल की उस पुरानी प्रतिद्वंद्विता का ज़िक्र कर रहे थे, जो अमेरिका की आज़ादी से भी बहुत पहले की बात है। जब ये दोनों ताकतें पूरे महाद्वीप पर अपना क्षेत्रीय वर्चस्व कायम करने के लिए आपस में लड़ रही थीं। उनकी यह चुटकी जनवरी में हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की वार्षिक बैठक में ट्रंप द्वारा की गई उन टिप्पणियों की ओर भी एक इशारा थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका का दखल न होता, तो यूरोपीय लोग जर्मन और थोड़ी-बहुत जापानी भाषा बोल रहे होते। चार्ल्स ने खुद पर मज़ाक करते हुए कई चुटकुले सुनाए, जिनमें 1814 में 'बर्निंग ऑफ़ वॉशिंगटन' के दौरान ब्रिटिश सैनिकों द्वारा व्हाइट हाउस के कुछ हिस्सों को जलाए जाने का ज़िक्र भी शामिल था। उन्होंने कहा, ज़ाहिर है कि हम ब्रिटिश लोगों ने व्हाइट हाउस के रियल एस्टेट रीडेवलपमेंट की अपनी तरफ़ से एक कोशिश की थी। उनके इस बयान पर मेहमानों के बीच हंसी की लहर दौड़ गई।

चुटकुलों से जीता दिल

डिनर से पहले किंग चार्ल्स ने कांग्रेस की एक ज्वाइंट मीटिंग में स्टैंड-अप-स्टाइल में स्पीच दिया, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश-अमेरिकी संबंधों पर अपने विचारों के साथ-साथ हास्य का भी पुट दिया। किंग ने ऑस्कर वाइल्ड के उस मशहूर मज़ाकिया बयान का ज़िक्र किया कि यूएस और यूके दो ऐसे देश हैं, जो एक ही भाषा की वजह से एक-दूसरे से अलग हैं। उन्होंने आगे कहा, यह एक ऐसा शहर है, जो हमारे साझा इतिहास के एक दौर का प्रतीक है, या जिसे चार्ल्स डिकेंस शायद 'दो जॉर्ज की कहानी' कहते। इतना कहकर वे रुके और वहां ज़ोरदार ठहाके गूंज उठे। ब्रिटिश सम्राट ने ब्रिटेन से अमेरिका की आज़ादी की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों देश मिलकर 'मानव इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण गठबंधनों में से एक' बनाने के लिए एकजुट हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी गुजारिश किया कि हम उन ज़ोरदार आवाज़ों को नज़रअंदाज़ करें, जो हमें और भी ज़्यादा अंतर्मुखी बनने के लिए उकसाती हैं।" अमेरिकी कांग्रेस के ज्वाइंट सेशन को संबोधित करते हुए, किंग चार्ल्स ने बार-बार उन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर ज़ोर दिया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम के बीच एक मज़बूत और टिकाऊ बंधन को और भी पक्का किया है।

बिजनेस वर्ल्ड

बैंक लोन मांग में गिरावट! अप्रैल के पहले हाफ में कम हुई क्रेडिट ग्रोथ

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बताया कि 15 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में बैंक क्रेडिट ग्रोथ धीमी होकर 15 प्रतिशत रह गई। ताजा आंकड़ों के अनुसार, 15 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में उधार देने की गति साल-दर-साल आधार पर धीमी होकर 14.88 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले पखवाड़े में यह 15.96 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, कुल क्रेडिट में 2.06 प्रतिशत या 4.51 लाख करोड़ रुपये की कमी आई। 15 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में बैंक क्रेडिट 214 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि 31 मार्च को समाप्त पिछले 15-दिवसीय अवधि में यह 218 लाख करोड़ रुपए था। RBI के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 18 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में कुल क्रेडिट 186 लाख करोड़ रुपए था। 31 मार्च को समाप्त पखवाड़े के दौरान, बैंक क्रेडिट पिछले दो वित्तीय वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़ा, क्योंकि बैंकों ने वित्तीय वर्ष के अंत से पहले अपनी बैलेंस शीट लक्ष्यों को पूरा करने की होड़ में, लोन और डिपॉजिट दोनों में भारी वृद्धि दर्ज की। बैंक क्रेडिट ग्रोथ लगातार सात महीनों से अधिक समय से दोहरे अंकों में बनी हुई है, जो उधार देने की गतिविधियों में लगातार बनी गति को दर्शाता है। पिछले साल सितंबर में सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर ढांचे को युक्तिसंगत बनाने के कदम के बाद क्रेडिट विस्तार में तेजी आई।

तेल कंपनियों को 80 हजार करोड़ का घाटा, क्या बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल दाम?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी ICRA के मुताबिक, अगर मौजूदा हालात ऐसे ही बने रहे तो FY2027 में LPG पर तेल कंपनियों का घाटा (अंडर-रिकवरी) करीब 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसकी बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव और सप्लाई में दिक्कतें हैं, जिससे कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं। ICRA के सीनियर अधिकारी प्रशांत वशिष्ठ ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद पेट्रोल-डीजल के दाम ज्यादा नहीं बढ़ाए गए हैं। इससे तेल मार्केटिंग कंपनियों की कमाई पर असर पड़ रहा है। अगर कच्चे तेल की कीमत 120125 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो पेट्रोल पर करीब 14 प्रति लीटर और डीजल पर 18 प्रति लीटर तक नुकसान हो सकता है। पश्चिम एशिया से LPG सप्लाई प्रभावित होने के कारण इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ गई हैं।

बैड लोन की पहचान को लेकर ये हैं RBI के नए निर्देश, इनका बैंकों पर क्या होगा असर?

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैड लोन यानी एनपीए की पहचान और प्रावधान को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जो बैंकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अब बैंकों को संभावित नुकसान का पहले से अनुमान लगाकर तैयारी करनी होगी। अपेक्षित ऋण हानि फ्रेमवर्क के जरिए जोखिम प्रबंधन को और मजबूत बनाने की कोशिश की गई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी, लेकिन बैंकों की बैलेंस शीट पर दबाव भी बढ़ सकता है। भारतीय बैंकिंग सेक्टर के लिए एक बड़ा बदलाव सामने आया है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंकने 27 अप्रैल को एसेट क्लासीफिकेशन, आय की पहचान और प्रोविजनिंग से जुड़े अंतिम दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। ये नियम अक्टूबर 2025 में जारी ड्राफ्ट गाइडलाइंस के बाद तैयार किए गए हैं और इनका उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम को ज्यादा मजबूत और पारदर्शी बनाना है। नए नियमों के तहत सबसे बड़ा बदलाव अपेक्षित ऋण हानि फ्रेमवर्क का लागू होना है। अब तक बैंक हुआ नुकसान मॉडल पर काम करते थे, जिसमें किसी लोन को तब तक खराब नहीं माना जाता था जब तक उधारकर्ता भुगतान में चूक न कर दे। लेकिन ECL मॉडल में बैंक को पहले ही संभावित नुकसान का अनुमान लगाना होगा। इसका मतलब है कि जोखिम का आकलन भविष्य के आधार पर किया जाएगा, न कि केवल पिछले रिकॉर्ड पर। इस बदलाव से बैंकों को अपने लोन पोर्टफोलियो का अधिक गहराई से विश्लेषण करना होगा। उन्हें अलग-अलग आर्थिक परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए संभावित नुकसान का आकलन करना होगा और उसी के अनुसार प्रोविसिंग करना होगा। इससे बैंकों को शुरुआती स्तर पर ही जोखिम का अंदाजा लग जाएगा और वे समय रहते कदम उठा सकेंगे। इसके अलावा, RBI ने एक चरणबद्ध एसेट क्लासिफिकेशन फ्रेमवर्क भी पेश किया है, जिससे यह स्पष्ट होगा कि कौन-सा लोन किस स्तर पर जोखिम में है।

जनरल द्विवेदी का अमेरिका दौरा, भारत-अमेरिकी सैन्य साझेदारी को मिला नया आयाम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और भारत के सैन्य रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। मिलिट्री रिश्तों को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 23 अप्रैल को पेंटागन का दौरा किया, जिससे दोनों सेनाओं के बीच स्ट्रेटेजिक सहयोग मजबूत हुआ है। जनरल द्विवेदी 20 से 23 अप्रैल तक अमेरिका के ऑफिशियल दौरे पर थे। यह दौरा पेंटागन में खास कार्यक्रमों के इर्द-गिर्द रहा, जहां जनरल द्विवेदी ने अमेरिका के आर्मी सेक्रेटरी डैनियल पी ड्रिस्कॉल से बातचीत की और अमेरिकी आर्मी के एक्टिंग चीफ ऑफ स्टाफ जनरल क्रिस्टोफर लानेव से भी मिले। बातचीत में दोनों देशों के बीच डिफेंस कोऑपरेशन बढ़ाने, मिलिट्री-टू-मिलिट्री एंगेजमेंट और ट्रेनिंग, कैपेबिलिटी डेवलपमेंट और जॉइंट ऑपरेशन में सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर फोकस रहा। दोनों पक्षों ने उभरती सिक्योरिटी चुनौतियों से निपटने में इंटरऑपरेबिलिटी और जॉइंटनेस के महत्व पर जोर दिया।

इन क्षेत्रों में बढ़ेगा कोऑर्डिनेशन

जनरल द्विवेदी ने पॉलिसी के लिए अंडर सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस एल्ब्रिज कोल्बी और नेशनल गार्ड ब्यूरो के चीफ जनरल स्टीवन एस नॉर्डहॉस से भी बातचीत की। इन मुलाकातों में एक बड़ा स्ट्रेटेजिक पहलू शामिल रहा, जिसमें डिफेंस पॉलिसी कोऑर्डिनेशन, इंस्टीट्यूशनल लिंकेज और सहयोग के भविष्य के एरिया शामिल थे। पेंटागन में हुई बातचीत इस दौरे का एक अहम हिस्सा थी, जो दिखाती है कि बदलते ग्लोबल सिक्योरिटी माहौल में दोनों देश अपनी डिफेंस पार्टनरशिप को कितना महत्व देते हैं। इस बातचीत से आपसी भरोसा बनाने में मदद मिली और साझा स्ट्रेटेजिक प्राथमिकताओं पर एक राय बनी। यह दौरा भारत-अमेरिकी डिफेंस रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है, जिसमें दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता, बेहतर क्षमता विकास और गहरे मिलिट्री सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

क्यों खास है ये दौरा?

जनरल उपेंद्र द्विवेदी का पेंटागन दौरा भारत-अमेरिकी मिलिट्री रिश्तों में प्रैक्टिकल और स्ट्रेटेजिक तेजी का उदाहरण है। इस हाईलेवल दौरे में इंटरऑपरेबिलिटी, ट्रेनिंग, पॉलिसी कोऑर्डिनेशन और बड़ी स्ट्रेटेजिक बातचीत शामिल है। जो आज की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने की क्षमता को बढ़ाता है। दोनों देश एक मुश्किल इंटरनेशनल माहौल में आगे बढ़ना चाहते हैं, मिलिट्री सहयोग को इंस्टीट्यूशनल बनाना और बढ़ाना ठोस फायदे देता है।

ब्रिटेन के समंदर में खुलेआम माल ढो रहे बैन रूसी जहाज!

स्टार्मर की धमकी की उड़ीं धज्जियां

हिंदमाता नेटवर्क @ ब्रिटेन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टारमर ने पिछले महीने रूस को बड़ी धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि उनके सैनिक रूस के कथित 'शैडो फ्लीट' के जहाजों को कब्जे में ले लेंगे जो बैन के बावजूद ब्रिटेन के जलक्षेत्र से होकर सामान ढो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सैनिक जहाजों पर चढ़कर उनकी जांच करेंगे। लेकिन स्टारमर की इस धमकी का अब तक कोई असर नहीं दिख रहा है बल्कि रूस के जहाज बिना किसी डर के ब्रिटेन के जलक्षेत्र से गुजर रहे हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के विश्लेषण के मुताबिक, ब्रिटेन के जलक्षेत्र से गुजरने वाले ऐसे रूसी जहाजों की संख्या में कोई खास कमी नहीं आई है। स्टारमर ने 25 मार्च को यह चेतावनी दी थी। इसके बाद अगले एक महीने में ब्रिटेन की ओर से प्रतिबंधित कम से कम 98 रूसी जहाज उसके जलक्षेत्र से गुजरे, जो इससे पहले के तीन महीनों के औसत के लगभग बराबर है। अब तक इन जहाजों में से किसी पर कब्जा करने, रोकने या हिरासत में लेने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। शैडो फ्लीट्स उन जहाजों के नेटवर्क को कहा जाता है जो आमतौर पर प्रतिबंधों, निगरानी और अंतरराष्ट्रीय नियमों से बचकर तेल, गैस या अन्य सामान ढोने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। ये जहाज आधिकारिक तौर पर किसी देश या बड़ी कंपनी से जुड़े नहीं दिखते, इसलिए इन्हें शैडो फ्लीट्स कहते हैं।

ब्रिटेन के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन से भी गुजर रहे रूसी जहाज

LSEG ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, 63 जहाज इंग्लिश चैनल के रास्ते ब्रिटेन के तट से 12 नॉटिकल मील के भीतर से गुजरे। यह बाल्टिक सागर और दक्षिणी यूरोप के बीच सबसे सीधा समुद्री मार्ग है। इसके अलावा 35 जहाज ब्रिटेन के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन से होकर गुजरे, जो तट से 200 नॉटिकल मील तक फैला है।

खुद की कंपनियों के शेयर खरीद रहे दिग्गज, अडानी ने भी लगाए हैं पैसे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में दिलचस्प ट्रेंड देखने को मिल रहा है। जहां पहले प्रमोटर ऊंचे वैल्यूएशन पर हिस्सेदारी बेच रहे थे, वहीं अब वही दिग्गज अपनी ही कंपनियों के शेयर बड़े पैमाने पर खरीद रहे हैं। अडानी से लेकर बिड़ला ग्रुप तक अपनी ही कंपनियों में पैसा डाल रहे हैं। आखिर इस ट्रेंड के पीछे क्या वजह है और निवेशकों के लिए इसका क्या मतलब है? दो साल तक लगातार भारी बिकवाली के बाद भारतीय कॉरपोरेट प्रमोटरों ने 2026 में रणनीति बदल दी है। 2024-25 के दौरान जहां प्रमोटरों ने करीब $56 बिलियन की इक्विटी बेचकर ऊंचे वैल्यूएशन का फायदा उठाया, वहीं अब बाजार में गिरावट के बाद उन्होंने यू-टर्न लेते हुए अपनी ही कंपनियों में $4 बिलियन करीब 38 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस खरीदारी में सबसे आगे अदानी समूह रहा है। समूह की प्रमुख कंपनी Adani Enterprises ने राइट्स इश्यू के जरिए करीब $2 बिलियन जुटाए, जिसमें प्रमोटरों ने अपनी हिस्सेदारी के अनुपात में निवेश किया। इसी तरह GMR Group ने भी बड़ा दांव खेला। GMR एयरपोर्ट्स के घरेलू प्रमोटरों ने विदेशी निवेशकों से 7.3% हिस्सेदारी खरीदने के लिए लगभग $1 बिलियन का निवेश किया। यह खरीदारी अलग-अलग तरीकों डायरेक्ट बाय, ऑप्शन और FCCB बायबैक के जरिए की गई। पावर सेक्टर में JSW एनर्जी के प्रमोटरों ने भी प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए $317 मिलियन का निवेश किया, जिससे उनकी हिस्सेदारी में इजाफा हुआ। वहीं आदित्य बिड़ला ग्रुप ने ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के जरिए खुले बाजार से शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस ट्रेंड के पीछे सबसे बड़ी वजह वैल्यूएशन का सामान्य स्तर पर आना है। 2024-25 में भारतीय बाजार लगभग 22x P/E पर ट्रेड कर रहा था, जो ऐतिहासिक औसत से ऊपर था। ऐसे में प्रमोटरों ने हिस्सेदारी बेचकर मुनाफा कमाया। अब, बाजार में गिरावट के चलते वैल्यूएशन घटकर करीब 20x के आसपास आ गया है, जो लंबी अवधि के औसत के करीब है। इससे प्रमोटरों को अपनी ही कंपनियों के शेयर सस्ते लगने लगे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह खरीदारी मुख्य रूप से एसेट-हैवी सेक्टरों—जैसे पावर, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट में केंद्रित रही है। गोदरेज प्रॉपर्टीज में प्रमोटरों ने सबसे ज्यादा हिस्सेदारी बढ़ाई, जहां करीब 4.5% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, मारुति सुजुकी में भी प्रमोटरों ने निवेश किया, हालांकि कंपनी के बड़े मार्केट कैप के कारण हिस्सेदारी में मामूली बदलाव हुआ।

सऊदी के साथ कैसे हो रहा असली गेम?

ओपेक से यूं ही बाहर नहीं निकला UAE

हिंदमाता नेटवर्क @ कीव

ईरान जंग में असली खेल सऊदी के साथ हो रहा है। दरअसल, जंग के शुरू होने के वक्त सऊदी को अमेरिका का समर्थक माना जाता था, लेकिन जंग के दौरान सऊदी ने न्यूट्रल रूख अपनाया, जिसके बाद उसे बैक टू बैक झटका लग रहा है। ताजा मामला यूएई का ओपेक और ओपेक+ से अलग होना है। यूएई ने यह फैसला ऐसे वक्त में लिया, जब खाड़ी देशों के साथ सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान एक बैठक करने जा रहे थे। इस बैठक में यूएई के विदेश मंत्री भी शामिल थे। सऊदी के लिए यह इसलिए झटका है, क्योंकि दुनिया भर में तेल के उत्पादन और उसके दामों को ओपेक में ही तय किया जाता है। सऊदी ओपेक और ओपेक+ को लीड करता है।

सऊदी के साथ कैसे हो रहा असली गेम?

1. ओपेक और ओपेक+ के बाद संयुक्त अरब अमीरात अरब लीग, इस्लामिक सहयोग संगठन और जीसीसी से बाहर निकलने की तैयारी में है। यूएई के बाहर निकलने से इन संगठनों का कोई खास महत्व नहीं रह जाएगा। अमेरिका की कोशिश लंबे वक्त से इन संगठनों को तोड़ने की थी।
2. यूएई ने 2 दिन पहले ही यमन में सऊदी समर्थित संगठनों पर नकेल कसने की सिफारिश अमेरिका से की थी। यूएन में भी एनपीटी के मुद्दे पर यूएई ने अमेरिका का साथ दिया था। यह भी खबर है कि इजराइल ने आयरन डोम यूएई को भेजे थे। यानी कुल मिलाकर यूएई अमेरिका और इजराइल के पाले में जा रहा है।
3. यूएई ने अपना पैसा भी पाकिस्तान से वसूल लिया। दिलचस्प बात है कि यूएई ने जो कर्ज पाकिस्तान से लिया। वह सऊदी को देने पड़े। यानी सऊदी के रिजर्व पर इसका असर हुआ है। दूसरी तरफ यूएई के कोष में डॉलर की एंट्री हुई। यूएई का पैसा इससे काफी मजबूत हुआ है।
4. यूएई के पास 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का संप्रभु धन है। वह इन धनों का इस्तेमाल कर नए सिरे से अपना गठबंधन तैयार कर सकता है।

बड़ा सवाल- यूएई सऊदी से नाराज क्यों है?

सऊदी और संयुक्त अरब अमीरात पड़ोसी देश है, लेकिन दोनों के बीच अब तक रिश्ते बेहतरीन रहे हैं। यूएई ने 2016 में सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को उत्तराधिकारी नियुक्त कराने के लिए जोरदार पैरवी की थी, लेकिन हाल के दिनों में दोनों के रिश्ते खराब हो गए। यमन में एक ऑपरेशन के दौरान सऊदी ने यूएई के जहाज पर हमला कर दिया था। इससे पूरी दुनिया में यूएई की किरकिरी हुई थी। यूएई को यमन से लौटकर आना पड़ा था। इसी तरह सूडान में भी यूएई को सऊदी की वजह से बैकफुट पर जाना पड़ा था। ईरान जंग में यूएई की तैयारी पलटवार करने की थी, लेकिन मुस्लिम देशों की मीटिंग में सऊदी ने कतर के साथ इस पर वीटो लगा दिया। इस युद्ध में यूएई पर ईरान ने जमकर हमला किया। यूएई इससे काफी नाराज है। इतना ही नहीं, जब सीजफायर की प्रक्रिया शुरू हुई तो सऊदी ने पाकिस्तान का नाम आगे बढ़ा दिया। पाकिस्तान को सऊदी का करीबी माना जाता है। सीजफायर के दौरान पाकिस्तान ने यूएई के हितों को ध्यान नहीं दिया।

होर्मुज बंद रहने से भी भारत पर नहीं पड़ेगा असर

तेल सौदागरों की आपसी फूट का ऐसे मिल सकता है फायदा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

होर्मुज संकट के बीच पेट्रोलियम निर्यातक देशों के बीच बढ़ती फूट से भारत को बड़ा फायदा हो सकता है। संयुक्त अरब अमीरात के ओपेक और ओपेक+ से बाहर निकलने के बाद तेल आपूर्ति के वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिसका सीधा लाभ भारत जैसे देशों को मिल सकता है। ईरान युद्ध के दौरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत की तेल आपूर्ति में कुछ कमी आई थी। अब ओपेक में आई इस दरार से उस कमी की भरपाई होने की उम्मीद जताई जा रही है। होर्मुज के बंद होने से भारत को औसतन 4,80,000 बैरल प्रतिदिन तेल की आपूर्ति कम हो रही है। इराक जैसे देशों से भारत की सप्लाई लगभग पूरी तरह ठप है। ऐसे में ओपेक की यह दरार भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

भारत की तेल सप्लाई में कोई बाधा नहीं, 3 डेटा

1. होर्मुज के बिना सऊदी ने 1 अप्रैल से 26 अप्रैल 2026 तक भारत को 6 लाख 97 हजार बैरल प्रतिदिन तेल की आपूर्ति की है। यह 2025-26 के औसत 6 लाख 68 हजार बैरल प्रतिदिन से काफी ज्यादा है। सऊदी ने लाल सागर के रास्ते भारत को तेल बेचा है। क्योंकि, होर्मुज पूरी तरह ब्लॉक है। इसी तरह यूएई ने इस दौरान 6 लाख 19 हजार बैरल तेल प्रतिदिन सप्लाई किया।
2. होर्मुज संकट के बावजूद अप्रैल महीने में भारत को औसतन 44 लाख बैरल प्रतिदिन तेल मिला है। यह 2025-26 के औसत 48 लाख बैरल प्रतिदिन से कम है। यानी भारत की तेल सप्लाई पर होर्मुज ब्लॉक का बड़ा असर नहीं देखने को मिल रहा है। वहीं अब ओपेक में टूट के बाद भारत की सप्लाई बढ़ सकती है। क्योंकि, यूएई अब स्वतंत्र रूप से तेल उत्पादन और बेच सकेगा। यूएई और भारत के संबंध काफी बेहतरीन हैं।
3. भारत ने ओमान से तेल की सप्लाई बढ़ा दी है। 2025-26 में ओमान से सिर्फ 18 हजार बैरल प्रतिदिन तेल खरीदा जा रहा था। अब यह नंबर 1 लाख को पार कर गया है। इसी तरह वेनेजुएला से भी तेल खरीदी में बढ़ोतरी हुई है। वेनेजुएला से पहले भारत 10 हजार बैरल प्रतिदिन तेल खरीद रहा था। अब यह 2 लाख 58 हजार बैरल प्रतिदिन हो गया है।

अभी अनिश्चितकाल तक बंद रहेगा होर्मुज

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने व्हाइट हाउस के सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि होर्मुज अभी बंद ही रहेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने पेंटागन के अधिकारियों से होर्मुज के आउटर को और ज्यादा मजबूती के साथ ब्लॉक करने के लिए कहा है। अमेरिका का कहना है कि यह कदम ईरान को बैकफुट पर लाने के लिए उठाया गया है। दूसरी तरफ ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत पर पेंच फंसा हुआ है। ईरान की नई शर्तों को भी अमेरिका ने नहीं माना है। होर्मुज से पूरी दुनिया की 20 प्रतिशत तेल सप्लाई होती है।

सागर अडानी का बड़ा दावा: ओपेक से यूएई की विदाई भारत के लिए 'वरदान'!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अडानी ग्रीन एनर्जी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सागर अडानी ने बुधवार को कहा कि UAE का ओपेक या ओपेक+ से हटने का कोई भी संभावित कदम भारत के लिए "पूरी तरह से फायदेमंद" हो सकता है, और उन्होंने आर्थिक मजबूती बनाने में ऊर्जा की अहम भूमिका पर जोर दिया। नई दिल्ली में 'द इकोनॉमिस्ट इम्पैक्ट रेजिलिएंट फ्यूचर्स समिट' के दौरान बोलते हुए, अडानी ने कहा कि ऐसे कदम के ग्लोबल असर अभी अनिश्चित हैं। उन्होंने कहा कि समय ही बताएगा कि क्या इससे दुनिया के एनर्जी मार्केट्स में उथल-पुथल मचेगी या स्थिरता आएगी, और साथ ही यह भी जोड़ा कि UAE के साथ भारत के मजबूत जियो पॉलिटिकल संबंध उसके पक्ष में काम कर सकते हैं। भारत की ऊर्जा चुनौतियों पर रोशनी डालते हुए अडानी ने एक बयान में कहा कि आज की दुनिया में मजबूती की परिभाषा तेजी से भरोसेमंद और किफायती एनर्जी तक पहुंच से तय हो रही है। उन्होंने कहा कि इस सदी में, ऊर्जा तक पहुंच ही मजबूती को परिभाषित करेगी, और इस बात की ओर इशारा किया कि कैसे संघर्षों से लेकर बाजार के झटकों तक की रुकावटें दुनिया की सभी इकोनॉमीज पर दूरगामी असर डाल सकती हैं। उन्होंने बताया कि भारत में प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत ग्लोबल एवरेज से काफी कम है, और उन्होंने ऊर्जा क्षमता के ढांचागत विस्तार की जरूरत पर जोर दिया। उनके अनुसार, भारत को अपने ग्रोथ टारगेट्स को पूरा करने के लिए, साथ ही किफायत और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, अगले दो दशकों में लगभग 2,000 गीगावॉट ऊर्जा क्षमता जोड़ने की जरूरत पड़ सकती है। अडानी ने ऊर्जा के लिए एक डायवर्सिफाइड "पोर्टफोलियो अप्रोच" अपनाने का आह्वान किया, जिसमें स्थिर बेसलोड बिजली सुनिश्चित करने के लिए रिन्युएबल, हाइड्रो, थर्मल और न्यूक्लियर सोर्स को एक साथ मिलाया जाए। उन्होंने लंबे समय तक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने के लिए इलेक्ट्रीफिकेशन और इंपोर्टेड एनर्जी पर निर्भरता कम करने के महत्व पर भी जोर दिया।

हिंदमाता एंकर ईरान में सुप्रीम लीडर चीफ कमांडर भी होते हैं। उन्हें सभी बड़े मामलों में फैसला लेने का अधिकार है। आखिरी फैसला ईरान के सुप्रीम लीडर ही लेते हैं

ईरान में आईआरजीसी ने बदला सत्ता का स्ट्रक्चर, जंग के बीच सुप्रीम लीडर का पावर हाईजैक

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका के साथ जंग ने ईरान के पावर स्ट्रक्चर को पूरी तरह बदल दिया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अब मुज्तबा खामेनेई सिर्फ मुहर लगाने वाले प्रमुख हैं। ईरान को लेकर सभी बड़े फैसले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) के कुछ कमांडर ले रहे हैं। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में सामने आई है, जब अमेरिका ने वार्ता में रोड़ा अटकाने के लिए आईआरजीसी को जिम्मेदार ठहराया है। रिपोर्ट के मुताबिक आईआरजीसी ही सभी बड़े मामलों पर फैसला ले रही है। उस फैसले को मुज्तबा तक पहुंचाया जाता है और उन्हें उसके बारे में सूचित किया जाता है। यानी फैसला लेने के बाद मुज्तबा को सिर्फ उसके बारे में बताया जाता है।

सुप्रीम लीडर बनने के बाद से मुज्तबा अंडरग्राउंड

मार्च 2026 में मुज्तबा खामेनेई को ईरान का सुप्रीम लीडर नियुक्त किया गया था, तब से वे अंडरग्राउंड हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने मुज्तबा को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इसमें कहा गया था कि इजराइल के हमले में मुज्तबा बुरी तरह घायल हो गए थे। मुज्तबा ठीक से बोल नहीं पा रहे हैं। रिपोर्ट में मुज्तबा के प्लास्टिक सर्जरी कराने की बात भी कही गई थी। हालांकि, ईरान मुज्तबा को लेकर कोई भी टिप्पणी नहीं कर रहा है। यह पहली बार है, जब ईरान का सुप्रीम लीडर एक महीना से ज्यादा वक्त से सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखा है।

ईरान में सुप्रीम लीडर के पास फैसला लेने का अधिकार

ईरान में सुप्रीम लीडर चीफ कमांडर भी होते हैं। उन्हें सभी बड़े मामलों में फैसला लेने का अधिकार है। आखिरी फैसला ईरान के सुप्रीम लीडर ही लेते हैं। मुज्तबा से पहले जब अयातुल्ला अली खामेनेई ईरान के सुप्रीम लीडर थे, तब वे सभी वरिष्ठ कमांडरों के साथ सलाह-मशवरा करके फैसला करते थे। हालांकि, फाइनल फैसला खुद अयातुल्ला अली खामेनेई लेते थे। अब ईरान में परिदृश्य बदल गया है। मुज्तबा सिर्फ मुहर लगाने वाले सुप्रीम लीडर हैं। रिपोर्ट में इसका मुख्य कारण जंग को बताया गया है। जंग की वजह से आईआरजीसी ने पावर हाईजैक कर लिया है।

खामेनेई परिवार के करीबी वाहिदी हैं IRGC के प्रमुख

अहमद वाहिदी इस वक्त इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रमुख हैं। वाहिदी को खामेनेई परिवार का करीबी माना जाता है। इसी साल मार्च में वाहिदी को आईआरजीसी का प्रमुख नियुक्त किया गया था। वाहिदी को पाकपूर की जगह आईआरजीसी का प्रमुख नियुक्त किया गया था। पाकपूर सीनियर खामेनेई के साथ मीटिंग के दौरान मारे गए थे। 1979 में आईआरजीसी की स्थापना की गई थी। इसका मकसद ईरान के सुप्रीम लीडर के पद को बनाए रखना है। वाहिदी को खामेनेई परिवार का करीबी माना जाता है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड में करीब 2 लाख सदस्य हैं।

दैनिक ठाणे, गुरुवार 30 अप्रैल, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर

बॉलीवुड के यादगार डांस डुएट्स

हिंदी सिनेमा में डांस हमेशा सिर्फ कोरियोग्राफी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह किरदारों, भावनाओं और पलों को जोड़ने का एक जरिया रहा है। और जब एक ही फ्रेम में दो मजबूत कलाकार साथ आते हैं, तो वह अक्सर कुछ ऐसा बन जाता है, जो लंबे समय तक याद रहता है। बीते वर्षों में बॉलीवुड ने हमें ऐसे कई डुएट्स दिए हैं, जो सिर्फ स्टेप्स या फॉर्मेशन से आगे बढ़कर एक खास एनर्जी और पर्सनैलिटी को दशार्ते हैं।

विद्या बालन वर्सेस माधुरी दीक्षित- आमी जे तोमार 3.0

यदि आपने 'भूल-भुलैया 3' का आमी जे तोमार 3.0 गाना देखा होगा, तो आपने देखा होगा कि इसमें विद्या बालन और माधुरी दीक्षित की जोड़ी किसी प्रतिद्वंदी की बजाय दो अलग-अलग परफॉर्मिंग एनर्जी का संगम नजर आती है। जहां माधुरी दीक्षित अपनी सिग्नेचर ग्रेस लेकर आती हैं, वहीं विद्या बालन अपनी ठहराव और गहराई से एक अलग तरह का अंदाज परोसती हैं। इसी का है ये खूबसूरत परफॉर्मेंस, जो शोर-शराबे से ज्यादा भावनात्मक प्रभाव छोड़ता है।

दीपिका पादुकोण वर्सेस प्रियंका चोपड़ा- पिंगा

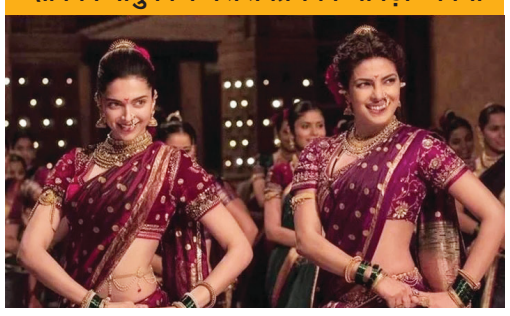

'पिंगा' उन डांस डुएट्स में से एक है, जहां दोनों कलाकार पारंपरिक अंदाज में डांस करते हुए अपने-अपने स्पेस को बराबरी से निभाते हैं। उनके मूव्स एक-दूसरे के साथ तालमेल में होते हुए भी उनकी स्टाइल एक दूसरे से काफी अलग है। यह किसी एक को पीछे छोड़कर आगे निकलने का नहीं, बल्कि अपनी लय और उपस्थिति के एक साथ निभाने का बेहतरीन उदाहरण है।

ऐश्वर्या राय बच्चन वर्सेस माधुरी दीक्षित- डोला रे डोला

ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित ने फिल्म 'देवदास' में गीत 'डोला रे डोला' में जिस तरह टेक्नीक और एक्सप्रेशन का बेहतरीन संतुलन पेश किया है, उसकी मिसाल आज तक दी जाती है। दोनों ने उस जटिल कोरियोग्राफी को काफी बखूबी निभाया है, और यही वजह है कि आज भी यह गाना एक आइकॉनिक डांस नंबर के रूप में याद किया जाता है।

माधुरी दीक्षित वर्सेस करिश्मा कपूर- दिल तो पागल है

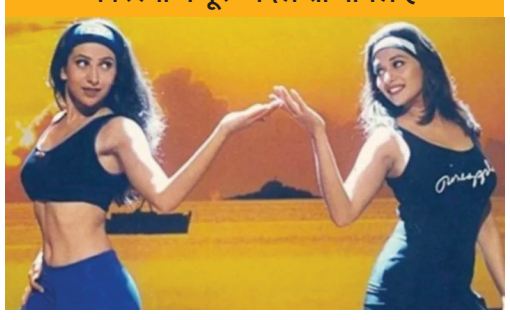

फिल्म 'दिल तो पागल है' में माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर की जोड़ी स्टाइल और बैलेंस की दिलचस्प प्रतिस्पर्धा दिखाती हैं। सॉफ्टनेस और शार्पनेस के अलग-अलग रूपों को मिलाकर दोनों ने एक ही मंच पर अपनी-अपनी खासियत को बखूबी पेश किया है।

गौरतलब है कि इन डांस डुएट्स की खूबसूरती सिर्फ कोरियोग्राफी में नहीं, बल्कि उन खास गुणों में भी है, जो हर कलाकार अपनी परफॉर्मेंस में जोड़ता है। हर कोई एक फ्रेम को अपने अंदाज में जीता है, और यही बात इन डुएट्स को खास बनाती है। ऐसे में 'इंटरनेशनल डांस डे' के इस खास मौके पर ये परफॉर्मेंस हमें यह याद दिलाती हैं कि साथ मिलकर डांस करने और उसे जीने का अनुभव ही इसकी असली ताकत है।

नागार्जुन के साथ वापसी करेंगी तब्बू

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन ने अपनी 100वीं तेलुगु फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। फिल्म का नाम फिलहाल 'किंग 100' है। अब फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू भी शामिल हो गई हैं। तब्बू इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। खास बात ये है कि इस फिल्म के जरिए दशकों बाद तब्बू और नागार्जुन एक साथ किसी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

तब्बू ने साझा की तस्वीर

तब्बू ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करते हुए फिल्म से खुद के जुड़ने और शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी। तब्बू ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें फिल्म के टाइटल वाला क्लैपरबोर्ड एक काली कुर्सी पर रखा हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा कि और हम शुरू करते हैं किंग100। इसके साथ ही तब्बू ने हैशटैग में नागार्जुन का नाम लिखा है और मेकर्स को मेंशन किया है।

तीन दशक बाद साथ नजर आएंगे तब्बू और नागार्जुन

'किंग 100' के जरिए तब्बू और नागार्जुन लगभग 30 साल बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले नागार्जुन और तब्बू साल 1996 में आई रोमांटिक फिल्म 'निन्ने पेल्लादाता' में साथ नजर आए थे। अब दर्शक तीन दशक बाद दोनों को एक ही फिल्म में देखने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि, 'किंग 100' की कास्ट और क्रू व फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।

'भूत बंगला' में नजर आई हैं तब्बू

वर्कफ्रंट की बात करें तो तब्बू हाल ही में अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आई हैं। इस फिल्म में परेश रावल, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। वहीं नागार्जुन को आखिरी बार पिछले साल आई रजनीकांत की तमिल एक्शन फिल्म 'कुली' में देखा गया था। जबकि नागार्जुन की आखिरी हिंदी फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र : पार्ट वन - शिवा' है, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

धोनी का पूरे IPL से बाहर रहना लगभग तय

चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी की वापसी में और देरी होगी क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी को एक अभ्यास मैच के दौरान पिंडली में फिर से चोट लग गई है। सीएसके ने इस सत्र में अपने पूर्व कप्तान के बिना आठ मैच खेले हैं और फ्लेमिंग ने कहा कि शुरू में उम्मीद थी कि धोनी कुछ हफ्तों में ठीक हो जाएंगे लेकिन पिंडली की चोट के बढ़ने के कारण अब ज्यादा सावधानी से रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया अपनानी पड़ रही है।

■ फ्लेमिंग ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह वापसी के लिए काफी उत्सुक हैं। लेकिन पिंडली की चोट काफी मुश्किल होती है। अगर वह जोर लगाते हैं और पिंडली में फिर से खिंचाव आ जाता है तो वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसलिए हमने शुरू में थोड़ी जल्दबाजी की और फिर एक अभ्यास मैच में उनकी पिंडली में फिर से खिंचाव आ गया। और तब से वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं। लेकिन इसमें एक झटका लगा इसलिए इसमें हमारी सोच से ज्यादा समय लग रहा है। लेकिन देखिए, इस मामले में वही सबसे बेहतर फैसला ले सकते हैं।

■ फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी टीम के फिजियो के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह फिजियो के साथ कड़ी मेहनत कर रहे हैं और सारा रिहैब कर रहे हैं। और हम बस उनके फैसले का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन मैं बस यही कह सकता हूं और मैं इसे हल्के में नहीं ले रहा हूं कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है और वह अपनी तरफ से हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। हालांकि फ्लेमिंग के अपडेट से लगता है कि उनकी वापसी की संभावना कम ही है। धोनी नियमित रूप से ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने खुद को ज्यादातर थ्रो-डाउन तक ही सीमित रखा है। हाल में उन्हें विकेटकीपिंग का अभ्यास करते देखा गया था, जिससे उनकी संभावित वापसी की चर्चा तेज हो गई थी। धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से आईपीएल खेलना जारी रखा है। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के आईपीएल में भविष्य को लेकर प्रत्येक सत्र में कयास लगाए जाते हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं इसलिए उनके लिए मैच फिटनेस बनाए रखना और भी मुश्किल हो जाता है।

8 मई को रिलीज होगी 'जन नायकन'

थलापति विजय की राजनीति में जाने से पहले आखिरी फिल्म मानी जा रही 'जन नायकन' साल की शुरुआत में रिलीज होनी थी। लेकिन फिल्म सेंसर बोर्ड में अटक गई, मामला कोर्ट तक गया लेकिन रिलीज नहीं हो सकी। पिछले दिनों फिल्म ऑनलाइन लीक भी हो गई। अब 'जन नायकन' की रिलीज को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जिसके बाद फैंस ये उम्मीद लगा रहे हैं कि फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

8 मई को रिलीज होगी 'जन नायकन'?

'जन नायकन' अगले महीने 8 मई को दुनिया भर में रिलीज होगी। फिल्म निमार्ता जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। इस खबर से फैंस बेहद खुश हैं, क्योंकि वो लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे।

सीबीएफसी से विवाद के चलते अटकी थी रिलीज

केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'जन नायकन' को सेंसर बोर्ड से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसी वजह से फिल्म पहले रिलीज नहीं हो सकी। पहले इसे पोंगल 2026 पर रिलीज करने की योजना थी। 100 करोड़ रुपए से अधिक की रिकॉर्ड एडवांस बुकिंग के बावजूद रिलीज रोक दी गई थी। अब लगता है कि सारी समस्याएं सुलझ गई हैं। रिलीज का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। सीबीएफसी के साथ कानूनी लड़ाई के अलावा, कुछ दिन पहले फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई थी। इससे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर असर पड़ सकता है। फिर भी, विजय की स्टार पावर बहुत बड़ी है। इसलिए देखना है कि विजय की स्टार पावर दर्शकों को अपनी ओर खींच पाएगी या नहीं।

एच. विनोथ ने किया है निर्देशन

एच. विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' में थलापति विजय एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। विजय के अलावा फिल्म में पूजा हेगड़े मुख्य अभिनेत्री के रूप में, बॉबी देओल खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में प्रकाश राज, गौतम वासुदेव मेनन, मामिता बैजू और अन्य कलाकार भी अहम किरदारों में हैं।

'रजनी की बारात' का पहला पोस्टर आउट

उल्का गुप्ता जल्द ही फिल्म 'रजनी की बारात' में नजर आने वाली हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया है। पोस्टर में उल्का गुप्ता पूरी अटिट्यूड के साथ स्कूटर पर अपनी ही बारात लीड करती नजर आ रही हैं — एक ऐसा विज़ुअल जो पारंपरिक सोच को तोड़ते हुए तुरंत ध्यान खींचता है। उल्का के साथ सुनीता राजवर और जरीना वहाब की मुस्कुराती मौजूदगी पोस्टर दिलचस्प बनाती है। वहीं दूसरी तरफ अश्वथ भट्ट एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आकर कहानी में एक दिलचस्प ट्विस्ट का संकेत देते हैं। बैकग्राउंड में चल रही शादी की तैयारियां इस पूरे सीन को एक फुल-ऑन बॉलीवुड सेलिब्रेशन में बदल देती हैं।

■ आदित्य अमन इसे एक ऐसी कहानी बताते हैं जो समाज के तय नियमों को चुनौती देती है और महिलाओं को अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेने की ताकत दिखाती है। फिल्म के प्रोड्यूसर तनाया आडारकर प्रभु और तेज एच आडारकर ने कहा कि रजनी की बारात सिर्फ एक शादी की कहानी नहीं है, यह एक स्टेटमेंट है। हम एक ऐसी लड़की की कहानी दिखा रहे हैं जो अपने फैसलों को खुद सेलिब्रेट करती है फिल्म पूरी तरह से आज के जेन जी दर्शक को एंटरटेनिंग और इमोशनली कनेक्टिंग करेगी।

ये हैं भारत के टॉप ट्रेंडसेटर डांसिंग सुपरस्टार्स

भारतीय मनोरंजन इंडस्ट्री में डांस हमेशा से फिल्मों का एक बहुत ही जरूरी हिस्सा रहा है। शुरुआत से ही हर दशक ने ऐसे कमाल के टैलेंटेड एक्टर्स देखे हैं जिन्होंने अपनी डांसिंग स्किल से पूरे देश को थिरकाया है। अपने हुक स्टेप्स के साथ ट्रेंड सेट करते हुए वे ऐसे सेंसेशन बन गए हैं जिन्हें पूरा देश बहुत प्यार करता है। तो इस इंटरनेशनल डांस डे पर आइए नजर डालते हैं उन टॉप 5 भारतीय सुपरस्टार्स पर जिन्होंने अपने डांस से लगातार ट्रेंड सेट किए हैं।

अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन वाकई में भारतीय सिनेमा के सबसे एनर्जेटिक, स्टाइलिश और डायनेमिक डांसर्स में से एक हैं, जिन्होंने अपने कमाल के डांसिंग स्किल्स से हमेशा दर्शकों को हैरान किया है। हर बार जब वे स्क्रीन पर आते हैं, तो कुछ हटकर लेकर आते हैं और अपने हाई-एनर्जी, तेज लेकिन सटीक डांस मूव्स से पूरे देश को दंग कर देते हैं। उन्होंने अपने डांस से पैन इंडिया लेवल पर एक गहरा प्रभाव पैदा किया है। स्क्रीन पर वे जो चार्म लेकर आते हैं, वो उन्हें देश के नंबर 1 डांसिंग स्टार के रूप में सबसे अलग खड़ा करता है। अपनी कमाल के टैलेंट के साथ NTR भारत के सबसे बेहतरीन डांसर्स की लिस्ट में एक खास जगह रखते हैं। अपनी परफॉरमेंस में वे जिस तरह से चेहरे के हाव-भाव और हाई-एनर्जी का तालमेल बिठाते हैं, वह वाकई बेमिसाल है। उनका हर कदम एक जादू की तरह लगता है। साउथ इंडियन डांस स्टाइल के एक अनोखे मेल के साथ उन्होंने खुद की एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

रणवीर सिंह

जब डांस में असली एनर्जी और स्टाइल की बात आती है, तो रणवीर सिंह का नाम सबसे ऊपर आता है। वे एक सच्चे बॉलीवुड डांसर की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपनी संक्रामक ऊर्जा और सहज स्वैग के साथ, वे हर किसी को अपने हुक स्टेप्स पर थिरकने के लिए मजबूर कर देते हैं। उनकी जीवंत उपस्थिति और यूनिक स्टाइल उन्हें इस पीढ़ी के सबसे अलग डांसर्स में से एक बनाती है।

ऋतिक रोशन

'डांस के भगवान' कहे जाने वाले ऋतिक रोशन का एक ऐसा स्टाइल है जिसे पूरा देश फॉलो करता है। उनकी स्मूथनेस, फ्लेक्सिबिलिटी और चार्म ने हमेशा दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। हर बार जब उनकी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होती है, तो दर्शक उनके नए डांस स्टाइल का बेसब्री से इंतजार करते हैं, जो अक्सर एक ट्रेंड बन जाता है। वे एक ऐसे सुपरस्टार हैं जिन्होंने स्क्रीन पर डांस को लगातार एक नई परिभाषा दी है।

यश

यश अपने डांस के जरिए स्क्रीन पर जो चार्म लाते हैं, वह वाकई में बहुत अलग है। उनकी एनर्जी और मूव्स एक ऐसा पावरफुल कॉम्बिनेशन बनाते हैं जो म्यूजिक के साथ पूरी तरह फिट बैठता है। वे जिस बेमिसाल तीव्रता (intensity) के साथ अपनी परफॉरमेंस देते हैं, उससे उनके डांस स्टेप्स को बड़े पैमाने पर फॉलो किया जाता है और वे एक सेंसेशन बन जाते हैं।

मंधाना आईसीसी रैंकिंग में एक स्थान नीचे खिसकीं

भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी आईसीसी की नवीनतम महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गईं। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गईं। बल्लेबाजों की सूची में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर शामिल हैं जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न सीरीज में 169 रन बनाने के बाद एक स्थान के फायदे से 646 अंक के साथ फिर से शीर्ष 10 में शामिल हो गई हैं। वहीं ऋचा घोष दो स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

वोलवार्ट ने हासिल किए सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं और उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 786 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब वह दूसरे स्थान पर मौजूद बेथ मूनी से सिर्फ दो रेटिंग अंक पीछे हैं। जॉर्जिया वोल 815 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वोलवार्ट ने 56 गेंद में नाबाद 92 रन बनाकर भारत के खिलाफ पांच मैच की सीरीज का अंत 330 रन के साथ किया जो किसी भी महिला द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में किसी एक खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। उनकी टीम ने सीरीज 4-1 से जीती। टी-20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कड़ी टक्कर देखने को मिली। टी-20 विश्व कप से पहले भारत की ऑलराउंडर दीप्ति और दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको मलाबा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारत की युवा खिलाड़ी श्री चरणी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। बेनोनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के अंतिम मैच में दो विकेट लेने के बाद बाएं हाथ की यह गेंदबाज 12 स्थान की छलांग लगाते हुए 11वें पायदान पर हैं।

साई पल्लवी ने 'एक दिन' को बताया इमोशनल सफर

साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म 'एक दिन' में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की, जिसमें जुनैद खान भी लीड रोल में हैं। हाल ही में एक इवेंट के दौरान, एक्ट्रेस ने आमिर खान और पूरी टीम का दिल से शुक्रिया अदा किया और इस सफर को अपने लिए बहुत ही सुखद और इमोशनल बताया। साई पल्लवी ने बहुत ही सादगी से कहा कि आमिर सर, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनाने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया, जहां मुझे इतना प्यार मिला। जब आप प्यार के बारे में बात करते हैं और आपके चेहरे पर जो चमक आती है, उसे देखना वाकई शानदार था। साई ने कहा कि हालांकि अपनी पहली हिंदी फिल्म को लेकर मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन यह एक बहुत ही खूबसूरत सफर रहा है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप